# HRA Sattle of Indias

प्राधिकार से प्रकाशित १५६६।६५६० ६७ ४०३०००६।११

सं० 13] नई बिल्ली, शनिवार, मार्च 28, 1987 (चैत्र 7, 1909)

No. 13] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 28, 1987 (CHAITRA 7, 1909)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग 111-खण्ड 1

# [PART III—SECTION 1]

उच्च म्यामालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विमाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिस्चनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रणा० सुधार, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

> (कार्मिक ग्रीर प्रशिक्षण विभाग) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्युरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 मार्च 1987

सं० ए०-20023/1/81-प्रशा०-5- निदेशक, केन्द्रीय-श्रन्वेषण ब्यूरो श्रीर पृलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना फिलहाल प्रतिनियुक्ति श्राधार पर केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो में लोक श्रिभयोजक (समूह "ख" राजपित्रत) के पद पर कार्यरत श्री श्राई० श्री० वैद्य को दिनांक 15-9-1986 से स्थायी "स्थानांतरण" श्राधार पर नियुक्त करते हैं ।

> धर्मपाल भल्ला प्रणासन श्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

गृह मं**त्रा**लय महानिदेशालय, के० रि० पु० झल

नई दिल्ली- 110003, दिनांक 3 मार्च 1987

> दिनांक 4 मार्च 1987 णुजि पक्ष

स० म्रो दो०-1538/81-स्थापना-I--- इस महानिवेशालय के समसंख्यक श्रिधसूचना सख्या दिनाक 24-2--87 के दूसरी लाइन दर्शीय श्रपराह्म शब्द जो श्री दयानन्द, पुलिस उप-मधीक्षक, 40 बटा० के० रि० पु० बल की मृत्यु के संबंध में है उसकी जगह "पूर्वाह्म" माना जाए।

श्रशोक राग महीपति सहायक निदेशक (स्थापना) महानिरेणाः प केन्द्रीय प्राद्धोगा सुरक्षा वस

नई दिल्ली-110003 दिनाम 26 फरवरी 1987

स ई 32015(4)/1/87-नामित 1/21—राष्ट्रपति के श्री सुब के निम्ना त्यात तिरीक्षका (कायपालक) को उनके नामा के संगक्ष दणई कई नारीखा म 18 श्रम 1987 का या इन पदो पर नियमित श्राधार पर नियुक्ति होन तक जो भी पहले ह। पूर्ण न तदर्थ श्रीर श्रम्थाई श्राधार पर प्रान्नित पर महायक पमाण्डेट के रूप में नियक । रंत है ——

क० ग्रिधिशारी गानाप स०	साय के ग्री मुब भाण्डेट/ यूनिट/पर्याक्ष गद्थ के रूप मे ार्गभाग सभादने की नारीख
<b>मर्वि</b> श्री	
1 एम० मजीबुटलाह	9-2-87 श्र <b>्माई०</b> एन०
2 बी०मीजिंग्मः स्व	(प्रपराह्म) ट्रन्धियाजन 29 )-87 वी० ग्रार० पी०
3 एस० दे० बोस	(पूर्वाह्न) एल०, बोगाईगाव 11-2-87 बी०मी०सी (ग्रपराह्न) एल० झरिया
	सुनी <b>ल छु</b> ष्ण पटायक महानिर्दक्षक वर्मिक

# भारत के महारजिस्टार 🕕 ायतिय नई दिल्ली-110011, दिना। 3 गार्च 1987

स० 10/10/86-पणा०-१—योजना महा त्य, माख्यिकी विभाग की श्रिधमूचना ग० ए० 11024/4/86-आई० एस० एस० (1) तारीख 8-5-1986 के अन्मरण मं आर इस नार्यालय की श्रिधमूचना ग० 25/16/74-आर० जी० (प्रणा०-1) तारीख 2-5-74 खीर 10/23/77-प्रणा०-१ तारीख 21-5-79 ना अधिकमण करते हुए जिसमें सर्वधी ताई० एस० रात, आर० एन० गुष्ता और बी० एन० एखने को आई एस० एस० के ग्रेड-१४ पर प्रोन्नत किया करा था राष्ट्रपति उन्हें भारत के महारजिस्ट्रार के रायित्व में उनके नामी के मामने दि । शरीख से प्रोन्ति द्वारा अनुसक्षान श्रिवतारी के पद पर नियुक्त रुपते हैं।

<del></del>	,
<b>क्र</b> म श्रिधिरारी हा — -	— — — प्रोन्नितिकी
स० नाम ~ —	नारीख
1 श्री वार्ड० एम० स्व	26-4-74
2 श्री स्नार० ए 10 गुप्त	7-5-79
3 श्रींबीं० एन० <del>कण्डें</del> न	
41- 340 1145 4	7-5-79
सर्वश्री राव गुष्य ग्रार एण्डने हा मुरया य नर्ड	ਰਿਕੜੀ ਜੇ
\$ 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1 - 1	ं नजस्या म
ह [गा	

बी० एस० वर्मा, भारत ये महारजिस्ट्रार भारतीय लेखा परीक्षा एव लेखा विभाग

कार्यानय, उप-निदेशक लेखा (डाक्) वपूरण ॥ 144601 दिनाक 3 मार्च 1987

स० ऋ० प्रणामन/ए०-IV/ ध्रनुशासन/राजिन्दर सिह/
1548—श्री राजिन्दर सिह सुपुत्र श्री जीत सिह इस वार्यालय में
दपतरी के रूप में कार्य करता हुआ 26-12-85 में भ्रनाधिकृत रूप
से भ्रनुपस्थित रहा और सरवारी पत्न जो उस के वर्तमान पते पर
मेजे गए, उन्हें प्राप्त नहीं किया । के०सि०से० (ब०नि०श्र०)
नियमावली, 1965 के विभागीय नियमों के अन्तर्गत श्रावश्यक
श्रनुशासनात्मक कार्यवाही वा श्रनुपालन करने के उपरान्त श्री
राजिन्दर सिह दपतरी को 11-2-87 (पूर्वाञ्च) को नौकरी से हटाया
गया। सेना से हटाये जाने वाले श्रादेश उसके कार्यालय में श्रन्तिम
उपलब्ध पते पर भेजे गए। चूकि कर्मचारी को नौकरी से हटाये
जाने वाले उपरोक्त श्रादेश को जिम पजीकृत लिकाफ में उसके
वर्तमान उपलब्ध पते पर भेजा गया था वह भी वित्रित हुए बिना
वापस श्रा गया है, इसलिए एतद्वारा यह श्रिधसूषित विया जाता
है कि श्री राजिन्दर सिह दफ्तरी सुपुत्र श्री जीत सिह को 11-2-87
(प्रवाह्र) से नौकरी से हटाया जाता है।

भ्रार० पी० महगल सहायक मुख्य लेखा श्रधिकारी (डाक), नपूरथला

महालेखावार (लेव ह) का वार्यालय, केरल तिरुवनन्तपुरम, दिनार 16 फरवरी 1987

स०ले व ह/का० स्था० (ह व रो)/4/10-3/85-86— इस कार्यालय का निम्निलिखित कर्मचारी श्रिधिवर्षिता के नारण 30-11-1986 (श्रपराह्म) मे सेवा निवृत्त हो गया है।

श्री टी० बेलप्पन्नायर, लेखा ग्रधिकारी ।

वि० तक्ष्मी नारायणन महालेखानार

नार्याक्षय, महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-प्रथम म० प्र० ग्वालियर, दिनाक 27 फरवरी 1987

म० प्रणासन 11/समूह-2/329/614—केन्द्रीय सिविल सेवाऐ (पेशन) नियम, 1972 के नियम 48-ए के प्रन्तर्गत श्री मोहनदास सहायक लेखापरीक्षा श्रिधकारी 02/1567 को दिनाक 31-3-1987 (प्रपराह्म) से शासकीय सेवा से स्वैच्छिक सेवा-निवृक्ति की स्वीकृति प्रदान की गई है।

> [प्राधिकार महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-प्रथम के श्रादेश दिनांक 20-2-1987]।

> > म्रपठनीय उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार (लेखा परीक्षा) - प्रथम, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता-700001, दिनांक 25 फरवरी 1987

सं० प्रशासन-प्रथम/पदोन्नति-93/लेप० श्रिधि०/3301— महालेखाकार (लेखा परिक्षा)-प्रथम, पश्चिम बंगाल ने श्री सत्येन्द्र नाथ बनर्जी, महायान लेखा परीक्षा श्रिष्ठिकारी को 23 फरवरी, 1987 के पूर्वाह्म से कार्यालय महा-लेखाकार (लेखा परिक्षा) प्रथम, पश्चिम बंगाल श्रीर महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-द्वितीय, पश्चिम बंगाल में अस्थायी श्रीर स्थानापन्न एप से लेखा परीक्षा श्रिष्ठकारी के पद पर श्रगला श्रादेश तक नियुक्त करने की कृपा की है।

यह पदोन्नति माननीय कलकत्ता हाई कोर्ट में लाम्बित रिट याचिका के ब्रन्तिम तिर्णय के ब्रधीन है।

नये पदोन्नत लेखा परीक्षा श्रधिकारी को श्रनुच्छेद 2 (ख) के शर्त के श्रनुसार भारत सरकार, गृह मंत्रालय के ज्ञापन दिनांक 26-9-81 में एक माह के भीतर श्रपना वेतन 22 (क) (1) के श्रन्तर्गत पदोन्नति की तारीख के दिन में श्रीर फिर उसके बाद मूल नियम 22 (ग) के श्रन्तर्गत नीचे के पद पर श्रागाद्भी वेतन वृद्धि की तारीख में या सीधे पदोन्नति की तारीख से निर्धारण के लिए विकल्प दे सकते हैं।

### दितांक 27 फरवरी 1987

सं० प्रशासन-प्रथम/पदोन्नति-93/सहा० लेप० ग्रिधि०/
3331--महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-प्रथम, पिष्वम बंगाल ने
1. श्री सत्यम्नत वसाक, ग्रानुभाग ग्रिधिकारी (लेखा परीक्षा),
2. श्री रणेन्द्र नाथ सामन्त, ग्रानुभाग ग्रिधिकारी (लेखा परीक्षा),
वो २४ फरवरी, 1987 के पूर्वाह्म में (राजपितत वर्ग 'ख' पद पर 2000-60-2300-इक्ष० ति०-75-3200
हपये वेतामान पर) ग्रास्थायो ग्रीर स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा परीक्षा ग्रिधिकारी के पद पर नियुक्त करने को कृपा की है।

ये पदोन्नितयां माननीय केन्द्रीय प्रशासिनक द्रिब्यूनल कलकत्ता में लिम्बित रिट याचिक के भ्रन्तिम निर्णय के भ्रधीन हैं।

नये पदोन्नन सहायक लेखा परीक्षा ग्रिधिकारियों को अनुक्छेद दो ख के शर्त के अनुसार भारत सरकार, गृह मंत्रालय के ज्ञापन दिनाक 26-9-81 में एक माह के भीतर अपना वेतन 22(क)(1) के अन्तर्गत पदोन्नति की तारीख के दिन से और फिर उसके बाद मूल नियम 22(ग) के अन्तर्गत नीचे के पद पर आगामी वेतन वृद्धि की तारीख के दिन से या सीधे पदोन्नति के तारीख से निर्धारण की लिये विकल्प दे सकते है।

सनत कुमार मिश्र वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन) पश्चिम बंगाल रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महातियवक

नई दिल्ली-110 066, दिशक 4 मान् 1987

मं० प्रणासन-1/1679/5/1--श्री एस० वेकटामुझामिणियो, आई० डी० ए० एस० को उनके द्वारा दिनांक
28-1-87 की 58 वर्ष की श्राय प्राप्त कर लेने पर (उनकी
जन्मतिथि दिनाक 19-1-29 हीने के काण) दिनांक
31-1-87 के अपराह्म में न्या लंखा विभाग के संख्याबल
में हटा दिया गया है श्रीर न्यनुमार उन्हें दिनाक 1-2-87
के पूर्वाह्म में पंगन स्थानना का अन्तरित कर दिया गया है।

डी० के० चेतसिह, रक्षा लेखा प्रपर महानियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रात्रय़ भारतीय श्रार्डनेत्स फैक्टरी सेवा श्रार्डनेस्स फैक्टरी वोर्ड

कलकता-1, दिः।। व 27 फरवरी 1987

स० 4/ए/जी--चार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री टि० ए० ती० ग्रार० नाम्बिसा, कार्य प्रवन्धक (मैलिक फैर मैने,) दिनाक 31-01-87 (श्रवराह्न) से सेवा-निवृत्त हुए। नदनुसार उनका नाम दिनाक 1-2-87 (प्रातः) से भारतीय श्रायुद्ध निर्माणों सेवा से हटाया जाता है।

एम० ए० **अलह**त संयुक्त निदेशक जी

वाणिज्य मन्नालय

मुख्य ियंत्रकः स्रायात—िर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाक 24 फरवरी 1987 स्रायान एवं निर्यान व्यापार नियंत्रण स्थापना

मं० 6/968/72-प्रणा० (राज्ञ०)939.—-राष्ट्रपति, स्रायात-निर्यात व्यापार निर्यंत्रण संगठन के श्री एम० एम० रेहानी, सहायक मुख्य नियंत्रक. स्रायात-निर्यात (केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड-3) को 6-11-86 की श्रपराह्न में, स्रगले श्रादेणों के होने तक, केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड-2( उप मुख्य नियंत्रक, स्रायात-निर्या। के न्य मे) नियुक्त करते हैं।

सं० 6/975/72-प्रणा० (राज०)/945---राष्ट्रपति, ग्रायात-निर्यात व्यापार निर्यातण संगठत के श्री ए० जी० बी० मुब्बु, महायक मुख्य निर्यातक. ग्रायात निर्यात (केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेट-3) को 6-11-86 के प्रेपराह्म से ग्रायात ग्रादेण जारी होने तक, केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड-2 भिक्षकारी (उप मुख्य निनंत्रक, श्रायात-नियति) के रूप में नियुक्त करते हैं।

शंकर चन्द उप मुख्य नियंत्रक कृते मुख्य नियंत्रक श्रायात नियति

### वस्त्र मंत्रालय

विकास ग्रायुक्त (हस्तिशिल्प) कार्यालय नई दिल्ली-110066, दिनांक 26 फरवरी 1987

सं० 1/9/85-प्रशा०-I---श्री एस० एस० शर्मा, स्थायी सहायक विकास श्रिष्ठकारी (उन) को, जो इस समय इस कार्यालय में तदर्थ श्राधार पर उप निवेशक (कालीन) के रूप में स्थाना-पन्न श्राधार पर नियुक्त हैं, विनांक 18-2-87 के पूर्वाह्न से श्राप्ते भावेशो तक रु० 1100-50-1600 के वेतनमान में उप निदेशक (कालीन) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियमित रूप से नियुक्त किया जाता है।

2. ये उक्त वेतनमान में उप निदेशक (कालीन) के रूप में पहले से प्राप्त कर रहे वेतन को प्राप्त करते रहेगे। पी० के० दत्ता विकास ग्रायुक्त (हस्तशिल्प)

### उद्योग मंत्रालय

(ग्रौद्योगिक विकास विभाग) विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1987

सं० 12(24)/61-प्रशा० (राज०)—सेवा-निवृत्ति की म्रायु प्राप्त कर लेने पर, लघु उद्योग सेवा सस्थान, कटक के निदेशक, ग्रेड—II, (सामान्य प्रशा० प्रभाग) श्री एम० शाहुल हमीद को 31-1-87 (श्रपराह्म) से सेवा-निवृत्त कर दिया गया है।

सं० ए०-19018(493)/80-प्रधार (राज०)-राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर के सहायक निदेशक,
ग्रेड- (रसायन) श्री सुखपाल स्वामी की नियुक्ति, लघु
उद्योग सेवा संस्थान, गोवा में सहायक निदेशक, ग्रेड-I
(रसायन) के पद पर, दिनाक 1-1-87 (ग्रपराह्न) से ग्रगले
श्रादेश जारी होने तक के लिये करते हैं।

> सी० सी० राय उप निदेशक (प्रशा०)

इस्पात एवं खान मंत्रामय
(इस्पात विभाग)
लोहा और इस्पात नियंत्रक
कलकत्ता-700020, दिनांक 3 मार्च 1987
शिक्ष पत्र

मं० ई०-I-2(1)/85(.).—-राजपन्न प्रधिसूचना सं०-ई-I-2185—की दूसरी पंक्ति में उल्लिखित नाम "श्री सुशील कुमार देव" की जगह श्री सुशील कुमार देव पढा जाये।

सनत कुमार सिन्हा उप लोहा श्रौर इस्पात नियंत्रक

(खान विभःग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कल हत्ता-700 016, दिनांक 26 फरवरी 1987

सं० 1287बी/ए-19012(4-एस०एस०)/86-19बी०-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूविज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तक्ष्मीकी सहायक (द्विलिंग) श्री सुमित्तर सिंह को ड्रिलर के पद पर नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द०-रो० 40-1200 (पुराने वेतनमान) रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन क्षमता मे, आगामी आदेश होने तक 1-12-1986 के पूर्वाह्म से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

स० 1309 बी/ए०-32013(1-षरि० प्र० प्रधि०)/82 10ए०---राष्ट्रपति जी, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्न लिखित प्रणासनिक ग्रधिकारियों को वरिष्ठ प्रणासनिक ग्रधि कारी के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 1100-50-1600 रु०, के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागामी ग्रादेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई विधि से पदोक्षति पर नियुक्त कर रहे हैं।

- श्री एम० सी० एम० मेनन 2-1-1987 (पूर्वाल्ल)
- श्री एस० सी० बास्मीकि 6--1-1987 ,,
- 3 श्री एस० पी० मिल्लिक 31-12-1986 ,

### दिनांक 27 फरवरी 1987

स० 1355 बी/ए-19011(1-पी० एस० जी०)/86-19ए०--राष्ट्रपति जी, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूभौतिकीविद् श्री परिवन्दर सिंह गिल को, भू-वैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रू० के वेतनमान के न्यूनतम वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, श्रागामी श्रादेण होने तक 22-12-1986 के पूर्वाल से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 1370 बी/ए-32013(2-भू भौ० वरि०)/83 19 बी०—राष्ट्रपति जी, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित भूभौतिकीविवों (कनिष्ठ) की भूभौतिकीि (क (वरिष्ठ) के पद पर उसी विभाग में नियमानुसार 1100-50-1600 रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में, ब्रागामी ब्रावेश होने तक, प्रत्येक के सामने वर्शाई गई निथि मे पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं.—

1. श्री एन० सी० मुरली

10-9-1986 (पूर्विह्न)

2 श्री भ्रार० वैधनाथन

10-9-1986 (पूर्वाह्न)

सं० 1384 बी/ए-32013 [2-भूवि० कनि० (समी०)] 82/19 बी०--राष्ट्रपति जी, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूभौतिकीविद् (उपकरण) श्रीमती नीला सरकार को भूभौतिकीविद् (किनष्ठ) (उपकरण) के पद पर उगी विभाग में नियमानुसार 700-40-900-द-रो०-40-1100 50-1300 रु० के वेतनमान के वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में, श्रागामी आदेश होने तक, 29-12-86 के पूर्वीस्त्र से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं०1121 एन/ए-19011(1-ए० स्रो०)/86-19 ए०--राष्ट्रपति जी, श्री ए० स्रोमकुमार को भूवैंज्ञानिक कनिष्ठ के पद परभारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 ६० के वेतनमान के न्यूनतम वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में स्रागामी स्नादेश होने तक, 8-1-87 के पूर्वास्त्र में नियुक्त कर रहे हैं।

### दिनांक 2 मार्च 1987

सं०  $1137 \, \nabla r = |\nabla r| = 10011 \left( 2 - 3 \, \nabla r = 0 \right) |86 - 19$  बी० — राष्ट्रपति जी, श्री सुन्धु दयानन्द को भूभौतिकी विद्य (किनिष्ठ) (उपकरण) के पद पर भारतीय भूबेजानिक सर्वेक्षण में 700 - 40 - 900 - 40 - 100 - 50 - 1300 क० के वेतनमान के बेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक, 30 - 12 - 1986 (पूर्वीह्न) सं, नियुक्त कर रहे हैं।

### दिनांक 3 मार्च 1987

स॰ 1171-एन/ए-19012(2-जि॰ के॰)/85-19 बी-भारती भूवेज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री जय कमल को सहायक भभौतिकी विद् के रूप में भारतीय भूवेज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-30-740-35-810-द० रो॰-35-880-40-1000-द० रो॰-40-1200 रु० के वेतनमान के वेतन पर अस्थायी क्षमता में, श्रागामी श्रादेश होने तक 17-11-1986 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

श्रमित कुणारी निदेशक (कार्मिक) कलकत्ता-700 016, दिनांक 26 फरबरी 1987

स० 1298 बी/ए-19011(1-डी० एन० एस०)/86-19 ए-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निदेशक (भू-विज्ञान) श्री डी० एन० सेठी ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में निदेशक (भूविज्ञान) के पव का कार्यभार 22 अक्सूबर, 1986 से छोड़ दिया है तािक वे भारत सरकार के अन्तरिक्ष विभाग में वैज्ञानिक/अभियन्ता एस० एफ० का पव 1800-2250 ६० के वेननमान में प्रतिनियुक्ति की सामान्य शर्ती पर प्रारम्भिक रूप में एक वर्ष की अवधि के लिये ग्रहण कर सके।

एन० के० **मुखर्जी** वरिष्ठ उप महानिदेशक (प्रचालन)

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत मौमम विज्ञान विभाग नई दिल्ली-3, दिनांक 5 मार्च 1987

सं० ए० 32013(मौ० वि० ग्र० म० नि०)/3/86—स्था०1—राष्ट्रपति, डा०एन०सैन राय मौसम विज्ञान के उप महानिदेशक को भारत मौसम विज्ञान विभाग में तारीख 6—2-1987 से श्रागामी श्रादेशों तक मौसम विज्ञान के अपर महानिदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एस० डी० एस० श्रब्बी मोसम विज्ञान के उपमहानिदेशक (प्रशासन एवं भण्डार)

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1987

सं० ए०-32013 / 1 / 81-एन० एम० ई० पी०/प्रणा०-1 / पी० एच० (सी० डी० ए०) -सेवा-निवृत्ति की भ्रायु के हो जाने पर, इस निदेशालय के भ्रधीन राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, विल्ली के डा० मनोरंजन दास, उप निदेशक (कीट विज्ञान), 30 जनवरी, 1987 के भ्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

जैस्सी फ्रांसिस उप निदेशक (प्रशासन) (पी० एच०)

सचार मंत्रालय ग्रनुश्रवण संगठन

नई दिल्ली, दिनांक 29 दिसम्बर 1986

सं० ए-12019/1/85-प्रशा०-संचार मंत्रालय के संवर्ग में वरिष्ट हिन्दी ग्रनुवादक, श्री देवी लाल, जो सचार मंत्रालय के अनुश्रवण संगठन में हिन्दी श्रिधकारी (राजपित्रत—समूह "ख") के पद में प्रतिनियुक्ति पर है, की प्रतिनियुक्ति की प्रविधि दिनांक 10 दिसम्बर, 1985 की समलंख्य ह श्रिधसूचना में उल्लिखित मनों पर 28 दिसम्बर, 1986 के बाद श्रीर श्रागामी श्रादेशों तक बढ़ाने के लिए संचार मंत्रालय में भारत सरकार के बेतार मशाहकार की मंस्वीकृति एनद्द्वारा प्रदान की जाती है।

श्चार० एन० अग्रयाल, उप निदेशक (उपग्रह) **कृत** भारत सरकार के बेतार सलाहकार

# खाद्य और नागरिक पूर्ति मंद्रालंथ खाद्य विभाग शर्करा निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक मार्च 1987

म० ए-20012/132/70/स्था० खण्ड-11--शर्करा निदेशालय, खाद्य विभाग के श्रनुभाग श्रिधकारी (लेखा एव सांख्यिकी) श्री वी० एन० डोगरा निर्वतन की श्रायु प्राप्त करने के परिणाम स्वक्ष्प दिनाक 28 फरवरी, 1987 (श्रक्राह्म) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत हो गए हैं।

वी लक्ष्मीरतन, संयुक्त सचिव (शर्करा)

# कृषि मंद्रातय (कृषि तथा सहकारिता विभाग) विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1987

्स० 2-2/87-स्थापना (1)—विस्तार निदेशालय की विभागीय पदोन्नति समिति ग्रप ''बी'' की सिफारिण पर श्री सोहन लाल धीर, स्थायी ग्राधिक्षक (ग्रेड-1) को दिनांक 20-2-1987 के श्रपराह्न से छः माह की श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रदेशों तक इनमें जो भी पहले हो, रुपये 2000-60-2300 द० रो०-75-3200-100-3500 के वेतनमान में सहायक प्रशासन श्रधिकारी, ग्रुप ''बी'' (राजपितन) के पद पर स्थानापन्न रूप में पदोन्नत किया जाता है।

म्रार०जी० बनर्जी, निदेशक प्रशासन

दिल्ली दुग्ध योजना

नई दिल्ली-8, दिनांक 22 दिसम्बर 1986

### म्रादेश

म ० 4-21/85-सतर्कता--यत श्री मोहिन्द्र सिंह सृपुत्र श्री लाल चन्द, ड्राइविंग ड्यूटी पर तैनात मेट को इस कार्यालय के दिनाय 17-1-1986 के सममख्यक ज्ञापन द्वारा केन्द्रीय मिनिल सेवा (वर्गीकरण, नियन्नण ग्रार प्रपील) नियम, 1965 के नियम 14 के अन्तर्गत निम्नेलिखित आरोप के लिए एक आरोप पत्न जारी किया गया था —

"क्षि कथितश्री मोहिन्दरसिंह, मेट को दिनाक 8-7-85 को रूट न० 50 (प्रात.) पर दूध वितरण करने के लिए वैन नं० 94 पर ड्राइविंग इयुटी पर लगाया गया था । यह कहा गया है कि जबकि उक्त तारीख को श्री मोहिन्दर सिंह मेट ड्राइविंग ड्यूटी ने वितरण करने के निए ब्राधा लीटर वाली दूध भरी बोतलों वाले 240 केट लिए परन्तु खाली बोतले जमा फराते समय उसने खाली बोनलो धाले केवल 236 फेट ही केन्द्रीय डेरी में जमाकराए।यह भी कहा गया है कि उपने रूट ग्रैड्यूल में यथा निर्दिष्ट केटों की संख्या के श्रांकडों में रद्दोबदल की ।श्रत उस पर श्रारोप लगाया जाता है कि उसने 80 दूध भरी बोनलों समेत चार ऋट क्तम जना कराए जिससे स्पष्टत. इयुटी के प्रति लापरवाही ग्राँर सरकारी दस्तावेजों में भ्राकडों पर ग्रावर राइटिंग कर उनमें रहोबदल करना जाहिर होता है जोकि एक सरकारी कर्मचारी के लिए उचित नहीं है ग्रांर केन्द्रीय सिविल सेवा (ग्राचरण) नियम, 1964 के नियम 3 का उल्लंघन है।"

भ्रौर यत. श्री श्रार० एत० लूथरा को जाच अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था जिन्होंने श्रपने निष्कर्ष विनांक 26 भ्रगस्त, 1986 की म० ई० श्रो० (एल०)/86 (प्रति सलग्न) ब्रारा प्रस्तुत कर दिए हैं । अधोहस्ताक्षरी ने जाच रिपोर्ट तथा रिकार्ड में उपनब्ध सभी तथ्यों ग्रांर परिस्थितियों की ध्यानपूर्वक तहकीकात की है। श्री मोहिन्दर सिह ड्राइविंग ड्यूटी पर तैनात मेट पर यह ध्रारोप है कि उसने प्रपने लिये गैर कानूनी तरीके से ग्रार्थिक लाभ उठाने 'हेतु दूध के चार केटों की चोरी ग्र*ा*र सरकारी दस्तावेजों मे रहोबदल की है। उसके स्ट गोड्यूल मे लिखे गये श्रांकडों मे रद्दोबदल करके ऋमशः डिपु नं० 321 ग्राँर 323 की सप्लाई के ग्रांकड़ों को बदलकर 40 से 38 फ्रेंट ग्रौर 31 से 29 केट कर दिया है इस प्रकार उसने इन दोनो डिपुग्नों पर दूध के 4 फेट कम डिलीबर किए ग्राँर फिर केन्द्रीय डेरी में ऋेट तथा खाली बोतलें कम जमा कराई। उसने यह काम इस ढंग से किया कि इस ग्रमंगति का तुरन्त पता नहीं लगाया जा सका। इस बात की पुष्टि भ्रागे दस्तावेज मं० दि० दु० यो० 44 फार्म से भी हो जाती है जिसमें रोकड लिपिक द्वारा जमाकराया गया रोकड श्रकित होता है। यह दस्तावेज यह भी बनाता है कि दिनाक 8-7-85 को ऋमश डियू न० 321 ग्रीर 323 पर केवल 760 ग्रीर 580 बोतले डिलीवर की गई थी श्रोर रोकड लिपिक ने तदनुसार दिल्ली दुध योजना के रोकड प्राप्ति श्रनुभाग में रोकड जमा कराया है। उसने जिस तरह से सबंधित रूट पर वितरण करने के लिये दुध लिया था उस भ्रमुख्य स्ट पर दूध भी सप्ताई नहीं किया। श्रारोपित कर्मचःरी को प्रारंग्भिक सुनवाई हेतु दिनांक 17-6-1986 श्रौर नियमित सुनवाई

हेनु दिनाक 10-7-86. 23-7-86, 4-8-86 श्रीर 13-8-86 को पर्याप्त ममय दिया गया पर नु उसने जानबूझ कर किसी न किसी कारण से दस्तावेज लेने से टाल-मटोल की। उसने जांच कार्यवाही में सहयोग नहीं दिया श्रीर जांच कार्यवाही को विफा करने के िये जानबृझ कर मामले में देर करने की चालों को श्रपनाया। श्रधाहरूलाक्षरी को पूरी तरह विश्वास हो गया है कि श्री मोहिन्दर सिंह के पास ग्रपने बचाव में कहने के लिये कुछ भी नहीं था, जिसमें उसने श्रपनी गनती मान ली।

अधोहस्ताक्षरी जाच अधिकारी के निष्कर्षों से सहमत है। आरोप को सिख करने के लिये रिकार्ड में पर्याप्त दस्तावेजी सबूत हैं। अतः उसे आरोप के लिये दोषी पाया गया है जो बहुत ही गम्भीर प्रकार का है। अतः अधोहस्ताक्षरी को विश्वास है कि श्री मोहिन्दर सिंह ड्राइविंग ड्यूटी पर तैनान मेट के अपराध की गम्भीरता/गम्भीर स्वस्प के अवचार को महे नजर रखते हुए जनहित में उसे सरकारी सेवा में रखे जाने के लिये वह एक उचित व्यक्ति नहीं है।

स्रब स्रतः स्रधोह्स्ताक्षरी केन्द्रीय मिबिल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण स्रौर प्रपील) नियम 1965 के नियम 11 के अन्तर्गत प्रदत्त जिस्सों का प्रयोग करते हुए पथोचित स्रौर पर्याप्त कारणों के स्राधार पर श्री मोहिन्दर सिंह ड्राइबिंग डयूटी पर तैनात मेट को अब से तत्काल नौकरी से हटा दिये जाने का दण्ड देते हैं।

श्री मोहर सिंह बलदेव चन्द, सुपुत्र श्री लाल चन्द, मेट उप महाप्रबन्धक (प्रशासन) ड्राइविंग ड्यूटी ग्राम्सनिक प्राधिकारी गांव तथा डाक बाना-बवाना दिल्ली-1100301

# परमाणु उर्जा विभाग

### कथ और भंडार निदेशालय

बम्बई-400085, दिनांक 26 फरवरी 1987

मं० ऋभिनि/2/1(29)/83-प्रणा०/9517-परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋष और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई भंडारी, श्री प्रभाकर बालकुष्ण बड़के को इसी निदेशालय में दिनांक 2 फरवरी, 1987 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेश होने तक 2000-60-2300- द० रो०-75-3200-100-3500 रुपए के वेतनमान में महायक भंडार श्रधिकारी के पद पर श्रस्थाई तौर पर स्थानापन्न सप में नियुक्त किया है।

मं० क्रभनि/2/1(29)/83-प्रणा०/9528-परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय श्रौर भंडार निर्देशालय के निर्देशक ने स्थाई भंडारी श्री बिनिराम गोपाल बाने की इसी निर्देशालय में दिनांक 2 फरवरी, 1987 (पूर्वाह्म) से श्रगले आदेश होने तक 2000-60-2300-40 गे० -75-3200-100-

3500 रुपए के वेतनमान में सहायक भंडार ग्रिधिकारी के पद पर ग्रम्थाई तौर पर स्थानापन्न रूप से नियक्त किया है।

### दिनांक 3 मार्च 1987

मं० कभिन/41/3/85-प्रज्ञा०/9553--परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय ग्रीर भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थानापन्न महायक लेखा श्रधिकारी, श्री ध्रार० के० गर्मा को इसी निदेशालय में दिनांक 27-11-1986 (पूर्वाह्न) से 27-12-86 (ग्रपराह्न) तक 2375-75-3200-द०रो० 100-3500 रुपये के वेतनमान में लेखा ग्रधिकरी-II के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापत्न रूप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति श्री मिदल्याली-लेखा ग्रधिकारी II के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त ग्रवधि के लिये छुट्टी प्रदान की है।

बी० जी० कुलकर्णी प्रशासन भ्रधिकारी

### नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 25 फरवरी 1987

सं० ना ई स/का प्र भ/0703/501—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या ना ई स /का प्र भ /0703/03, दिनांक 1-1-1987 के अभ में लेखा सहायक श्री चु० रा० प्रभाकरन की क्पये 2000-60-2300—द० रो०-75—3200 के वंतनमान में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्ति को दिनांक 22-5-1987 पर्यन्त अथवा आगमी आदेशों पर्यन्त, इनमें में जो भी पूर्वघटित हो, आगे बढ़ाया जाता है।

गोपाल सिंह प्रश्वन्धक का**मिक च**प्रशासन

# इन्दिरा गांधी धरमाण् अनुसन्धान केन्द्र

कल्पक्कम, दिनांक 2 मार्च 1987

मंश्र्याई० जी० मी० ए० श्रार०/ए/32023/1/87-श्रार०/253--निदेणक, इन्दिरा गांधी परमाण अनुमन्धान केन्द्र के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न प्रवरण कोटी लिपिक श्री जोमेफ दोरैराज को उमी केन्द्र मे 2 मार्च, 1987 पूर्वाह्म से 3 श्रप्रैल, 1987 प्रपाह्म तक महायक प्रभामनिक श्रिधकारी के पद पर नदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

ए० मुज्रमणियन, प्रशासनिक ग्रधिकारी

## वन मनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

### देहराष्ट्रन, दिनांक 3 मार्च 1987

सं० 16/410/86—स्थापना—I—सेवा निवृत्ति की भ्रायु प्राप्त करने पर श्री मदन लाल डंगवाल, महायक कुल सचिव, वन श्रनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून दिनांक 31 जनवरी, 1987 के श्रदराह्न से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

सं० 16/455/86-स्थापना-J—मध्यक्ष, वन म्रनुमन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री पी० एस० बाली, कार्यालय ग्रधीक्षक को ग्रस्थाई रूप में सहायक कुल सचिव के पद पर दिनांक 2-2-1987 के पूर्वीह्न से भ्रागामी भ्रादेशो तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

जगदीण नारायण सक्सेना, कुल सचिव वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

### केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 27 फरवरी 1987

सं० ए०-19012/1212/86-स्थापना पांच--ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री आनन्द प्रकाश, ग्रिमकल्प महायक को श्रितिरिक्त महायक निदेशक /सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 2000-60-2300-दक्षतारोध-3200-100-3500 रुप्ये के वेतनमान में 28-8-1986 (पूर्वाह्म) में एक वर्ष की श्रवधि के लिये श्रथना पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण श्रस्थाई तथा तदर्थ ग्राधार गर स्थानापन्न का में नियुक्त करते हैं।

एम० भ्रार० सिंगस, श्रवर सचिव केन्द्रीय जल भ्रायोग

# केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

### फरीदाबाद, दिनांक 4 मार्च 1987

सं० 3-762/87-मु० जल भू०(स्था०)--श्री सुरेन्द्र कुमार जुनेजा को दिनांक 17-12-1986 (पूर्वाह्न) से श्रमले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड, उत्तर मध्य क्षेत्र में सहायक जल भूबिज्ञानी के पद पर जी० सी० एस० समूह (ख) (राजपत्नित) मूल वेतन 2000/-- रुपये प्रति माह परिशोधित वेतनमान रुपये 2000-60-2300 द० रो०-75-3200-100-3500 पर अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है । उनका मुख्यालय र्राज्य एकक कार्यालय, रायपुर में होगा।

> बी० पी० सी० सिन्हा, मुख्य जल भृविज्ञानी एवं सदस्य

### मध्य रेल

# महाप्रबन्धक का कार्यालय

बम्बई-400001, दिनांक 2 मार्च 1987

सं० एच० पी० बी/जी०ए०जेड/220/ए० सी०—लेखा विभाग के निम्नलिखित श्रिधकारियों को 'ख' वर्ग में सहा० लेखा श्रिधकारी के रुप में उनके सामने दिखाई गई तिथि से स्थाई किया जाता है।

क सं० नाम	स्थायीकरण की तारीख
1. श्री ए० के० वैद्यनाथन	18-8-80
2. श्री एल० म्रार० मोटवानी	18-8-80
<ol> <li>श्री एस० डब्ल्यू० मुले</li> </ol>	18-8-80
4. श्री एम० <sup>ड</sup> ही० भालेराव	18-8-80
5. श्री <b>ट</b> ही० जी० <b>ग्र</b> ररायकर	18-8-80
<ol><li>श्री एन० श्रीनिवासन्</li></ol>	18-8-80
7. श्री के० सी० झकारिया	18-8-80
8. श्री जे० सी० शर्मा	18-8-80
9. श्री <b>धा</b> र० एस० णर्मा	18-8-80
10. श्री एच० जी० चावला	18-8-80
11. श्री जी० एस० शुक्ला	18-8-80
12. श्री एस० एस० रामन	18-8-80
13. श्री एन० सु <b>क्रमण्</b> यम्	18-8-80
14. श्री इही० डी० घाटनेकर	18-8-80
15. श्री सी० एम० एस० के० मेनन	18-8-80
16. श्री ग्रार० पी० मेहरु	18-8-80
17. श्री ग्रार० वेंकटेश्वरन्	18-8-80
18, श्री सी० जे० नीगलूर	18-8-80
19. श्री ए० जयराज जेसूदास	18-8-80
20. श्री जी० टी० लालवानी	18-8-80
21. श्री जी० एस० श्रहलुवालिया	18-8-80
22. श्री जी० राजा <u>रा</u> म	18-8-80
23. श्री वही० सुन्दरेसन	1-11-80
2.4. श्री एन० जी० सुक्रमण्य्म	1-7-81
2.5. श्री के० भ्राई० जोसेफ	1-12-82
26. श्री ष्टी० एल० देवधर	1-8-83
27. श्री के० एस० श्रीनिवासन्	1-9-83
28. श्री वाई० सुब्बाराव	1-10-83
29. श्री व्ही० एस० महाजन	1-12-83
30. श्री ए० सुक्रमण्यम्	1-1-84
31. श्री एम० जी० महन्त	1-3-84
32. श्री एस० भार० कुबेर	1 <del>-</del> 3-85
33. श्री पी० डी० वीरास्वामी	1-12-85
34. श्री जी० के० ग्रय्यर	1-12-85
35. श्री पी० व्ही० कृष्णमूर्ति 	1-12-85

विजय सिंह,. महा प्रबन्धक उद्योग मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग) कार्यालय, कम्पनी रजिस्ट्रार

कम्पनी प्रधिनियम 1956 श्रौर मैसर्स हरियाणा बिरमानी टेक्नटाईल परोमसरस लिमिटेड के विषय मे।

नई विल्ली, दिनांक 6 मार्च 1987

स० एच० 173214--कम्पनी धिधनियम, 1956 की धारा 560 की उनधारा (3) के अनुसरण मे एतव्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसाम पर मैसर्स हरियाणा विरमानी टेक्सटाईल पेरोससरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण विशिव न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा भ्रीर उक्त कम्पनी विघटित करदी जायेगी।

> जे० के० जौली, सहायक रजिस्ट्रार ग्राफ कम्पनीज देहली एवं हरियाणा

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II मद्राम

मद्राम, दिनांक 3 फ़ुरवरी, 1987

निदेश सं श्रा० त्रा (निक् क्षण) 3//जून प्रतः मुझे, श्रार० रेड्डी, आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० टी० एस० सं० 7371, तामोद्रा रेड्डी स्ट्रीट, टी नगर, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कें कार्यालय टी० नगर-दस सं० 887/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुन, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंशरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के बायित्थ में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंमी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री एम० भ्रष्टर० रसमस्वामी भ्रीर भ्रन्य।

(श्रन्तरक)

(2) एम० श्राण्डाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनुस्ची

भूमि स्रौर मकान—तामोद्रा रेड्डी स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-17 (टी० नगर०—दस/सं० 887/86)

> ए० मार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्त ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-II, मद्रास-171

तारीख: 3-2-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निवेश सं० 4/जून/86——न्नतः मुझे, ए० न्नार० रेड्डी आयक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मत्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि श्रीर मकान—टी० नगर, मद्रास-17 है तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, टी० नगर—दस० सं० 811/86 में भारतीय रिजस्रीकरण श्रिधिन नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुन, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के षह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पंत्रह प्रिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पा। गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित बास्तविक स्थ से किथल नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण सं हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनूतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्यक्तियों, अभीत् :--- (1) श्रीमति एम० सुशीला भ्रौर श्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) ए० निर्मेला।

(श्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन हे संबंध भी कोई भीआक्षप :--

- (क) इस मुचना क राजपट मी प्रकाशन की नारीं के 45 विन की अविधि ए ग्रह्मरक्ष्मि व्यक्तियाँ के सुचया की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी जनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में विसी गावित बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रय्क्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि ग्रौर मकान——ज्लाक स॰ 142, टी० एम० मं० 6673, टी० नगर, मद्रास 17 (टी० नगर दम० मं० 811/86)।

> ए० ग्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्त श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन <sup>मं</sup>ज-II, म**द्रास**-17

तारीख: 2-2-1987

भोहर:

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

(1) के० एम० परमेश्वरन।

(भ्रन्तरक)

(2) पी० बागयालध्मी।

(भ्रन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,-Il मद्रास,

मद्रास, दिनांक 3 फ रवरी, 1987

निदेश सं० 6/जुन/86—स्त्रतः मुझे, ए० श्रार०रेड्डी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्रियात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के क्रियात् स्थाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

श्यावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 59, सुल्लीवनस गार्डन रोड, मद्राम-4 है तथा
जौ मद्राम,में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंद्ध श्रनुचची में श्रीर जो
पूर्णस्प से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मैलापुरदस सं० 863/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908) (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1986
को पूर्वोंक्त संपित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थ्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य,
उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्यह
प्रतिश्वात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए. और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्षम के निक् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त राज्यरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नावंप .---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी अपित्तयों पर स्थान की सामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे के अविस्थों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (च) इक्ष सूचना के राजपत्र में प्रकाश्चन को तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.— - ६ समे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### मन्सूची

भूमि भौर मकान—सं० 59, सुल्लीवनस गाडन रोड, मद्रास 4 (मैलापुर दस०सं० 863/86)

ए० ग्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जनरें ज-II, मद्रास-17

तारीखा: 3-2-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43). की भारा 269 घ (1) के बधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-II, मद्रास

मद्राम, दिनांक 3 फरवरी, 1987

निदेश सं० 9/जून/87—ज्ञत मुझे, ए० आर० रेइडी, बाय्क ह बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इस्बें इस्बें पंच्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रीधकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 54, दी डू रोड. तेनामपेट है, जो मद्रास 86 में स्थित है (और इससे उपाबद ग्रनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्राधिकारी के कार्यालय, मद्रास दस० सं० 1972/86 में भारतीय र्जिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मूस्य से कम के स्थवान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्मित का उपित बाबार शृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त क तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण स ूर्ड किसी जाय की बाबत, उसते अधिनियम के अभीन कर देने के बंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृतिभा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-केर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा को भुतिया के किया के किया के किया के किया के किया

(1) श्री नीटा स्वामी जि० नाईडु और प्रत्य।

(श्रन्तरक)

(2) ए० मैकेल और 6 ग्रन्य।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सुवना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बनीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंशारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पान् किसित में किसे का बक्तेन।

स्थिष्टिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिश पदा हैं।

### अनुसूची

भूमि और<sup>7</sup>मकान--सं. 54, कदीडूल रोड, नेनामपेट, मद्रास-86 (मद्रास उत्तर-दस॰ सं० 1972/86) ।

> ए० म्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रें ज- , मन्नास-17

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) चें प्रीक, निम्मसिवित व्यक्तियों, वयोंत ध्⊶न

तारीख: 3-2-1987

मोहर

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एत.--

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) कौ भारा 269-घ (1) को अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रें ज-IIमद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निषेश सं० 10/जून/86—श्रतः मुझे, ए० श्राप्त हेरेड्डी बायकर विभिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, 1,00,000//- रु. से अधिक है

1,00,000/ि रु. स आधिक ह और जिसकी सं० एस० सं० 9, कोप्टूर गांव, मद्राम है तथा जा मद्रास में स्थित है (और इसमे उपाब ब श्रनुसूची मे और पूर्ण कप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रश्चैयार— वस० सं० 1798/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1986

को पूर्वा कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि चित में वास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दांगित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; और/शा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, द्विपाने में स्विभा के लिए;

(1) श्री एम० सूर्यं नारायणन ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री भी० नटेसन।

(ग्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपरित को नर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कित बिक्तयों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिशन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्ची

भूमि--एस० सं० 9, कोप्टूर गाव मद्रास (श्रडेयार--दस सं० 1798/86)।

> ए० ग्रार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रें ज-<sup>II</sup>, मद्रास-17

अतः जबः, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-गं के, अनुसरण में, में, उक्तत अधिनियम अप्ने धारा 269-शं की उपधारा (1) के अधीन, क्रिक्निसित स्यक्तियों, अधीतः ——

तारीख: 2-2-1987

प्रारूप आर्द्द. टी. एंन. एस.— आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, मद्राम

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० 11/जून/86---श्रतः मुझे, ए० झार• रेड्डी,

बायकर बिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का क्षारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 41 और 42, पहला मेईन रोड, गांधी नगर है तथा जो ग्रडैयार, मद्रास-20 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षिकारी के कार्थालय ग्रडियार—इस सं० 1855/86 में भारतीय रिजिस्ट्रे-1 करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1986

को पृश्वींकत सम्मित्ति के उचित शाकार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृथींकत सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उनकं दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक ने और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्ववेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तीयक इन से कथित नहीं किया गया है —

- (३) अन्तरण से हुई जिल्ली आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दमें के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्; जोर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

त्र मं जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रीमित के० रुक्मणि और प्रन्य ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० जी० वेणुगोपान ।

(भन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दवारा
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ध्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अप संची

भूमि और मकान--सं० 41 और 42, फस्ट मेईन रोड, गांधी नगर, ग्रडयार, मद्रास-20 (ग्रडियार-दस सं० 1855/86)।

ए० **श्रार० रेड्डी** सक्षम प्राधिकारी सहागक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **शर्ज**न रेंज-<sup>II</sup>, मद्रास-17

तारीखा: 2-2-1987

मोह्नर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) के सभीन सुभना भारत सरकार

# कार्याक्रय, सहायक्क जायकर जायक्त (निरीक्तज) श्रर्जन रेंज- मद्रास

भन्नास, दिनांक 2 फरवरी 1987

निदेश सं० 14/जून/86—श्रतः मुझे, ए० आर० रेड्डी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्ण 1,00,000/- रूप में अधिक है

7, फर्स्ट स्ट्रीट, नन्दनम एक्सटेंशन है, जो मद्रास
 35 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णिन है), प्रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेस्ट्रल दस सं० 756/86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है बार मुके यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके क्रममान प्रतिफल से, ऐसे क्रममान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से जाधिक है जार बंतरक (बंतरकों) बार बंतरिती (जंत-रितियाँ) के बीच ऐसे बंतरण के मिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निशितित उद्वोध्य से उक्त बंतरण विश्वत में वास्तिक क्रम से क्रिशत महीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भी कमी करने या उससे बचने भी सुविधा के सिए; बार/बा
- (व) देशी किसी माय या किसी भन वा भन्य वास्तियां को, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिथिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिक्ष ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया असी वाहिए था, रिक्पान में सुविधा के निर्

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नेलिसित क्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री पी० एन० विस्वानादन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनायक गर्मा और घ्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पुर्वेक्त सम्मक्ति के बर्चन के निए कार्यवाहिंगा करता हुं।

उन्नत संपंति को अभन को संबंध भी कारों :---

- (व) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की संवीध ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की संबंधि, थो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति हातारा;
- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---हनमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

### प्रमुची

भूमि और मकान---सं० 7, फर्स्ट स्ट्रीट, नम्बनम एक्सटेंशन मद्रास-35 (मद्रास सेन्ट्रल-वस सं० 756/86)

> ए० झार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) झजन रेंज-II, मद्रास-17

तारोख : 2-2-1987

प्रारूप आई. टी. एन. एस.....

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269 थ (1) के अधीन सचना

भान परकार

कार्यालय, सहायक श्रायकार अग्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, महाप

मद्रास, दिनांक 3 फरवरी 1987

निदेश सं० 15/जून/86—-ग्रतः मुझे, ए० ग्रार० रेड्डी, ग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 26% खंडी अधिन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 18, सुब्बाराव एवेन्यू फर्स्ट स्ट्रीट, नुगबाक्कम है तथा जो मद्रात: 34 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, याउजन्डलेईस—इस सं० 282/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून 1986

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम केंद्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने । कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बन
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आग्छर अधिनियम, 1972 (1922 का ५1) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट रही । छपा गथा था या किया जाना खाहिए था क्रियन में स्विधा के लिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनस्रण मो, मो, उद्यत अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के की, निम्मितिक्य व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) बोई जहननाइन ।

(ग्रन्तरक)

(2) बालाजी डिस्टीलर्स प्रा० लि० ।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य तिहिंश कृष्ट करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी जांक्तकों पर सूचना की लागील से 30 दिन की अबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टीकरण ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हैं नेता जो उस अध्याय में दिया अधा व्रैं

## अनुसूची

भूमि ग्र $^{\dagger}$ र मकान—मं० 18, सुब्बा राव एवेन्यू फर्स्ट स्ट्रीट नुगम्बाक्कम, मदा ५-34

ए० स्नार० रेड्डी सक्षम प्राधिकारी सहायव द्यायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 3-2-1987

# प्ररूप आईंटी एन एस ------

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सचना

### भारत मरकार

कार्यातम सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, मद्रास

मदायः विनाम 3 फरवरी 1987

मिदेश सं० 5/जुन/87--श्रव मुझे, ए० श्राण्ठ रेड्डी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु से अधिक है

भौर जिसकी सं० 31, डाक्टर रंगाचारी रोड, मैलापूर है तथा जो मद्राय-4 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णेरूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मैलापूर-सं० 801/86 मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जून, 1986

को पर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मरूप, जसके दृश्यमान प्रीतिकल से एसे दृश्यमान प्रतकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उबद्देश्य से उक्त अन्तरण चिचित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की **बाबत**, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व भो कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ल) एेसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम क्री धारा 269-ग को अनसरण में. में, उल्ल अधितियम की धारा 269- व की उपभारा (1) को अधीन, निम्नानिस्थित व्यक्तियो, अर्थात :---

(1) एम० एन० लक्ष्मी।

(ग्रन्तरक)

(2) एम० हरिक्रुण्णा नाखार ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (क) इस मचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिलित में किए जा सकेंगे।

——इसमे प्रयक्त शब्बों और पदो का, जो उ**क्त** स्यष्टिकारण अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में विया गया है।

### घनुसूची

भूमि ग्रौर मकान--स० 31, डाक्टर रगाचारी रोड, मैला-पुरः मदास-4, मैलापुर दश स० 801/86

> ए० भार० रेजडी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-।।, मदास-17

तारीख : 3-2-1987

प्रसम्य सार्षः . टी., एन., एस., हरूराराज्या

# भावकर मिनियम, 1961 (1961 क्या 43) की नारा 269-म (1) के अभीन सुचना

### भारत तरकार

### कार्याक्षण, सहायक आयकर वाय्यत (पिरीक्षण)

श्रर्णन रेंज-II, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1987

निदेश सं० स्नाई० ए० सी० /एक्यू०/ए० स्नार०-3/6-86/ 10--श्रतः मुझे, स्रशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर भपित जिसका उचित बाजार मुल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

ग्रौर जिनकी सं सी-70, एन० डी० एस० ई-2, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से व्रणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के रण्यमान प्रतिफल के लिए सन्तिरत की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके रस्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किया बाव की बावत, उक्त विधिन्यम के अचीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकार नहीं किया गया वा सा किया जाना चाहिए था, फियाने में स्विभा के लिए:

बतः ककः उक्त विधितियम की धारा 269-भ को, अनुसङ्ख मों, मों, उक्त अधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) संतोष कुमारी बहारी पहिन एन० सी० बहारी द्वारा सी-70, एन० डी० एस० ई2, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) ग्रार० के० ग्रानन्द सुपुत ग्रार० एस० श्रानन्द 2-ईन/8, झंडेवालान, एक्सटेंशन, नई लिंक रोड नई दिल्ली ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशीकत सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति ब्याय,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के वास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों जीर पदों का, जो सन्दर्भ श्रीचनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

### धनुसूची

प्रापर्टी नं० सी-70, तादादी 398, वर्ग गज एन० डी० एस० ई-2, नई दिल्ली। फी-होल्ड। बना हुआ।

स्रशोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रें ज-11, नई दिल्ली

सारीख: 10-2-1987

प्ररूप आइ°.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/2/एक० श्रार०-3/ 6-86/20—श्रतः मुझे, श्रशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रन्पये से अधिक है

मौर जिसकी सं प्रमण्डी पान ई०-1, नई दिल्ली 1 तादादी 400 वर्ग गज में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रर्जंच रेंज नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1986

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभी यह त्रिश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दश्य-मान प्रतिफल सं, एमें क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं काभक हाँ और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निक्ल-लिक्षित उद्योक्य में अक्त संतरण लिखित में वास्तविक कृप वे कथित नहीं किया गया हाँ:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या स्वस्त अधिनियम, या धन-कर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) भें प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा उन्हें नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उच्तः अभिनियमं की भाग 269-मं के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियमं की धारा 269-भं की उपधारा (1) हैं अभीन, निम्नलिचित अनित्यों, अर्थास् :--- (1) श्री हरी चन्व गुप्ता सुपुत्र रंजीत सिंह निवासी—
 13/2, रे स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(श्रन्तरक)

(2) यशपाल भ्ररोड़ा और दर्शन कुमार श्ररोड़ा सुपुत्र स्व० सीता राम ग्ररोड़ा, ई-193, कृष्णा मार्कीट, लाजपत नगर, 1, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्यया है।

### अनुसूची

प्रापर्टी के-9, एन० डी० ए५० ई-1, नई दिल्ली । तादादी 400 वर्ग गज ।

> श्रगोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-II, नई दिल्ली

नारीखा: 10-2-1987

# प्रकार, क्षाप्त टी, एक एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सचना

### भारत सरकात

कार्यालय, महायक बायकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनां ए 10 फरवरी, 1987 निदेश सं श्राई० हैंए 8 सी ०/ए/यू ०/ २-एस० श्चार ०-3/ 6-86/21---श्रत मझे, श्रशोक कवकड,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके पदचा १ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा े69-अर के अर्थान संशंक प्राधिकारी को यह <mark>निष्वास करने</mark> का कारण है कि स्थावर सपिति , जिस्का उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रा. से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट ग्राग-9 तादादी 2607 वर्ग गज एक स्माल रूम र्थार गेरेज में स्थित है (श्रार इससे उपाबद्ध श्रनमुची में श्रांर पूर्णक्य से वर्णित है) रिजस्टीकर्ता श्रिधिकारी के नायन्तिय, नई दिल्ली एन० डी० एम० ई०-२, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दारीख जुन 1986

की पर्वोक्त राग्पीस को उभित राजार मूल्य में काम को परयमान यितफल के िंग् अस्तरित की नई हैं ग्रंटाफो यह विष्या≀ करने का कारत है कि धनाप्य वस प्रमाप से से प्रस्ति नारा मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिपाः र १ में १ पन्द्रत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ला उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स्व) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सविधा के लिए;

कक्क: कव, उक्क विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरम में. में उसत अधिनियम की धारा 260-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) श्रीमित स्वराज निब्बर पत्नि स्वर्गीय हरचरण सिंह निब्बर श्रीर श्री श्रनित निब्बर, श्ररूण निब्बर श्रीर श्रतुल निब्बर सुपुन्न श्री हरचरण सिंह निब्बर 121/15ए चण्डीगढ ।

(भ्रन्तरक)

(2) अनिल डिगरा सुपूत एस० एन० डिगरा भ्रौर श्रंजना श्रोबराय पहिन कंवल नेन श्रोबराय बी-45 एन० डी॰ एस० ई-2, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके प्रजित्त सम्पत्ति के अर्जन के सिक् कार्यवाहियां शुरू करता हु।

### उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाधोप ह----

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अंबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस क्षमा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 िदन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिशित में किए का सर्कों गे

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा सम्बर् मिनियम के अध्याध 20-क भे परिकार का है, वही अर्थ शोगा जा उस अध्यास में दिया गया है।

### अनुसूची

ष्लाट न० ग्रार-9, तादादी 260 7 वर्ग गज, एक छोटा कमरा आर गेरेज एन० डी० एस० ई०-2, नई दिल्ली ।

> श्रमोक कवकष्ट सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली

तारीख: 10-2-1987

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा विश्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी म० प्लाट न०-5 है तथा जो बहादूर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर जो पूर्णरूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली में ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन त्यरीख जून, 1986

को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आभ की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्मिनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० कैलाश नाथ एण्ड एसोसिएट्रस, 18, बाराखम्बा रोड, नई बिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० बी० के० मेहरा (एच० यू० एफ०), और श्री ग्रार० के० मेहरा, ग्रस्पना पांचवी मंजिल, फ्लेट नं० 11, 60, पेदार रोड, बम्बई।

(ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उच्का अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

### वनुसूची

पहली मंजलि प्रताप भवन, ताबादी-550 वर्ग फिट, प्लाट-न०-5, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली ।

> अशोक करकड़ मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीखा : 10-2-1987

प्ररूप आर्ह्न.टी एन.एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन मुख्ना

भारत भरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1987

भारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सह म प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का आरण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- स्त्र से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० प्याट० नं 5, है तथा जो बहादुर शाह जफर मार्ग, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जी पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रजीन रंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गर्द हैं और मुझे यह विश्थास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-रिती (उन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाम्तिबिक रूप में कथिन नहीं किया गया है :---

- (का) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिमित व्यक्तियों. अर्थातः --- (1) मैं ० कला नाथ एण्ड एमोमिएट्स, 18, भारा-खम्बा रोड, नई विल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विण्वनाथ, निवासी—5, रेक्ट कॉर्ट राइ, मिविल शाईन, दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

. को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्क भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध में अत्संबंधी व्यक्तिमाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन को अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियां में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की जारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहरताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त उधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्लेग हैं।

### अनसची

1ली मंलिक प्रताप भवन, तादाक्षी 550 वर्ग फिट, प्लाट नं०-5, बहादुर शाहजफर मार्ग, नई दिल्ली ।

> श्रणोक कक्कड़ मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज - 2, नई दिल्ली

नारीख: 10-2-1987

# प्रकार कार्युं हो स्वकृत्य ००००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कार्य का व कि के अधीत सम्बद्ध

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1987 निदश मं० आई० ए० सी० /एत्यु०/2/37ईई/ 6/86/ 32सी--अतः मुझे, ग्रशोक ववाड कारकार **विधि**नियम, 1 15 - (1961 का 44) दिवर प्रकार इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 76) च के "भीन महाग परिकारी का, यह दि। % के ने ला कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पृत्य 1 (11,111)/- 中 中 作年考 ग्रौर जिसकी सं० पलेट नं० 14-बी सागर श्रपार्टमेट, 6, तिल मार्ग, नई दिल्ली में स्थि। है (ग्रीर इससे उपाबद अनसूची मे ग्रौर जो पूर्ण-रूप से वंित है), 'जिस्टी ति ग्रिजिशरी वे कार्यालय, ग्रर्जन रंज-2 नई दिल्ली में भारती। ग्रायकर ग्रधि -नियम, 1961 के ग्रधीन, तारीख जुन, 1986 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के जीनन शाजर मृत्य से कम के कावणान पतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे वर् विकास करम ३१ र व हो देव प्राप्तिय सम्मति सम शंचार बाजार मृन्य, ८०व सम्मान प्रतिकल से, एसे व्यवसान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय का बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में स्विधा के लिए; और/शा

कतः इतः उत्त अधिनियम, गो धारा 260-धा अनुसरण मौ, मौ, उक्त अधिनियम हो। परा 269 र धी माधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :-- (1) कपराईस फिन्म शान्टरप्राईजेज शा लि०, 34-बी, श्रीपित नरिंगस दत्त रोड, पाली हिल, गान्द्रा बस्बई।

(ग्रन्तर 🖒

(2) में जी मागर सूरी एन्ड मन्म (एन०यू० एफ०), 14-सी, मागर अपार्टेंबट, 6, तिलक मार्ग नर्द दिल्लो।

(अन्तरिती)

का, शह सुवाना कारी आहे पूर्वादक र गाला के नर्सन के जिल् के न्यांत्रिका है । हो।

उक्त संपर्ति के कर्जन के मन्द्र भ मा बाहा भी उन्हों भी उन्हों भ

- (+) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की बत्रीछ या तरमावन्धी व्यक्तियों पर गृचना को रामील थे 30 कि को अपि , जो भी अविध बाद में समाधा उरेगे हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों स प्रकाश व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गांव सिमिट के किए का सहसी।

स्थष्टोकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया समा है।

### अनुसूची

पौट र्नं 3-14-बी, सागर श्रपार्टमेंट 6 ति । मार्ग, नई दिल्ली ।

श्रणोर नक्वड सक्षत प्राधिकारी महायत ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेज-2 नई दिल्ली

तारीख : 10-2-1987 नोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेख-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी, 1987

निदेश सं० भ्राई० ए० सी० /एक्यू०/237ईई/6-86/33-भ्रतः मुझे, भ्रशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रांग जिसकी सं बी-45 तथा जो महारानी बाग, वापरेटि हाउस बिल्डिंग सोसाइटी में रियत है (भ्रांग इससे उपाबद्ध मनुसूची में भ्रांग पूर्णरूप से व्यापत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन; तारीख जुन, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के घायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विभा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन . निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 4—516GI/86

(1) श्री सुखविनद्र सिंह डिगरा। ए-2 कार्लिदी कालोनी न**ई** दिहली।

(मन्तरक)

(2) मिसेस मीरा गोयल फार एण्ड बिहाफ पीकाक केमिकल्म प्रा० लि०, 8/7, इण्डस्ट्रियल एरिया, साईट-4, साहिबाबाद । गाजियाबाद (यू०पी०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं बी-45, महारानी घाग, कोपरेटिस **हाउस** बिल्डिंग सोसाइटी लि० नई विस्ली । तादादी 966 **र्गव गज**।

> श्रशोक कक्कड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त निरीक्षण श्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

सारीख 10-2-1987 मोह प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1987

निवेश सं० धाई० ए० सी० /एक्यू०/2/37ईई/6-86/ 35—अतः मुझे, अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० कर्माणयल फ्लोर प्रथम दूसरा भीर तीसरा है तथा जो ग्रेंडले सिनेमा कम्पलैक्स कम्युनिटी सेंटर फेड्स वालोनी नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भनसूची में भीर पूर्ण-रूप से वणित है),

सहायक भायकर भ्रायुवत (निरीक्षण) भर्णन रेंज-८, नई दिल्ली में भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1961 के भ्रधीन, तारीख जुन 1986

को पूर्व क्ष्म संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल हे लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बज्जार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल या पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बासियक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उत्कत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922) को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- (1) समन लाल बझा सोल प्रोपराईटरस ग्रेडले इलै क्ट्रि-कल्स (इण्डिया) सिनेमा, ग्रेंडले सिनेमा कम्युनिटी सेंटर, न्यू फेंडम कालोनी, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) एलकेट इण्डिया प्रा० लि०, 908, श्रंसल भवन, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई विल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पद्धीक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

कर्माणयल प्रलोर स्पेस प्रथम दूसरा श्रोर तीसरा खण्ड, ग्रेंडले सिनेमा कम्पर्लंक्स, कम्युनिटी सेंटर, फ्रेंडस कालोनी, नई विल्ली-110065

> श्रणोक कनकड़ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2 नई दिल्ली

तारीख 10-2-1987 मोहर प्ररूप आर्इं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1987

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-ए. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ई-39 है, तथा जो कार्लिदा कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रायकर श्रिधकारी के कार्यालय, श्रायक्त रेज नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन तारीख जून, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिकल से एसे द्रियमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्विद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्न

(1) श्री सुरेश अग्रवाल और श्रीमित स्नेह अग्रवाल निवासी---678/1, बिमला भवन, काबुल नगर, शाहबरा, दिल्ली-32

(भ्रतरक)

(1) श्रीमित शकुन्तला मोदी, श्री ए० के० मोदी, श्री संगीता मोदी श्री पी० के० मोदी और श्रीमित नंद नी मोदी निवासी—-ग्रायल एण्ड जनरल मिल्स रेलवे रोड मंडी गोबिन्दगढ पंजाब।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति यो
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिखा गया है।

### अनसर्ची

खाली प्लाट नं० ई-39 कालिन्दा कालोनी नई दिस्ली । फी-होस्ड।

> प्रशोक कनकड़, समम प्राधिकारी, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेज-2 नई विस्ली

ताकीख: 10-2-1987

मोहरू 🕄

ब्राहर **बाइं.टी.एन.एउ** ् <sub>ध्यास्टार्क्टर</sub>

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यासन, सहायक जायकर मायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2 नई विल्ली

चायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रतिधकारी को यह विक्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

द्योर जिसकी सं० सी-5 है तथा जो महारानी बाग नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक प्रायकर प्रायकत (तिरीक्षण) प्रर्जन रेज-2, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण

मिनियम 1961 के मधीन तारीख जून, 86
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान बितन्त्रक के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का दन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ शया गया प्रतिफल, जिन्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं कथा गया है ध---

- [क) वन्तरक छ हुइ किती बास की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वावित्व की कमी कुडुने या उससे बचने में सुविधा में जिल्हा औड़/बा
- एषी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था कि किया जाना धाहिए था, कियाने में सुविधा की जिल्हां

बताः रव, उक्क जिमिनसम की धारा 269-ग को अनुसरक में, मैं, उक्त जिमिनसम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को जभीन, निष्निविधित व्यक्तिकारीं अर्थात् :---

(1) मिसेस सरोजनी लक्ष्मण, द्वारा मिसेस एस कन्ने सी/7, महारानी बाग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मिसेस निर्मेक्षा जैन, सी/5, महारामनी बाग, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्षन के निष् कार्यवाहिया शुरू करता हु।

### उक्त सम्मित्त को वर्षन को संबंध में कोई भी बाक्षेप छ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (ख) इस सृजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हुए 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

सीत-5, महारानी बाग, नई दिल्ली।

श्रशोक कवकड सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 10-2-1987

मोहर ः

प्रकृप आर्थं .टी . एन . एस .,-------

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मुधीन सूचना

### आर्व सरका

कार्याज्ञम, सहायक जायकर बाय्क्त (निरक्षिक) श्रर्जन रेंज-2, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1987 निदेश सं आई० ए० मी०/एक्यू/2/37ईई/ 6-86/ 37-ए---श्रतः मुझे श्रणोक कक्कड़,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० प्लाट नं 5 है तथा जो बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली में श्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर जो पूर्णस्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्या -लय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन, तारीय जुन, 1986

भन्ने प्रविक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाँकत संपरित का उचित वाजार मृत्य,, उनके दर्यमान प्रतिकल से, एसे स्थ्यमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतियत से अधिक है और अवस्थ (अवस्कों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बोच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिकल,, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तर्भ जिथित में वास्ति विक स्थ से काथित नहीं किया प्या है हन्न

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, उक्त सिंगिनसम के संजीन कर दोने के अन्तरक हैं दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के निष्; बार्फ/का
- (क) एति किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तियाँ की, धिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्हें अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ज्ञातिरी द्वारा प्रकट नहीं किया वयर वा विक्या जाना जाहिए वा, किया में सुनियम की खिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—- (1) मैं ॰ कैलाश नाथ एण्ड एमोसिएटस, 18, बारा-खम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) म सेठ ब्रदर्स केयर/श्राफ श्री चान्द सेठ, 204 रोहित हाउम, टाल्सढाय मार्ग, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पृथाँकत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यमाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविभ वा तत्संबंधी व्यक्तियों वर्ष सूचना की तामीन से 30 दिन की बविभ, जो भी बविभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्थान के राजपत्र मं त्रकाकत को नारी ज स 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जन सर्च

1ली मंजिल, प्रताप भवन, तादादी-550 वर्ग फिट, प्लाट नं०-5, बहादुर शाह फिर मार्ग, नई दिल्ली।

भ्रायोक कमकड़, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जनरेंज-2, दिल्ली नई विस्ली

तारीख: 10-2-1987

# भक्त **बाह**े दी , तुन्<sub>य</sub> पुन्<sub>य</sub> स्टब्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमवा

### सारत सरकार

# कार्यासय, सहायक नायकर कायूक्त (विरक्षिक)

मर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1987

निदेश सं भाई० ए० सी० / एक्यू०/7/एस० भार०-3/ 6-86/17—अतः मुझे, बी० के० मंगोता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित जिसका उचित बाजार मृस्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं मौर जिसकी सं० एस-59 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन, सारीख जून, 1986

को प्रोंक्त सम्पत्ति को अचित बाजार मृत्य से कम को स्थामन प्रितिक स के निए अन्तरित की नहाँ हैं और मुक्ते वह विवक्त करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, सकते दूरममान प्रतिफल से एसे स्थामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए सम्पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाव की बावते । अवस बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दियल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की तिए श्री शर्था
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उर्ज अधिनियम, का जन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के किए:

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) मेसर्स ग्रमरजीत सिंह जोहर एण्ड कम्पनी सी० 139, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बी० के० सूद, एस-59, ग्रेटर कैलाग-2 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूजे का सम्पत्ति को अर्थन की हिन्तू कार्यशाहियां करता हो।

### ब कर सम्मरित के कर्षन के संबंध में कोई भी शासीय ह---

- (क) इस त्वना के राष्यत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामी से 30 विन की अवधि, थो भी विषय वाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगाए;
- (ज) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---- इसमे प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभातित हैं, वह अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एस-59, (प्रथम खण्ड) ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली ।

बी० के० मंगोज्ञा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर आयुन्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-7, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख 2-2-1987 मोहर:

### प्रकृष माई. टी. एव. एव.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### मारत बरकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें ज-7 नई विल्ली

नई दिल्ली दिनांक 2 फरवरी 1987

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृत्य 1,00.000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एन-93, ग्रेटर कैलाण -1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाब्द श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विज्त है). रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुन, 1986

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया भृतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) गुरबक्या सिंह बक्शी सुपुल स्व० बक्शी हर-नाम सिंह, एस-93. ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली । (भ्रन्तरक)
- (2) राजकुमार भ्रगेडा मुपुत स्वर्गीय हकीमराय भ्ररोड़ा, मिसेस सविता भ्ररोडा पित्न श्री राजकुमार श्ररोड़ा श्री राकेश भ्ररोड़ा सुपुत राजकुमार भ्ररोड़ा, 7-बी पूसा रोड, नई दिल्ली ।

(भन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितळवभ किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्नों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

1/3 श्रविभाज्य शेयर एन-93, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली साथ में ग्राउण्ड फ्लोर पोरशन ।

> वी० के० मंगोत्ना, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख 2-2-1987 मोहर प्ररूप आईं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,-७ नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1987

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख है अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० ए-84, ईस्ट श्राफ कैलाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीरति श्रधिगारी के वार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिलिट्री हरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16)के ग्रधीन, तारीख जुन. 1986

को पूर्वोवित सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रिज्ञित से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :—

(1) राजिन्द्र सिंह चेन्दोक सुपुन्न स्थ० सरदार द्वारा एस० प्रताप सिंह दहन ए-74, ईम्ट श्राफ कंनाम, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) सुमेरामल सुपुत श्री मिमरी मत 2 श्री नर सिंह लि सुपुत्र मिसरी मन 1/4223, ग्रॅमारी रोड, दरिया-गंज, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में संमाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंह बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह (साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

प्रापर्टी बीर्रारग नं 84, ब्नाक ए, तादाची 404, बर्ग गज, इन ले श्राऊट प्यान ईन्ट श्राफ कैलाण स्रावासीय स्कीम नई दिल्ली ।

> वी के मंगीता, सक्षान प्राधिकारी सहायक ध्रापकर स्नायक्त (निरीक्षड) स्रजंनरेंज -27, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख 2-2-1987 मोहर : प्रकम बाह्य हो प्रमान प्रमान धराना

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बभीन स्चना

### मार्थत चडुकाड

# कार्याक्षयः, बद्दान्त्रः भागभातः नाग्यतः (निर्द्रोक्षकः)

श्रर्जन रेंज -7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें क्यां प्रवाद (जिले इसमें क्यां प्रवाद (जिले इसमें क्यां प्रवाद (जिले इसमें क्यां प्रवाद (जिले इसमें का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, विश्वका उभित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से जिथक है

धौर जिसकी सं० एम-167, ग्रेटर कैलाश-2, नई विल्ली है तथा जो में स्थित है (ग्रीर ईमसे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रीर पूर्णप से बर्णित है), रजिस्ङ्घीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे ध्रयमान प्रतिफल के शब्द प्रतिकत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तब तमा गया प्रतिफल, निम्निसिचत सब्देश्य से उच्छ अन्तरण ने लिए तब

- (क) वंदरण के हुई कियी बाव की वावता, क्या धीर्थानयम के अधीन कर को के वावरक की दावित्य में कभी करने या क्याचे वचने में कृषिधा के जिए; बॉर/या
- (थ) इसी किसी बाय या किसी थन वा अन्य आस्तियों
  से जिन्हां भारतीय बायकर वर्धितियम, 1922
  (1922 का 17) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वै
  प्रयोजनार्थ कन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गर्मा
  था या किया बाना वाहिए था, खियाने हें सुविधा
  के किए;

अतः अवः जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 5---516GI/86

(1) मैसर्स रजनी ट्रेडिंग कम्पनी प्रा० लि०, 303, कम्पूनिटी सेंटर, ईस्ट भाफ कैसाग, नई दिल्ली ब्रारा सोब्राज चुन, 2 एपेन्स, कन्स्ट्रशन्स प्रा० लि० नई दिल्ली ब्रारा श्री ए० ती० वैद ।

(म्रन्तरक)

(2) गुरवयाल प्रसाद ध्रस्थाना सुपुत्र रधुनाथ प्रसाद । श्रस्थाना एस-307, ग्रेटर कैलाण -2, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को नह सूचना चारी करके पूर्वीवत सम्पृतित के अर्थन के विश् कार्यनाहिमां करता हूं।

उनक् बंक्सि के बर्जन के बंबंध में कोई भी नाक्षेत्र :----

- (क) इस ब्यान के रायपण में प्रकाशन की तारीब है 45 वित्र की जनींथ या तत्त्रंतंथी व्यक्तियों के सूचन की तासील से 30 दिन की जनींथ, सो धे ब्यक्ति नाम में समाप्त होती हो, को भीतर पूनोंक स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक्द्र किसी अन्य स्थिक्त द्वारा वधोहस्ताक्र के पास निवित में किए वा सकी।

स्त्रक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्बों और वहाँ का, को अवस् विधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होया को उस बध्याय में दिया गया है।

### वग्स्यी

यूनिट नं॰ एस-1, (इक्बिनेट 64 वर्ग गज) प्रोधेन ग्राफ प्रापर्टी नं एम-167 तादादी 400 वर्ग गज 1 ग्रेटर कैलाश-2 नई दिल्ली ।

> वी० के० मंगोला सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायत (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, नई दिल्खी

तारीख 2-2ह1987

मोहरः

<del>-</del> - ~ - - -

# अथन आर्च की भून क्यू , :--:-----

# भावकर वीमीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) से अभीन सुपना

### भारत सरकार

### कार्यासय, सहायक नामकरु नायुक्त (किरीक्रण)

श्रर्जन रेंज -7, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश मं० भ्राई० ए० सी० /एक्यू०/7/37जी/7-86/ 22---श्रत मझे, वी के मंगीत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रूप से अधिक हो

ग्रौर जिसकी सं० ६०263, ग्रेटर कलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्णरुप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुन, 1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की भागत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के स्थान

ात. अथ, उथत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) चन्द्र मोहिन पत्नि डा॰ इंदेश्वर निगम ई-263, ग्रेटर कैलाश-1, नई विल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित मीनू चावरा पत्नि श्री सुधीर चमवला, 2, यू० बी० वाहरनगर दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थानितयों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- मद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अमृस्ची

प्रापर्टी नं० ई-263, तादादी 215 वर्ग गज, ग्रेटर कलाण नई दिल्ली।

> बी० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर आयक्त (निरीक्षण) झर्जन रें ज-7, नई दिल्ली

तारीख : 2-2-1987

भोष्ठर :

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्गलय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज -7 नई विरुली

नई दिल्ली, विनाक 2 फरवरी, 1987

निवेश सं० ग्राई० ए० सी० /एक्यू०/7/एस० ग्रार -3/ 6-86/28—गतः, मसे, थी० के मंगोता,

नायकर निर्धानयम, 1961 ी 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

न्नौर जिसकी सं० ए -59, श्रोखला श्रोद्योगिक क्षेत्र, फेस-2 नई-विस्ली में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रीध कारी के कार्यालय नई विस्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुन, 1986

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के क्षित बाजार बुग्य से कम के अवसाम अगृतकान के सिए नंबरित की नहीं हैं जीर मुक्के वह निश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पर्तित का उपित बाजार मूल्य उसके स्थ्यमान प्रतिकाल से, एसे स्थ्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के किए तय पाया गया ववा प्रतिकल निम्नतिब्त क्ष्में के अपन अंवरण बिद्ध में सम्बद्धिक रूप से अधिक सूर्वों किया स्था है के—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध—— (1) मेसर्स गणेश स्टोन क्रसीग कम्पनी द्वारा पार्टनर भगवान दास कालरा, डी-54, कालकाजी, नई विल्ली, श्री जी० धार० गूप्ता, जे-143, कालकाजी नई दिल्ली।

(धन्तरक)

मैं० (2) इण्डो एणियन स्कर्ट ब्रेक्स्प्रेपा० लि० द्वारा डाय-रेक्टर भगवान दास कालरा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिकां करता हूं।

## उक्त सम्मत्ति है नर्जन के संबंध में महेश भी आश्रोप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्चना की तारील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्यष्ट्रीकरण -- इसमे प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष इंगा वो उत्त अध्याय में दिया वया है।

### मन्त्ची

प्रापर्टी नै॰ ए-59, तादाब्री 1015.3 वर्ग गज , भोखला श्रोद्योगिक क्षेत्र, फैस-2, नई दिल्ली ।

> वी० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारी**ख** : 2-2-1987

मोहर ।

प्रकल् बाहु , वी , यन , एवं ,-----

# नारकर गोध्निकन, 1961 (1961 का 42) की वारा 269-ए (1) के मधीन क्यान

### STATE MANAGEMENT

कार्यांतय, तहायक आयकर वाय्यत (निरक्षिण)

मर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 2 फरवरी, 1987

निवेश मं० भ्राई० ए० सी० /एस्यू० /7/37जी/6-86/ 21--श्रतः मुझे, बी० के० मगोझा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उकल अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

आँर जिसकी स॰ ई-190 ग्रेटर कैलाश-1, नई बिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क अनमूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन तारीख जुन, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रित्मन के तिय अन्तरित की पर्द हैं और युक्त सह विश्वास करने का काउन हैं कि स्थापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मृत्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए ता पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उक्ष्यक्ष से उक्त जन्तरण सिविस में वास्तविक रूप ने क्षिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्थ में कमी करने या उससे अपने में सूत्रिधा के लिए, और/या
- [क] एसी किसी बाब वा किसी वन वा बन्य बास्तिनों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपस्त अधिनियम, 1927 गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), में प्रयोजनार्थ अस्परिती दुवाड़ा प्रकट वृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था दिखाने में दिवा में किए;

अतः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) जी एस जोहर, सुपुत्र ए० एस जोहर, सी-170 ग्रेटर कैलाग-1 नई, दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) जी एन कठपालिया सुपन्न के एन कठपालिया बी-28 सर्वोदय एन्क्लेब नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को बहु बुधना बारी कारको पृथाँक्त संपत्ति सं वर्षन के विष् कार्यनाहियां करता हुए।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी कविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स अक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इब सूत्रका के राज्यक को प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में क्षितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति इवारा बधोहस्ताक्षरी को पाक स्थितित में किए वा वकों ने।

राज्यीक रणः - इसमें प्रयुक्त सन्दों बीर पदों का, वा उस्क विभिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया में ।

### भनुसूची

धरातल खण्ड प्रापर्टी नं० ई-190 ग्रेटर कैलाश-1, नई बिक्ली ।

> बी० के० मगोक्षा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त, निरीक्षप) स्रर्जन रेज-7, नई दिल्ली

नारीख : 2-2-1987

# प्रकार बार्ड , दर्द , क्या, क्या, न्यान-न्यानन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-7, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1987

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यु०/7 एस० भ्रार०-3/6-86/23—भ्रतः मुझे, बी० के० मंगोला आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियम' कहा मधा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावस सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-

रत्पये से अधिकः हैं
श्रीर जिसकी सं० हैं तथा जो श्रार०-128, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर
पूर्ण कूप से चणित .हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1986 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्ट्य से मूक्त अन्तरण कि सित्त वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की नावत उक्त अधि-नियम के अधीन अर योने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे जनने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विचा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्फ मे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अभीत्:-- (1) श्री एस' रणबीर सिंह,
 श्रीर-128, ग्रेटर कैलाश-1,
 नई बिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मिसेज बीणा गुगनाणी पत्नी श्री के० एल० गुगनाणी, 38-डी, डी० डी० ए० फ्लैट, मस्जिद मोठ, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिश में हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में ब्रिक्ट जा सकर्ण।

स्पर्धां करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्वी

ग्रीउन्ड फ्लोर का भाग श्रार-128, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोल्ला सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीज्ञण) श्रर्जन रेज-7, नई दिल्ली

तारीख : 2-2-1987

मरूप आइ. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 2 फूरवरी 1987

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/37 जी/6--68/ 26---ग्रतः मुझे, बी० के० मंगोन्ना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/(रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ई-9 है तथा जो कालका जी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, जसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफत का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पायर गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/शा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः जन- उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री मोतिया ध्वन, पत्नी स्व० श्री घात्माराम धूवन, जी-118, कालकाजी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राजरानी पत्नी श्री कृष्ण लाल, श्री सुरेश कुमार 3, श्याम लाल ई--9, कालकाजी, नई दिल्ली।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त लिकित में किए जा सकरें।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास स्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

ई-9, कालकाजी, नई दिल्ली। तादिदी 273 वर्ग गर्ज।

> वी० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-7, नई विल्ली

तारीख: 2-2-1987

. :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्याक्षय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 7, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यु०/7/37जी 6-86/ 16---भ्रतः मुझे, श्री बी० के० मंगोल्ला,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ई-438, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बाँणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से ऐसे छ्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उचधारा (!) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री भावित्य पंडित सुपुत्र श्री सी० एस० पंडित एम-32, ग्रीन् पार्क, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री लाजपाल सिंह धानन्द सुपुत्र स्वर्गीय श्री एस० सुजान सिंह, 344-एल, माडल टाउन, यमुनानगर, हरियाणा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों वतः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

- 14 g

गमसची

फ्लैट नं० धरातल खंड भ्रौर बेसमेंट प्रापर्टी नं० ई-438, तादादी 250 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

सारीख: 2-2-1987

ļ

# प्रका कार्य<sub>ः</sub>दी<u>ः</u> एतः प्रसु<sub>र्व</sub> ------

बावकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

#### THE STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अजन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० म्राई० ए० सी०एक्यु०7/37र्जा०-6/86/ 25—म्प्रतः सुझे, श्री वी०के० मंगोता

बायकर विधिनिवस, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परकात् 'उक्त विधिनियस' कहा गया हैं), की भारा 2'69-क से वधीन सक्षम प्राधिकारी को अह विक्वास करने का कारल है कि स्थावर सम्परित, विस्तका उपित बाबान सूक्ष्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० है तथा जो प्लाट नं० 16, सिरी फोर्डं रोड, मस्जिद मोट, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण कूप मे विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1986 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार पूर्ण, उसके रहयभान प्रतिकल से, एसे रहयमान प्रतिकल सा अपित का जीत सा प्रतिकल सा अपित का जीत सा मिक है और निर्माण प्रतिकल सा कारण है कि संभापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार पूर्ण, उसके रहयभान प्रतिकल से, एसे रहयमान प्रतिकल सा कारण से किपित से निष्क है और अन्तरण में लिखित वास्तिक का निम्नलिखित उद्वेषय से उकत अन्तरण में लिखित वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) मण्डम सं हुई किशी बाग को बाबध क्या अधिवियन में समीप क्या दोने के सम्बद्ध हो क्षयित्य में क्यी क्याने वा उक्क नवने में बृतिधा में निष्; क्षीप्र/का
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अग्निस्तयों को जिन्ह ने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा औ सिए;

(1) श्रीमती जन्नवंतकौर को हली पत्नी स्व० एस० प्राशासिह, 4/5-ए, कटरा ध्रात्मा राम, बाड़ा हिन्दुराव, दिल्ली।

(धन्तरक

(2) बन्ना एण्ड एसोसिएट्स द्वारा श्री भजन सिह सुपुत्र स्व० गुलाब सिंह एस-56, ग्रेटर कैलाश-2 नई विल्ली।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा 🚮

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षांप :--

- (क) इस स्वाना के राज्यत्र में प्रकाशन के तारीश से 45 विन की अविण या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ता में किए जा सकरों।

स्थब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### पन्सूची

प्लाट नं ० 16, सिरी फोर्ट रोड मिस्जिद मोठ, नई दिल्ली सादादी 400 वर्ग गज।

> वी० के० मंगोत्रा सक्ष्म प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजमि रेंज-7, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 2-2-1987

व्यक्त वार्ड व्ही एन एक

भावकार गरिशीयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अभीर स्थान

भारत सरकार

काबीलब, गहायक जायकार वाय्यत (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

् निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यु०/7 एस ब्रार-3 6-86/18- ब्रातः मुझे, श्री बी० के० मंगोला, षायकर अधिनिस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-

रुपये से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० हैं तथा जो—एस—154, प्रेटर कैलाश—
2, नई विल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इसमें उपायद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं) ग्रौर रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्में यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से, एसे धर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरक्ती) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित ज्वूदिय से उन्नत अन्तरण लिखित बास्तिभक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुक्कें किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम की अधीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बंचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

अतः श्रन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण धें, मैं, धक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :-----

- (1) मैंसर्स खुराना बिल्डर्स द्वोरा पार्टनर श्री गुरविन्दर सिह खुराना, सुपूत्र श्रवनार सिह खुराना, इ-21-ए, इस्ट श्राफ कलाश, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)
- (2) श्री राजेन्द्र कुमार बडेर मुपूत्र स्वर्शी मूल चंद बडेर, श्रीमती प्रीति बडेर, पत्नी राजेन्द्र कुमार बडेर, श्री श्रवणी बडेर सुपृत्न प्रकाण चंद बडेर मरकंटाइल बिल्डिंग, तेजपुर (श्रासाम) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए हार्यवाहियां करता हुं।

उन्त राज्यक्ति के बर्चन के सामन्त्र में कांड्रों भी जाकोंगे इ----

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रवक्षक की तार्यक से 45 विश्व की नविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामीन से 30 दिन की अवधि, को भी क्याधि कार्य में समान्त होती हो, के मीतर पूर्विक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (म) इंड त्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्प्रीत में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवाल अयोहस्तासपी के गास सिवित में किय वा सकींगे।

स्वाधीकरचः---ध्रमें प्रयूक्त धन्धों और पर्दों का, जो उक्त विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित वृ, क्ष्रे अर्थ होता, को उक्त अध्याय में विका क्या हैंं

#### नगत्त्रची

प्रापर्टी बियरिंग नं० एम-154, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

> . वी० के० मंगोन्ना मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 2-2-1987

प्ररूप आर्.टी.एग.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यासव, बहायक बाय्कर बाय्क्स (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-7, नई विल्ली

नई दिल्ली, विनांक 2 फरवरी, 1987

बायकर मांभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पहचात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी स०--है तथा जो ई-497, ग्रेटर कलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से विल्ती है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख जुन 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किती आय की शावत, उपर निगम को बभीन कर दोने के अन्तर्य के शायरण के की करने या उससे अपने में सुनिधा के निल् नौड़/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकतयों, अर्थाल् :— (1) श्री सुरेश चन्द्र वर्मा, सी-18, ग्रेटर कैलाश⊸2 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहन सस, 52/42, पजाबी बाग, दिल्ली (भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्चन कं निए कार्यकाहियां गुरू करता हुं।

इक्ट सम्मस्ति के अर्थन के सर्गभ में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वनाः के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्तीकरणः --इसमें प्रमुक्त शब्दों नीर पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्यात 20 के में परिभाणित ही, वहीं अर्थ होया को उस अध्याय में दिया गमा ही।

# नगुसूची

प्रापर्टी नं 497, ब्लाक नं ई ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

> वी० के० मंगोत्ना सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायु≉न (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज∼7, नई दिल्ली

तारीख: 2-2-1987

मोहर।

प्रकार अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ । प्रकार के अर्थ अर्थ । प्रकार अर्थ अर्थ अर्थ । प्रकार अर्थ अर्थ । प्रकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० म्नाई० ए० ॄसी०/एक्यू०/7/37जी/6-86/
14—म्नातः मुझे, श्री बी० के० मंगोता
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके पश्चातः 'उधतः अधिनियम' कहा गया है'), की धारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं है तथा जो एस-188, ग्रेटर किलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुख्नी में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीम तारीख जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विकास का का कारण है कि यथापृत्रों क्स सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तस्क (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित इद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनस **स्मिन्दिन के स्थीन कर दोवें के बन्दरक के द्याब**स्थ **में कमी करवें या जससे बच्चने में स्**विधा क्ष्र क्रिय् व्यक्ति
- (क) एंसी किसी बाब या किसी थव वा अन्य वास्तिवां कों, जिन्हों भारतीय आयक ए अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा बी सिद्
- अतः अतः, उत्कत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) मिसेस निरुप्मा जैन पत्नी श्री प्रशोक जैन, ई-207, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली द्वारा जनरल एटोरनी श्री ग्रशोक जैन।

(घ्रन्तरक)

(2) मिसेस ग्रल्का ग्रानन्द पत्नी श्री ए एस ग्रानन्द, सी-37, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

का यह सुपना जारी करके पूर्वांका सम्पत्ति से सर्वन से जिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उपर सम्मत्ति में नर्जन से सम्मन्ध में काई भी नाक्षेप हिन्त

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 विन की बविध, जो भी अमें भाष में समाप्त होंगी हो, को भीतर पूर्वे विस व्यक्तियों में से किसी अधिकत हवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिस्ण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित । है, वहीं अर्थ होरा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्पी

मकान नं 188, ब्लाक 'एस' (प्रथम खंड) कंस्ट्रटिड । तादारी 300 वर्ग गज। ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

> वी० के० मंगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 2-2-1987

मोहर ः

प्ररूप आहं. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यु०/7/37जी/6-86/247—ब्रत मुझे, श्री बी० के० मंगोता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है ब्राह्म की एका में० है तथा जो प्लाट नं० 123. क्लाक नं०

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो प्लाट नं० 123, ब्लाक नं० 48, घाण्क्यपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची मे श्रौर पूर्ण रूप मे विणत है) श्रौर रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख जून 1986

कहें , पूर्वा किस सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कि संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है \*\*—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करमें या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण औं, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री प्रेम प्रकाश भटनागर, ए-260, पढारा रोड, नई विल्ली ।
  डा॰ दयाप्रकाश, सी-151, मेक्टर 'ए' मोहन नगर लखनऊ।
  श्री सत्य प्रकाश भटनागर, जे-5, ए॰ श्रो॰ टी॰ क्वाटर (होमगार्ड कर्नल) मेरठ केटोमिट।
- (2) श्रीमती उर्मिला देवी (एक्स महारानी श्राफ नाभ) परनी श्री प्रताप सिंह एक्स महाराजा श्राफ नाभा 6, पंचशील मार्ग, चाण्क्यपुरी, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पैवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस उध्याय में दिया गया है।

## **मनुसूची**

प्लाट नं o 123, ब्लाक नं o 48, चाण्स्यपुरी, नई दिल्ली म्रब नं o 138, मालचा मार्ग, चाण्क्यपुरी, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--7, नई दिल्ली

तारी**ख**: 2-2-1987

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

# भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-7, नई दिल्ली

- मई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निर्देश मं भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/7/37जी/6-86/19-श्रत मुझे, श्री वी के मंगोत्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० है तथा जो प्लाट न एस-360, ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली से स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है)रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यात्र्य नई दिल्ली से भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जन 1986

क कायालय नह दिल्ला म भारताय राजस्ट्राकरण आधानयम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जून 1986 को पूर्वा क्त सम्पत्ति के जीचत बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा वत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से, एसे द्र्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष स उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित मही किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की बाबत उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरकं के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा की लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

(1) मेसर्स मर्शि गोपाल, एस-412, ग्रेटर कैक्षाय-1 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मेससं सहगल प्रोमोटर्स एन्ड बिल्डर्स प्रा० लि०, डी-289, डिफेस कालोनी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववारा:
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का जो उक्त अधि-नियम के अध्याण 20-क मे परिशाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याम मे दिया गया है।

### अनुस्ची

ष्लाट नं० एस-360, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

> वी के मगोस्ना सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–7, नई दिल्ली

अतः अस उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारार (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .—

तारी**ख**: 2-2-1987

----

प्रकृत बाह<sup>4</sup> हो एन एक ---बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

#### HIVE HYWIR

कार्याखय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-7, नई दिल्लीनई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यू०/7/एस ब्रार-3/6-86/87—ग्रतः मुझे, श्री बी० के० मंगोला आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परुषात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार धन्य 1,00,000/-रु स अधिक है

श्रौर जिसकी सं है तथा जो जी-6, केनाण मलोनी. नई दिल्ली में स्थित है (श्रोर इसमे उपावह अनुमूनी में श्रौर पूर्ण रूप से वॉणत है) जिस्ही को श्रिक्षकारी वार्यो के नई दिल्ली में भारतीय रिजन्द्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुन 86

को पर्वोक्त सम्पत्ति के जीचत बाजार मृत्य से कम के दश्यमाः द्रीतिकत के लिए कतिरित गरी गर्द हैं और राम र विश्वार करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तर बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल के किय प्रतिकृत से अधिक हैं और बन्तरमा (अन्तरकां) और कितिया (जित्तरित्या) के बीच एमें प्रतिकृत के लिए नय भाग हथा प्रतिकृत , निकर्तनिक्त रहा का ना अक्तरण (निजत के बास्तविक रूप मा किया गया है -

- (क) अन्तरभ से हुई किसी आग को सान उसे अधिनियम के अधीय कर रोने से २ क व सामित्य में कमी करने या उससे वसन र ्रोक्क के जिद; बॉड/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कत कव, उक्त काँधनियम काँ धारा 269-ग के अनुसरक भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उप गारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :----

(1) श्रीमती सावित्री मल्होत्रा, जी-6, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम श्रार भनवन्दा, श्रीमती राजरानी मनवन्दा, 79, पालिका बाजार, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

दों यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मो समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकल का स्तार्ग मा से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं

  45 दिन क शीतर उक्त स्थानर सम्पर्तित में हितबद्ध 
  किंगी कर व्यक्ति द्वारा अदोहस्ताक्षरी के पास 
  किंगा के विकास का सकरेंगे।

ाष्ट्रीकरण:--इसमें "यक्त राब्दों और पदों का, जो उक्त कां भानियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं कही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैंगा

### अनुसूची

मकान नं ० 6. बनात जी, कैनार हानोनी, नई दिल्ली 529.7 वर्ग गज बना।

वी० के मंगोता सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राप्त कर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-7. नई दिल्ली

तारीख: 2-2-1987

मोहर - :

# प्रकृप आहे, टी. एव. व. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रें -7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरबरी, 1987

निदेश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/7/37ईई/6-86---धतः मुझे श्री बी० के० मंगोता

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमकें शसके पश्चाल 'उल्ल अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 769 ख को मधीन सक्षम शाधिकारी हो, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृख्य 1,00,000/- रा में इधिक हैं

श्रीर जिसकी र्सं० है तथा जो एस-133, ग्रेटर कैलाश, -2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है) सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) के श्रर्जन रेंज-5, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 16) के श्रधीन तारीख जन 1986

भी पूर्वीकल संपरित के उचित गाचार शून्य से कम के दश्यमाण भीतफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीकत सस्पति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एमें क्यमान प्रतिकल का पत्रह प्रतिचत से सिक है और अन्तरण के लिए तथ नामा प्रतिकल का पत्रह प्रतिचत से सिक है और अन्तरण के लिए तथ नामा प्रतिकल कि क्यमीलियात उच्चेष्य से उकत अन्तरण विचित से वास्तविक क्य से अभिक नहीं नामा पत्रा है है—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी नाग की बाबत, उक्क जिमित्वम के जभीर कर दोने के अन्तरक के दानित्व में क्सी करने वा उससे ध्याने में सुविधा के सिए; जीद/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों होते, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं क्षिण पा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अधिका के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) गेसर्स केप्टल कस्स्ट्राणन कम्पनी द्वारा पार्टनर मोहनजीत सिंह ग्रं(र इस्दरजीत सिंह, एस-285, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरका) -

(1) श्रीपती मुधा राम चंदानी प्रत्नी दौत्रव हीरानन्द चंदानी, श्री दौलत हीरानन्द रामचंदानी सुपुत हीरानन्द जिशन चंद रामचंदानी, एफ-37, एन डी एम ई-1, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह स्मरा जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति को अर्जन के निए आर्थजाहियां कृष्ट करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कांग्र भी आर्थ :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्में वंधी कर्योक्ट थों देश मुखना की लामील से 30 दिन की अविधि, वो भी वर्षीय नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर एवीं कर व्यक्तिन में से किसी क्ष्मिल द्वारा.
- (क) इस स्थान के शाजपत्र में प्रकाशन की तारीण में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवस्य किसी जन्म व्यक्ति स्थाच, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस का सकींगे।

शास्त्रीकारण -क्रमसे प्रस्कार भव्यों और पदों का, जो उनके सिवियम के अध्याय 20-क से शिर्माणित शुं, तक्षी अर्थ होगा को उस अध्यास में विया रहा है।

### सम्स्थी

एंटायर प्रथम खंड, प्रापर्टी नं० एम-133, ग्रीटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगोत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीख: 2-2-1987

### अक्षप भाष् श्री एवं एवं , व्यान्यान्याना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-7, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987 निदेश मं भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/7/37ईई/6-86--भ्रतः मुझे, श्री वी० के मंगोक्षा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इपर्य उपनाय (उद्धत अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरग ही कि स्थावर सम्पत्सि, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,30 000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं है तथा जो बी-223, ग्रेटर कलाग-18 नई दिल्ली भें स्थिन है (श्रीर इसमें उपाबद्ध धनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), महागक श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रिधितियम 1961 (1961 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1986 को एवंकित करपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम केंद्र बनाम पितफल के लिए अन्तरित की गई है और ग्रमें यह विश्वास करने का कारण है कि यभापवेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य , उमके इस्प्रमान प्रतिफल से एसे इश्वामन प्रतिफल का उमके इस्प्रमान प्रतिफल से एसे इस्प्रमान प्रतिफल का उमके इस्प्रमान प्रतिफल से एसे इस्तरण के निए तथ पाया प्रतिफल , निस्नतिवित्त उद्विद्य से उनत जनतरण सिवित के वास्तिकल कप से कीयत नहीं किया वया है क्रम

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी जांग या किसी थन या जन्म जास्तिनी को, चिन्हीं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (192? अर्था 11) या उक्त जीधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (६) मेसर्म स्टरिलिंग भ्रापार्टमेंट प्रा० लि०, 1205, नई दिल्ली हाउस, 27, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) टाटा आयरन एंड स्टील कम्पनी किं०, 24 होमी मोदी स्ट्रीट, फोर्ट अम्बर्ड।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में काई भी मार्थप;--

- (क) इस स्वान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर प्रांचित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए आ सर्जेंगे।

स्पब्दिकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में वॉरभाषित हैं, वहीं कर्ष होता का प्रम अध्याप भी विद्या गया है।

# रत संजी

एक फ्लैंट प्रथम खंड ढाई स्टोरी भावासीय बिस्डिंग, नं० 223, ब्लाक बी, 300 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाण-1, नह दिल्ली।

> वी० के० मंगी**क्षा** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर [श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

तारीखा: 2-2-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-च के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक, 2 फरवरी 1987 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/7/37ईई/6-86--- ग्रत मुंझे, श्री बी० के० मंगोस्ना आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी स० है तथा जो ए-4, 43, पृथ्वीराज रोड नई दिल्ली मे स्थित है (ग्नीर इससे उपाबद्ध ग्रानसूची मे पूर्ण रूप से विणित है) सहायक ग्रायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज-7 नई दिल्ली मे भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनियम 1961 के ग्राधीन तारीख जून 86।

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफान से एसे दृश्यमान प्रतिफान के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफान, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व यो कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए, और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्वास, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गृ के अन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री श्रनिल वासुदेव, सुनील वासुदेव, राजीय वासुदेव, श्रीमती सीपा वासुदेव, 43, पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली। (श्रन्लरक्त)
- (2) समाईन ट्रेबर्ल्स एड टरस प्रा० लि०, 301. हील क्वीन पाली माला रोड, बाद्राह बम्बई। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्षिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

डवलोग यूनिट नं० 4, ब्लाक ए, 43, पृथ्वीराज रोड, नई दिल्ली।

> वी० के० मंगे।ज्ञा सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिस्सी

तारीख: 2-2-1987

मोहर

# प्ररूप बाइ . टी . एन . एत . -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

### भारत करकार

· कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊣7, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं बाई० ए० सी०/एक्यू०/7/37 ईई/6-8,8---द्यतः मुझे, श्री बी० के० मंगीसा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 69 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार स्क्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० है तथा जो डी-47, ईस्ट आफ केलाण, नई दिल्ली, मैं स्थित है भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) सङ्गयक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-7, नई दिल्ली में भारतीय भ्रायकर अधिनियम 1961 के भ्रधीन नारीख जुन 1986।

को पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाबार मूस्य से कम के अव्यक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है सौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल कर क्या प्रतिक्रण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्षें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तथ बाया गया प्रतिफल, निस्नितिथेत उद्योगय से उच्च कन्तरण लिखित में थास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय खी बायक, दलक मधिनियम के. बधीत कुछ धेने थे बन्तरक के शिवन्त में कसी कारतें या उससे बचने में दिवसा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, विन्हें भारतीय बाव-कार विधिनियम, 1922 (1922 की 11) वा उस्त विधिनियम, या धन-कार विधिनियम, या धन-कार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा का किया वामा वाहिए था। विधान के सिए;

ात: अब जन्म क्रीधीनयम की धारा 269-ग के अनसरक में, भीं, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० एन० दयूरन, श्री एस० एन० दय्यूल, श्री एच० न० दयूरल, श्री पी० एन० दयूरन उ मिमेस जी० बाली, 1-3, भूमहारागी क्षाग, नर्ष दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रामोक धवन, नवीन कुमार धवन, ई-11, ईस्ट श्राफ केलाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्थन, के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## अनुस संगीता के नर्गन के संबंध में कोई भी नाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिव की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर यूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी ववधि बाद में समान्य होती हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीव ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्ध व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के शब सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पळिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### भन्स्ची

डी-47, ईस्ट ग्राफ कैलाश, नई विल्ली।

वी० के० मंगोला सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2. मई विरुली

तारींख: 2-2-19 87

प्रकल नाइ.ं. टी. एत. एस. - - -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

# कार्यासन, बहायक नायकर नायुक्त (निर्द्रोक्तण)

श्रर्जन रेंज-7, नई दिस्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी 1987 निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/7/37ईई/8-86-अतः मुझे, श्री बी० के० मंगीता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं-

ग्रीर जिसकी मं० है तथा जो एस-148, ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावद प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है )सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-6, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रीधनियम 1961 के ग्रिधीन तारीख जुन 86

को पूर्वोक्त सम्पूरित के उचित्र बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल के एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्तरक (अन्तरकार्टे) और अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्टे) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिक्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की नावतः, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के जन्तरक वे शियत्य में कमी करने या उससे वजने में सुविधा वे सिए; आंडि/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का !1) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था स्थिपाने में स्विधा के निए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की जपभारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तिमों, अधीत:—— (1) मिसेस स्नेह दत, एस-148, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) श्री ग्रश्वनी, कुमार, सी-745, न्यू जिप्तेंस कालोनी, नर्ष विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

भी यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित वां अर्जन के सम्बन्ध में की हैं भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

धरातल खंड फलैट नं० एस-148, ग्रेटर कैलाग-2, नई बिल्ली।

> बी० के० मंगोका सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-7, नई विस्ली

तारीख: 2-2-87

मोहरः

# प्रकृष जाड़ . दी. इन . इम . -----

भाषभर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (i) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

### कार्यास्त्र, सहायक जायकर वाव्यक (विरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-7, नई विस्ली

नई दिल्ती, दिनाक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं आई० ए० सी०/एक्यू०/7/37ईई/6-86--श्रतः मुझे, श्री बी० के० मंगोला

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा यया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख 1,00,000/ फ. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो 13, डालकाय मार्ग, नई बिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावस ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के ग्रंधीन तारीख जून 1986

- (क) बन्तरण से बुद्द निज्यों जाव की बाबत, उपल वर्डिश्रीनवस के बभीन कर दोने के बन्तरण के वर्डियल्य में कमी करने वा जबसे वचने में बृडियभा आर/या
- (व) एंसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्ध वास्तिकों को जिल्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वाश प्रकट नहीं किया गण भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने के स्थापन ने विद्या

जत. अर्ब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग को अनुसारण को, मी, धक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीन, मिज्जिलिक व्यक्तियों, नवीत् ए--- (1) श्री बुजेंन्द्र सिह दुरगल, बी--15, महारानी बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स पानीपत प्रापर्टी प्रा० लि०, 17, कम्पूनिटी सेन्टर (बेसमेंट) मथुरा रोड, न्यू फेंडस कालोनी नई बिह्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के वर्जन के सिद्ध कार्यश्राहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामीस में 30 दिन की अविभ, को भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोवर व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा,
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकेगे।

रपन्दिकरण:---इसमें प्रमुक्त ग्रन्थों और पर्यों का, जो उक्त आयकर श्रीभिनियम के श्रभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्ची

म्राफिस फलेट नं० 1005, ताबादी 696 वर्ग फीट, 10वां खंड, बहुमंजिली इमारत, 13, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली,।

वी० के० मंगोस्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुणत (निरीक्षण) श्रजैन रेज-7, नई दिल्ली

नारीकं 2-2-1987

प्ररूप आई टी एनं एस --- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-7, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 2 फरवरी, 1987

निदंश स० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/7/37ईई/6-86-ग्रत. मुझे, श्री वी० के० मगोन्ना
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारणे हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु स अधिक हैं
और जिसकी स० है तथा जो सी-11 डिफेस कालोनी,
नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में
पूर्ण हा में वर्णित है) सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण)
नई दिल्ली में श्रायकर श्रिधनियम 1961
तारीख जून 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम क दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिशत में अधिक है और (अतरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यश्य से उक्त अन्तरण निखित वाम्तिक रूप म किथित नहीं तिकया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए, और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म-स्विधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) कर्नल म्रार० डी० म्रडवानी, 257/271, सिंघ कोभ्रापरेटिव हार्जसग सोसायटी, रोड न० 2, उदघ, पुना।

(धन्तरक)

(2) श्रीमती गुरजीत कौर, पत्नी श्री इकबाल सिह, श्री इकबाल सिह सुपूत श्री केणर सिह सी-11, डिफेस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करक पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध म कोई भी आक्षप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की सारीस ए 45 दिन की अवधि यो तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होता हो, के भीतर पृवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पंत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा संकोगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दां और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित हौ, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सी-11, डिफेस कालोनी, नई विल्ली।

वी० के० मगोझा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-7, नई दिल्ली

ता**रीख** : 2-2-1987 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भूर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1987

निदेश सं० ग्रई-4/37ईई/30419/84-85---श्रतः

मुझे, लक्ष्मणदास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य - 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संब ओ पी 135, एफ पी 239, 240 टी पी एस 3, 51वां रास्ता, बोरिवली (पश्चिम), बम्बई 400092 में स्थित है (और इससे उपाबद्व प्रनुसूची पूर्ण रूप से वर्णित है)

ग्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-6-1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विध्य से उच्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, \* .और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) वैशाली डेव्हलपमेंट कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) धाबालिया इन्टरप्रायसेस।

- (भ्रम्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध
- किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रय्वत शब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया है।

## अनुसूची

सं० श्रई-4/37ईई/30419/85-86--खुला जमीन का हिस्सा, जो विलेज एक्सार, तालूका वोरिनली, अम्बई उपनगर जिला में हैं। और जिसका रजिस्ट्रेशन जिला और सब जिला अम्बई शहर और अम्बई उपनगर में हैं। जिसका मर्वे नं० 20, हिस्सा न० 10 है। विलेज एक्सार और जिसका औरिजिनल प्लाट नं० 135, टी पी एम 3, बोरिबली और जिसका (इ्राप्ट्म):

- (1) फायनल प्लाट नं० 239, टी पी एस3, बोरिवली (क्रापट्स) और विस्तार लगभग 2082.20 चौरस मीटर है और जिसका सी टी एस नं०524(अंग) श्रोर
  - (2) फायनल प्लाट नं० 240, टी पी एस 3, (ड्राफ्ट्स) और जिसका विस्तार लगभग 634.'50 वौर स मीटर है। और जिसका सी० टी० एस० नं० 524(अंग) है।

श्रनुसूची जैसा की कि सं श्रई-4/37ईई/30419/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी सम्बई द्वारा विमांक 1-6-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्षमणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 12-2-1987

मोहरः

प्ररूप आर्डि.टी.एने.एस

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1987

निदेश सं० झई-4/37ईई/30418/85-86--म्नतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारणे हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

और जिसकी सं० औ० पी० 135, एफ पी० 162--163-239-240 टी पी एस 3, 51वां रोड, बोरिवली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) आयकर अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक कप में किथत नहीं शिक्या गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आये की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए; '

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री एच० एस० चोगले और भ्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) वैशाली 🖁 डेबलपमेंट कारपीरेशन। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्लोकतं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीले से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा संकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुला जमीनका हिस्सा, जो विलेज एक्सार, ताल्का बोरिवली, बम्बई उपनगर जिला, जिसका रिजस्ट्रेशन जिला धौर सब जिला, बम्बई ग्रहर धौर बम्बई उपनकर है। जिसका पहला प्लॉट नं 135 धौर जिसका—

- (1) फायनल प्लाट नं० 162, टी पी एस3, बोरियली (प), विस्तार लगभग 1846 चौरस मीटर है।
- (2) फायनल प्लाट नं० 163, टी पी एस 3, बोरियली(प), विस्तार लगभग 1300 भौरम मीटर है।
- (3) फायनल प्लाट नं० 239, टी पी एस3, बोरिवली (प) विस्तार लगभग 2082.00 चौरस मीटर है, और
- (4) फायनल प्लाट नं० 240, टी पी एस 3, कोरिक्ली(प), विस्तार लगभग 634.50 चौरस मीटर है।

श्रनुसूची जैसा की क० मं० श्रई-4/37ईई/30418/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणवास मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

्र विनांक : 12-2-1987

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 फरवरी, 1987

निदेश सं० प्रई-4/37ईई/30134/84-85--प्रतः मुझे, लक्ष्मणवास

कायकर नोभनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 4,00.000/- रा. से अभिक हैं

और जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा, जो दहिसर में जिसका रिजर्डिशन जिला और सब जिला, बम्बई शहर और बम्बई उपनगर में है जिसका सर्वे नं० 5, एच नं० 11, और विस्तार 5898.75 चौरस यार्ड है और जिसका सर्वे नं० 6, एच नं० 17, और विस्तार 998,25 चौसर यार्ड है। में स्थित (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिजत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्ट्सी है तारीख 1~6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप में अधित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-शिक्य के अधीन कर दोने के शंतरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और, मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का विल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में स्विधा के स्थिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नालिकित अधिकतया. अधीत --- (1) गजनारायण द्यार० सिह।

(भ्रन्यरक)

(2) मेसर्स बिल्डवेल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(ग्रन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी कार्क्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर की लामीन से 30 दिन की क्षत्रिंग, जो भी अप्रिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस स्चेमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहन्ताक्षरी के एास निविद्य में किए जा सकेंगी।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, आ उक्त अधि-नियम, के बध्याय 20-क में, परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

### अमस्ची

खुला जमीन का हिस्सा, जो बहिसर में जिसका रिजस्ट्रेशन जिला और सब जिला, बम्बई शहर में और उपनगर बम्बई में हैं। जिसका सर्वे नं० 5, हिस्सा नं० 11, और बिस्तार 5898.75 चौरस यार्ड है। जिसका सर्वे नं० 6, हिस्सा नं० 17, और विस्तार 998.25 चौरम यार्ड है।

अनुसूची जैसा की कि० मं० ग्रई-4/37ईई/30134/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनोक 1-6-1987 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मणदास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-2-1987

प्रस्य बाई.टी.एन.एस.-----

त्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

### भारत तरकार

भग्नानिय, सहायक झायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 फरवरी, 1987

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,09,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी स० बी एम सी अप्रूबल के मुताबिक एफ एस आय की बाकी लगभग 4000 से 6000 चौरस फीट की सम्पति जिसका सर्वे नं० 48, एच० नं० 1/3-बी, मर्वे नं० 50, एघ० नं० 6/2ए(अंग), सी टी एम नं० 1063 और 1066 मार्था कालनी रोड, दिहसर(पूर्व), बम्बई-68 में स्थित, है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-6-1986

कारे पृत्तीकत सम्पत्ति को उचित बाषार मुख्य से कम के दरयमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गद्दें ही और मुभ्तें यह विद्वास करने का कारण ही

कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से कथिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिविक रूप से कथित भी विद्या प्रति है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ब्राधानयम के अधीन कर दन के अन्तरक के ब्राधिक में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; ब्रार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

अत. अय, उवत अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 8—516G1/86

- (1) सेठ इंडस्ट्रिज लि०। (प्रोप्राईटर——सिम्पलेक्स वूलन मिल्स) (ग्रन्तरक)
- (2) युनिवर्मल बिल्डमं एन्ड डेवहलेपसं। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करण हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताम्लि से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वास्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर एम्परित में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थाकतीकरण ---६ममो प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिवर्तायत है, बही अथे हारण जा नम अजार गा क गया है।

# अन्यूची

बी एम सी श्रप्र्वल के मुताबिक एफ एस श्राप की बाकी लगभग 4000 से 6000 चौ $^{\prime}$ स फीट की सम्पत्ति जिसका सर्वे नं० 48, हिस्सा न० 1/3–बी, सर्वे नं० 50, हिस्सा न० 6/2–ए(अंश), सी टी एस नं० 1063 और 1066, मार्था कालनी रोड, दिहस $^{\prime}$ (पूर्व) बम्बई–58 मे स्थित है।

श्रनुसूची जैमा की ऋ० स० श्रर्ह-4/37ईई/30368/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी ॄ्वम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

दिमाक . 12-2-1987

# त्रक्ष्य बाही, टी. एत. एत.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालध्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-4, जम्बई
बम्बई, दिनोंक 12 फरवरी, 1987
निदेश सं० भ्रई-4/37ईई/30446/84-85---भ्रतः

मुझे लक्षमण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पूरा जमीन का हिस्सा जिसमें कन्स्ट्रकशन और उसके बाजू में रहने के लिए जगह है। जो स्वामी :ववेकानन्द रोड, की पूर्व बाजू में, मागठाणे विलेज, बोरोवाली (प), में स्थित है। जिसका रजिस्ट्रेशन भव-जिला, बान्द्रा, बम्बई उपनगर जिला में है। उसका क्षेत्रफल 2 एकर्स, यानेकी 9680 चौरम यार्ड तथा 8851 चौरम मिटर्स, लगभग है। और कलेक्टर श्राफ लैन्ड रेविहन्यू बुक मे रजीस्टर्ड है। जिसका सर्वे नं० 160 और एस नं० 1, हिस्सा न० 2, सीटी सर्वे नं० 47 47(1 से (2) और करनिर्धारण अधिकारी म्युनिसिपल दर और कर बार्ड नं० ग्रार० बुक में रजिस्टर्ड किया गया है। में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) भायकर भ्रधिकारी के कायलिय अस्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा भ्रायकर मधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख, के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-6-1986

को पूर्व कत सम्पत्ति के अधित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिपत्त की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार बूच्य, उसके दरममान प्रतिपत्त से एसे अयमान प्रतिपत्त का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) को अधि एसे अन्तरण में लिए तय बाया गया प्रतिपत्त निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुद्द किसी आय की बाबत, जक्त नियम के अधीन कर बने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम ▶ 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम ▶ 1922 भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ६ तथीन निकारिक्षित व्यक्तियों, अथात --- (1) श्री ए० जी० माटीया और श्रम्य (स्रस्तरक)

(2) श्री सागर बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड। (ग्रस्तरिती)

को यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रांच के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि शाद में समप्त होती हो., को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिल्ली व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्थोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया **ह**ै।

### अनुसूची

पूरा जमीन का हिस्सा जिसमें कन्स्ट्रकशन और उसके बाजू में रहने के लिए जगह है। जो स्त्रामी विवेकानत्द रोड की पूर्व बाजू में, मागठाणे विलेज, बोरिवली (प), में स्थित है। जिसका रिजस्ट्रेशन सब-जिला, बान्द्रा बम्बई उपनगर जिला में है। उसका क्षेत्रफल 2 एकर्स, याने की 9680 चौरस यार्ड तथा 8851 चौरस मीटर लगभग है। और कलेक्टर भ्राफ लैन्ड रेबिन्स्यू बुक में रजीस्टर्ड है। जिसका सर्वे न० 160 और एस नं० 1, ब्रिस्सा नं० 2, सीटी सर्वे नं० 47 और 47(1 ने 12) और कर-निर्धारण प्रधिकारी म्युनिस्पल दरऔर कर वार्ड नं० भ्रार० बुक में रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-6, बम्बई

तारीख: 12-2-1987 मोहर: शारूप आईं.टी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 थ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# भावतिषय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्धिताण)

प्रजैन रेंज-4, बस्बई बस्बई, दिनांक 12 फरवरी 1987 निवेश सं० भ्रई/-37ईई०/30135/84-86-4ग्रतः

मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भार 269-स के क्षीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

कृपया प्रनुसुची देखें

1,00,000/- रह. से अधिक है

(ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा

भ्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख जून, 1986

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेद्य से उक्त अंतरण सिचित में नास्तिक हम से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) नंतरण सं हुई किती नाम की बाबतः, बक्तः अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक करें दावित्य में कभी करने या उत्तर्श स्थने में सुविद्या के किए; बॉर/या
- (च) एसी किसी वास या किसी वन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गय। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विया के विष्;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की की धारा 269-य की उपधार (1) के कधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती पी० वृत्दा शिवलिंग।

(ग्रन्तरक)

(2) मै० सुर्यमुखी प्रापर्टीज प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### इक्त बन्धित के बर्धन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुधी

60000 चौरस फीट के 4 विग्ज में किए हुए हिस्से का डेवलपमेंट राईट (जिसमें से 10 प्रतिशत विभाग गवर्नमेंट नामिनेज जो, व्हिलेज एक्कसार, बोरीवली (प), में है ग्रौर जिसका मर्वे नं० हिस्सा नं० सी० टी० एस० नं० निचे दिया गया है:

सर्वे नं०	हिस्सा नं०	सी० टी० एस० नं०
119	4 (श्रंश)	103
120	2/1	896
120	2/2	898 भीर 900
120	2/4	901
120	2/5	902
120	7	892, 893 श्रीर 89
120	1 (ग्रांश)	628, 629 म्रीर 63
120	3 ` ′	897
120	4	909, 910, 911
		<b>भौर</b> 637
120	६ (श्रंश)	895 और 894

श्रनुसूची जैसा की क० सं० श्रई-4/37ईई30135/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी सम्बई द्वारा दिनाक 1-6-1986 को रजिस्टई किया गया है।

ंक्षयण वास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंग-4, बम्बई

तारी**ख**: 12-2-1987

प्रस्प नाई. टी. एन. एव., क्राज्यानामान

श्रायकर लिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

#### नारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अप्रजीत रेंज-4 बम्बई

बम्बर्ध, दिनाक 12 फरवरी 1987

निवेश स० म्रई-4/37ईई/30405/84-85—म्प्रत. मुझे, लक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार भृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० कन्स्ट्रकशन के माथ जमीन का हिस्सा, जिसका सी० टी० एस० न० 330, प्लाट न० 28, काविवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) और जिल्ला करारनामा आयकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख, के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 1-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विषयास करने का करण है कि यभापृतोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृष्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे उस्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अतरकों) और अतोरती (अंतरितयों) के बीच एसे बंदरण के चिए तम वावा वसा प्रतिक का किम्मिनिक व्यवस्थ वं वस्थ वन्तरिक के वास्क्षिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने क अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोगनार्थ अन्तरिती ध्नारा प्रकट नहीं किया ग्या या किया जाना चाहिए था, छिपाने से धृतिया के लिए;

असः असः, उत्रत अधिनिसमं की धारा 269-ग को, अनसरण हो, मी, उत्रत अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधार (1) को अधीन, निम्नीलिखिल व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) मेमर्स एम० जे० जिल्डर्स।

(श्रन्तरक)

(2) श्री श्रार० एस० पैयाडे (मैनेजिंग डायरेक्टर—पैयाडे इन्टरनेश्नल होटेल्स प्रा० लि० (नियोजित)

(भ्रन्तरिती)

का का कारी करके पूर्वीका सम्माति के वर्षत के लिए कार्यवाहिया करता ह"।

### तकत सम्मतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए का सकती।

भ्यविकरणः — इसमें प्रयुक्त खन्यों बरि पदों का, बां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्यी

जमीन का खुला हिस्सा, जिसका प्लाट न० 28, जो कि दिल्ली रेलवे स्टेशन के नजदीक स्थित है। जो जिसका और सब जिला, बम्बई और बम्बई उपनगर में है। जिसका क्षेत्रफल सिटी सर्वे के मुताबिक 724 चौरस मीटर है। और 102 1 चौरस मीटर राम्ता हवी के लिए छोड़ दिया गया है। और विलेज पाईसर की मीमा जिसका सर्वे न० 88, हिस्सा नं० 1, और थोड़ी सीमा विलेज मालाड में जिसका सर्वे न० 66, प्लाट नं० 1 है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० स० श्र $\mathbf{\xi}-4/37\mathbf{\xi}\mathbf{\xi}/30405/85-86$  श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्ब $\mathbf{\xi}$  द्वारा दिनाक 1-6-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

विनाक: 12-2-1987

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ध बम्बई,दिनांक 12फरवरी 1987

निदेश सं० श्रई-4/37-जी/136/85-86-- श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ?69-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 53, 56, 57 नया सर्वे नं० 78, जो कांदिवली विलेज, जिसका विस्तार 1281 चौरस यार्ड है। तथा इमारत के साथ बम्बई में स्थित है। (और इसमे उपान्बद्ध श्रनुसूची मे और पूर्णरुप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-6-1986

को पूर्वकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक म्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) देवराज मोहन राज शहा ।

(ग्रस्तरक)

(2) मोहन राज को०-म्राप० हाउसिंग सोसाइटी लि० (म्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, बही वर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-970/75 और जो, 39-75 अमेर जो, 39-75 कम्बई द्वारा दिनांक 19-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण द्याम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 12-2-1987

प्रकव बार्च . टी . एन . एस .....

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) नी भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

### भारत बरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1987 निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/11798/85-86-- ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका अचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लेट नं० 48, न्यू सागर तरंग सोसाईटी भुलाभाई देसाई रोड़, बम्बई 26 में स्थित है। और इससे उपाबद्व अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1901 की धारम 269 क, ख के अधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रड है। तारीख 3-6-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास कर कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से , एसे वश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया अतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बान्तिकर रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्बरण स हुएं किसी बाय की बाबत, उक्त मीधीनयम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृक्षिया के निए; और/या
- (ध) एस किसी आम या जिसी घन या अन्य अस्तिनी का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियन, 1372 (1922 की 11) या उन्न आर्थनिता, न उन्न प्रिंगियम, 1937, 907 में 2 के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा से विद्या

जतः जन, उक्त जिथिनियम की धारा 269-न के जनुसरन हो, मी, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिकिट व्यक्तियों, अर्थात् है—

(1) श्री राजींदर मोहन मेहता ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राजीव शांतीलाल मोडी ।

(ग्रन्तरिती)

को वह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

# क्ष्मत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 सिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वनिध, जो भी वनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:—इराम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 48, जो न्यू सागर तंरग को० स्नाप० हार्जीसग सोसाईटी, डा० भूलाभाई देसाई रोड़, बम्बई 400026 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-1/37ईई/10451/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-1986 को रजिस्ट्रई किया गया है ।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 4-2-1987

मांहर:

प्ररूप आर्दः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1987

निवेश सं० अई-1/37/ईई/11856/85-86---श्रतः

मुझे, निसार ग्रहमद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पसेट नं० 204, राजनीलम बिल्डिंग, बार्डन रोट, बाँ० राजाबाली पटेल रोड, में स्थित हैं। (और इसने उपाबद प्रनुसूचि में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के प्रधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख़ 16~6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके कृष्यमान प्रतिफल से ए'से क्ष्यमान प्रतफल का पंक्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्स) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:
- अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) मेमर्स णालीना व्ही० श्रभयंकर । (ग्रस्तयक)
- (2) मेसर्स ग्रामेक एम० मृखी और मूर्लीधर ग्रार० मृखी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत क्यक्तियों में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पार लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: ---ध्रममे प्रयुक्त शब्बों और पदो का, जो जक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अमूस्ची

फ्लेट नं० 204, जो राजनीलम इमारत, वार्डन रोड डॉ॰ राजाबाली पटेल रोड, बम्बई 400026 में स्थित है।

श्रिनुसूचि नं० जैसा की ऋ० सं० श्रई-1/37ई/10471/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1986 को रजिस्ट्रई किया गया है ।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक . 4-2-1987 मोहर .

# प्रकल कार्य<u>ः हो. प्रक</u>ार प्रकार सन्तर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (विरोक्षण)

भ्रजेन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1987 निदेश सं० श्रई-1/37ईई/11829/85-86---भ्रतः सुमे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं पलेट नं 11 ए, श्रटलास अपार्टमेंट, नारायन दामोलकर रोड, बम्बई 6 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के श्रधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीज 2-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूरियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एमें रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्हलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाढत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (हा) ऐसी किसी आय या धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अस, उन्कतः अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्कतः अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ग्रविनाश श्रीधर वैद्य ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तूशार दीनकरलाल कोठारी ।

(श्रास्तरिती) के अर्थान के लिए

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त गम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुधारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र. मं प्रकाशन को तारीक्ष से 45 विन के भीतर उच्यत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा अक्षांगे।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन् सूची

जो अटलास अपाटैमेट फ्लेट नं० 11 ए, नारायन दाभोलकर रोड, बंबई 6 में स्थित है। सनस्त्री जैसा की अल्संक सर्द-1/37-हरी/10426/

श्रनुसूची जैसा की कल्संक श्रई-1/37-ईई/10426/ 85-86 और जो सक्षग प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख . 4-2-1987 मोहर : ारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 फरवरी, 1987

निर्वेश सं० भ्रई-1/37ईई/11704/85-86—— भ्रतः . मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 53, श्रिज कुटीर, 68ए, रुंगटा लेन, एल० जे० जगमोहन दास मार्ग, बम्बई-6 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्व श्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करा नामा श्रायक अधिनियम, 1961 की धा ा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में जिस्ट्री है तारीख : 2-6-1986

का प्राप्त सम्पत्ति क उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमाम प्रतिकत के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निरवात करने का कारण है कि यथाप्तोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत से, एसे दश्यमान प्रतिकत का पेवह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरिका) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारहितक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कै दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविध। केन्या बार/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिक्षणं का, जिन्हां भारतीय गयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यो धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सूनिक्षण के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (१) है अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
9—516GI/86

(1) इंदुकुमार एन० दोशी और श्रीमित सरोज इंदुकुमार दोणी।

(ग्रन्तरक)

(2) प्रवित्त कुमार प्रागजीठककर और श्रीमित रसीलापी० ठक्कर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रयधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए क्षण्यनाह्या कुरु करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में करें में आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसर्टे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लेट नं० 53, जो 5वीं मंजिल, श्रिज कुटीर, 68 ए, छंगटा लेन, एल० जे० जगमोहन दाम मार्ग, नेपीयन सी० रोड, बम्बई-6 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-/37ईई/10422/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> निमार म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रापुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रें ज-1, बम्बई

तारीख: 4-2-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रें ज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1987 निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/11835/85- 86--- ध्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुज्ये से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 501/बी, शिमला हाउस, हैदराबाद इस्टेट, नेर्प.यन सी रोड, बम्बई-36 में स्थित हैं (और इससे उपाब ब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिमका करारामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 16-6-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तच पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या घन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीन,

(1) शांताबेन कांतीलाल शंगानी

(श्रन्तरक)

(2) शारदा देवी गोविन्द प्रसाद सीगानीया । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में को है भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

पलेट नं० 501/41, शिमला हाउस, हैदराबाद, इस्टेट, नेपीयन सी रोड, बम्बई-400036 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कि एं श्रई-1/37ईई/10467/85- 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार **ग्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण**)** श्रजैन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 4-2-1987

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.----

# भायकर म्थिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-च (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक बायकर बाबुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई, दिनांक 4 फरवरी, 1987

निर्देश सं० अई -1/37ईई/11827/85-86--

श्रतः मुझे, निसार, श्रहमद

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/-रापये से अधिक ही

और जिसकी सं० दूसरी मंजील पर फ्लैंट भारत बिला, नारायन दाभोलकर रोड, बम्बई-6 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के श्रिधन बम्बई स्थित सक्षम प्राधाकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

16-6-1986

को पृथेषित सम्प्रतित के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-मियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः। अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री प्रताप नंदलाल कोठारी और श्रीमती कुमूदी प्रताप कोठारी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार एस० पासारी, श्रीमती रमेता देवी पासारी, श्रीमती श्रनिता देवी एस० पासारी और कुमार श्रमिषेक व्ही पासारी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया जन्ता हुं

### उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध मा काई भी बाक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लागील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, ही, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया। गया ही।

### वनुसूची

दूसरी मंजील पर फ्लैंट, जो भारत विल्ला, नारायन वाभोलकर रोड़, बम्बई-400006 में स्थित है। अनुसूची जैसा की ऋ० सं० अई-1/37-ईई/10464/ 85-86 को रजिस्ट्रर्ड किया गया है।

> निसार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ज्ञायकर ज्ञायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

दिर्माक : 4-2-1987

मोहर 💈

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 फरवरी, 1987 निदेश सं० ध्रई-137ईई/11761/85-86-- प्रतः मझे, निसार श्रष्टमद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,060/-फ. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लेट नं० 23, मिरामार, नेपीयन सी सी० रोड, बम्बई 6 में स्थित है (और इससे उपाबद्व मनुसूचि में पूर्ण रूप से वर्णित है। और जिसका कारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1901 धारा .. 269 क, ख के भ्रधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है । तारीख 3-6-1986 का पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार न्त्य, उसकी रायमान प्रतिकल से, एसे रायमान प्रतिकल 💝 पद्ध अतिवात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिस में बाम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी आप या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए; और/या

अतः अवः, उपत अभिपियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री नरी ए० झंगीयानी और श्रीमती सीता से एन० झंगीयानी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रमन हिरजी मारू और डा० श्रीमती कस्तूर रमन मारू ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्राया है।

### अनुसूची

फ्लेट नं० 23, जो दूसरी मंजील, मिरामार, नेपीयन सी रोड़, बम्बई- 400026 में स्थित है। ध्रनुसूचि जैसाकी ऋ०सं० प्रई-1/37-ईई/10430/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-6-1986 को रजिस्ट ड किया गया गया है।

> निसार ग्रहमद गक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरिक्षण) ग्रर्जन रेंज-1,

दिनांक : 4-2-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्याजय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बम्बई-1 बम्बई, दिनांक 4 फरवरी 1987

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/12207/85-86---ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त' अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिपकी सं० फ्लेट नं० 9बी, बैभव बिल्डिंग,

भुलाभाई देशाई रोड, बम्बई 26 में स्थित हैं। (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिपका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रिधेन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 16-6-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुझां यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्तं सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आर्थ की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को., जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों, अर्थात् :-- (1) श्री रमन लाल बाल्दे देगाई

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वलभदास जी ठक्कर ग्रौर ग्रन्थ । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मंत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

न्स्पष्टिकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

पलेट नं० 9थी, जो नवीं मंजील, वैभव बिल्डिंग; भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई 400026 में स्थित है। श्रनुसूचि जैसा की ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/1037 85-86 जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-6-1987 को रजिस्ट्रई किया गया है।

निसाद ग्रहमद यक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) मर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 4-2-1987

मोहर 💈

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.------

**बायकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-व के अधीन स्वना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1987

निदेश सं० म्पर्द-1/37ईई/11695/85-86---भ्रतः मुझे, निसार भ्रहमद,

अर्थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रा. में अधिक है

श्रौर जिन्नकी सं० फ्लेट नं० 1403, सी विग, तिरूपत्ती ध्रपार्टमेंट, जी० देशमृख मार्ग, भूलाभाई देपाई रोडु, बम्बई 26 में स्थित है। (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूचि में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है ) श्रीर जिक्का भायकर म्रधिनियम, 1901 की धारा 269 क, ख के मधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्द्री है तारीख 2-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपंत के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्स्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का **पंद्रह** प्रतिमात से अधिक ही और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 📂 🖫--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए। मौर/या
- (च) एेसी किसी आय या किसी धन का अन्य बास्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाका किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा न् क्रिए;

लकः। अन्त, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अभिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) 🖷 क्यीन् , निम्नुसिष्ति व्यक्तियों ,, क्यांत् 🖫—

(1) श्री रमेश जयंती लाल पटेल श्रौर श्रीमती सरला रमेश पटेल ।

(भ्रन्तरक)

- पल्लवी जेम्म (पी) लिमिटेड । (2) श्रीमती (भ्रन्तरिती)
- (3) श्री हरेश एन० मतालीया । (वह व्यक्ति जिनका भ्रधिभाग सम्पत्ति है )

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्चना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्वीक्त भ्यक्तियों में से किसी भ्यक्ति बुवारा;
- (ख) इ.स. स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास ति सित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उधत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

फ्लेट नं० 1403, जो सी विंग, तीरूपती प्रपार्टमेंट जी० देशमुख मार्ग, भुलाभाई देसाई रोड, बम्बई- 26 में स्थित है।

भ्रनुसूचि जैसा कि ऋ० सं० **ध**ई-1/37-ईई/10420 /85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1986 को रिजस्दर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरिक्षण) ध्रजीन रेंज-1, बम्बई

दिनांक :

मोहर 🖠

2-2-1987

प्ररूप आहा.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भायां जय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
श्चर्णन रेंज-2बी/बम्बई
बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1987

निदेश सं० श्रई-2बी/37ईई/34477/85-86 श्रतः मुझे, एम० एम० राय भायकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43**) (जिसे इसमें एस**क्टेपक्चात 'उक्त कथिनियम' कहा गया **ह**ै), क**ि धारा** 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्हका उणित शाजार सस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है मौर जिल्की सं० फ्लेट नं० 201, मंगल स्मृति, खार बम्बई-52 में स्थित है (ग्रीर इ मे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिन्हा करारनामा भ्रायकर भ्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 क,ख के प्रधीन बम्बई स्थित अम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 5-6-86 का पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य स कम को क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्तेयह विद्धास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित **बाजार** मुल्य, जगके रहयमान प्रतिफल सी, एसे रहयमान प्रतिफल का ना अस्ति।। न स सिक है और अन्तरक (अतरकार) और अन्तरिती (अंसरिति मों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तब पाना पमा प्रति-- फल निम्नलिखित उद्दोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर से कवित वहीं किया प्या 🗗 छ-न

- (क) जम्तरण से हुइ किसी आव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) प्रोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) वंदना ट्रेडर्स ।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री पी० एन० लल्ला और श्रीमति ए० पी० लन्ला। (अन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके <mark>श्रधिभोग में</mark> सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए वार्यवाहिया करता हो।

उक्त सन्द<sup>ित्र</sup> को कर्जन को सम्बन्ध में। **कोहाँ भी साक्षीय** ----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भें अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन गढ्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्सं कांचिनयम के अध्याय 23-क में परिभाषिक ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### मन्सूची

फ्लेट नं॰ 201, जो 2री मजिल, मंगन्न स्मृति, चित्नकार धुरंदर रोड, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

अनुसूची जैश कि ऋ० स० अई-1/37ईई/ 34477/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-6-86 को को रजिस्टई किया गया है।

> एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बी, बस्बई

दिनांक 2-2-1987 मोहर प्ररूप आर्दःटी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

#### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-2बी, बम्बई
बम्बई, 2 फरवरी 1987

निदेश सं० अई-2बी/37ईई/34650/85-86--

**अ**तः मुझे, एम० एम० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जि की सं० परेट नं० 402, डेकन भ्रपामर्टमेंट, खार, अम्बई-52 में स्थित है (भीर इपमें उपाबद्ध श्रनुसूचि में भीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) भीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख, के अर्धन समक्ष प्राधिकारी के कार्यालय, ब्रम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 13-6-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई हैं और मूझ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रथमान प्रतिफल से एसे ख्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और (अंतरको) और अन्तरिती (जेन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मो कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री णंकर महादेव नावंत ।
- (ग्रन्तरक)
  (2) श्री ग्रजीत कुमार कृष्णन गेहरा ।
  (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पलेट नं० 402, जो ए० विंग, चौधी मंजील, डेक्कन श्रपार्टमेंट, युनियन पार्क, खार, बम्बई-400052 में स्थित है ।

श्रनुसूचि जैं। कि कि सं० श्रई-2/37ईई/34650/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 13-6-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है

एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी, रहायक म्रायकर म्रायुक्त (निर्रक्षण) भूजैन वम्बई—2बी, बबम्ई

दिनांक : 2-2-1987

#### शक्य बार्ष , ध्री , एव , पुण ,------

## भायकड सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन स्थान

#### नारव सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-2बी, बम्बई

धम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1987

निदेश सं० प्रई-2वी/37ईई/35140/85-86--अत: मुझे, एम० एस० राय,

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसर्थे इसर

श्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 101, मून बीम, खार, बम्बई-52 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचि में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है। धौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई रजीस्ट्री है तारीख 27-6-1986

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यकाम प्रतिकल के लिए जन्तरित् की गई और मुभे यह विद्यास

करने का कारण है कि यथापृजींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का बंक्ड प्रतिशत से मिक है और अंतरक (बंतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण सं हुन भिन्नती बाज की नावह, उक्त विजित्तम के अभीन कार दोने के बन्दरक के दाविस्त में कनी करने ता उक्तमें रूपने में मृविधा के लिए; जॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियंग, 1922 (1922 का (1)) या उक्त अधिकियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ अर्थाजनार्थ अन्सरिती इवारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना वाहिए था, फिणाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण को अभूनरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभाष (1) को अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थीत् :---- 10--- 516GI/86

(1) श्री फलजीत सिंह कोहली भौर श्रीमती कीरनदीप कोहली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रष्ट्रल वावूद मञ्दूल करीम बनाटवाला । श्रौर श्री श्रब्द्रुल कूदूस श्रब्दुल करीम बनाटवाला । (श्रन्तरिकी)

को वह ब्रुप्ता बाडी करके पूर्वोवस ब्रम्म्स्त के वृत्तेत् के निस्य कार्यवाहियां सुक करती हें ्रे

#### उस्त क्रम्पित् में नर्जन के तंत्रीय में कार्क भी बाक्षीय क्र--

- (क) देख बूचना के ट्रांबंपन में अकावन की तारींच से 45 विन की बन्धि या तत्संक्रमणी न्यानित्यों पर सूचना की तासींक से 30 दिन की बन्धि, जो भी बन्धि वाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तिओं में से किसी स्पृतित इनारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गांव शिवित में किए जा संकेंगे।

लक्कीकरण --- इसमें प्रवृक्त सन्यों और पयों का, जो सन्धं वंशितियंत्र के बंध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही तर्थ होगा को उस बध्याय में विवा पूर्वा हैं।

#### मनुस्ची

फ्लेट मं० 101, जो मन बिम, डेक्कन को० ग्राप० हार्जिमा सीसाईटी लिमिटेड, प्लोट नं० 289-बी, युनियन पार्क, खार, बम्बई-400052 में स्थित है।

श्रनुसूचि जैरा कि कि मं० प्रई-2/37ईई/35140/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है ।

> एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) श्रर्जन रेंज-2नी, बम्बई

दिनांक : 2-2-1987

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-2बी, बम्बई बम्बई, दिनांक 1987

निदेश सं० मई-2बी/37ईई/35031/85-86--मतः मुझे एम० एस० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 5बी, बान्द्वा सी-हील, खार, बम्बई-52 में स्थित है) श्रौर इपसे उपाबद्ध श्रनुसूचि में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारां 269 क, खं के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है । तारीख 27-6-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिष्ठल से एसे स्वयमान विश्वष्ठल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में हास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री खूग्रू बूजोर दलाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रजीत के० सेथी ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सें 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त शिंधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

फ्लेट नं० 5बी, जो पांचवीं मंजील, बान्द्वा सी-हील को० म्राप० हाउर्दिंग सोशायटी लिमेटेड, 31, युनियन पार्क, खार, बम्बई-400052, में स्थित है।

ग्रनुसूचि जैना कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/35031/ 85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है ।

> एम० एस० राय मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निर<sup>े</sup>क्षण) ग्रजैन रेंज-2बी, बम्बई

तारीख: 2-2-1987

माहर:

#### प्रकप बाहु ् दी, एन... पुस. -=-=-

आयकारु अभिनियभ , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकार भायुक्त निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 बी, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1987

निवेण सं० श्रई-2बी/37ईई/34882/85-86-श्रतः, मुझे, एम० एस० राय,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.69-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० शरत सदन, टागोर रोड, सान्ताकृत्ज (प) बम्बई में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचि में पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा, 269 क, ख के ग्रिधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 20-6-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल कर पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में दास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाता बाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) शिवप्रसाद रूंगटा ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स काकड एन्टरप्रायसेस ।

(भन्तरिती)

(3) सुनिल दामानिया ग्रीर श्रीशरद मारू । (यह व्यक्ति जिसके

ग्रधिभोग में सम्पत्ति है )

को थह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्थन के सिक् कार्यशाहियां करता हुते।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के श्रवंध में कोई भी आश्रंप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर शृचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वें किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यागः
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्तित व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए का सकेंगे।

स्यक्षीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, को उक्त कथिनियम को कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन का हिस्सा शरत सदन प्रीमायमेस के साथ जो फाईनल प्लाट नं० 6 टी० पी० ए.५० 4, फाईनल प्लाट नं० 78 (पार्ट), टी० पी० ए.५० 3, टामोटर रोध सान्ताकृत्ज (प), बम्बई में स्थित है ।

भनुसूचि जैसा कि कर सं० ग्रई-2/37ईई/34882/ 85-86 को रजीस्टर्ड किया गया है ।

> एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी साहयक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-2वी, बम्बई

तारीख : 2-2-1987

प्ररूप बाइं दी . एन . एस , ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क़ी धारा 269-त (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-2बी, बम्बई बम्बई, दिनाक 2 फरवरी, 1987

निवेश सं० अई-2बी/37ईई/35067/85-86---

ग्रतः मुझे, एम० एस० राय, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

भीर जिसकी स० शोप न० 7, सान्ताकुज रामेश्वर, सान्ताकुज (प), बम्बई-54 मे स्थित है भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचि मे भीर पूर्ण रूप से वणित है, भीर जिसका करारनामा भायकर श्रधिनियम की धारा, 269 क, ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है सारीख 27-6-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे बरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, बिम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रमन्ना सीद्दू सेट्टी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सतीश मल्होत्रा ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अक्षोहस्ताक्षरी के पास किसिक में किए जा सकर्गों।

स्पष्टिक रणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

शाप नं० 7, जो सान्ताकुज रामेश्वर प्रीमायसेस को० श्राप० हाउ० सो० लि० एस० बी० रोड, सान्ताकुज (प), बम्बई-400054 मे स्थित है। श्रनुसूचि जैमा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/35067/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-2बी बम्बई

दिनांक : 2-2-1987

मोहर ।

प्ररूप आहू<sup>2</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बई दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० भई-2बी/37ईई/34570/85-86---भतः मुझे, एम० एस० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रासक प्रवाह 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यहिनश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अभिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, 3, खिरा नगर, सान्ताक्ज (प), बम्बई—54 में स्थित हैं । (ग्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विणत) हैं ग्रौर जिपका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री हैं तारीख 6—6—1986

की पूर्वेक्टि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्धने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 । 1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) नेयाज श्रहमद शेख श्रौर श्रब् सौद नेयाज श्रहमद शेख ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती हजा मुमताज अली खोकर, मुमताज अली चाद महमद खोकर और उसमान गानी ममताज अली खोकर ।

(श्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ती है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गण्या है।

#### अनुसूची

फ्लेट न० 2 ष्रौर 3, जो पहली मंजील, इमारत नं० बी-8, खीरा नगर, ए.स० बी० रोड़, सान्ताकूज (प), बम्बई-400054 में स्थित हैं ।

श्रनुसूचि जैसा की क० सं० श्रई-2/37ईई/34570/85-86 श्रीर सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है ।

एम० एस० राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2बी, बस्बई

दिनांक : 2-2-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2बी, बम्बई :

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० प्रई-2बी/37ईई/34544/85-86---भ्रतः मुझे, एम० एस० राय,

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 501, वैद्य विला सान्ताकूंज (प), बम्बई-54 में स्थित है। (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रमुस्चि मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है।) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 6-6-1986

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के स्वस्मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के निए स्वयाया गया प्रतिफल, न्मिनिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्य की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क भिन्ए, आर/या
- (क) एंसी किसी बास या किसी वन वा बन्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का ए। जिन्हों जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

(1) राजा भाटीया एन्टरप्रायसेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हसमूख पारेख

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किए व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस स्थाना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जन्म स्थावन सम्पत्ति मों हि । बन्ध किसी अस्य स्थानिक दनारा अध्ययनाकारी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्डिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लेंट नं० 501, जो पावत्रों मंजोत, वैद्य विला, ग्रीन स्ट्रीट, सान्ताकूज (प), बम्बई-400054 में स्थित है ।

श्रनुसूचि जैसा कि कि सं० श्रई-2/37ईई/34544/ 85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है ।

> एस० एम० **राय** सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जेट रेज-2 बी, बस्**बई**

दिनांक : 2-2-1987

प्रकथ बार्ड . ही . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2बी, सम्बर्द

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1987

निदेश सं० प्रई-2बी/37ईई/34899/85-86---म्रत: मुझे, एम० एस० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 6, सालमोना विला, सान्ता कृज (प), बम्बई-54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपा बद्ध प्रनुस्चि में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) भौर जिसक करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है। तारीख 20-6-1986

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह निश्वास करने का कारण है कि मथाए वेक्ति संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफान से एसे दश्यमान प्रतिफान से एसे दश्यमान प्रतिफान से मन्तरक (अन्तरका) और वाचा मन्तरक (अन्तरका) और वाचा एसे अन्तरका के निए तब माया गया प्रतिफान, निम्नि सित उद्देश्य से उसत अन्तरक लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उचल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिन्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिन्यम के कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधः के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित स्पक्तिमों, अर्थात् :— (1) श्री फान्सीस थडीकरन वर्गीस ।

(श्रन्सरक)

(2) श्रीमंती श्यामा सयाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

#### उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कांई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी काश्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सर्थ हैं।

#### जन्सूची

प्लेट नं० 6, जो तिसरी मंजील, सालमोना विला, नोर्थ ऐवेन्यू, सान्ताऋुज (प), बम्बई-400054 में स्थित है।

धनुसूचि जैसा की ऋ० सं० धर्द-2बी/37ईई/34899/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-6-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है ।

एम० एम० राय सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 बी, बस्बई

तारीख: 2-2-1987

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2 वी, सम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1987

निवेश सं० . ग्रई-2बी/37ईई/34955/85-86— ग्रत: मुझे, एम० एस० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लेट न० 6, प्रेम सागर, सान्ताकुज (प), बम्बई-54 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद प्रमुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से बिणत है), ग्रौर जिसका कारनामा प्रायकर प्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 26-6-1986

को प्यों कर सम्पित के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--

(1) श्रीमित राधा मूर्ति राव ग्रौर श्री सी० वी० कृष्णा मूर्ति राव ।

(प्रन्तरक) ै

(2) जें॰ जें॰ सम्पत (एच॰ यू॰ एफ॰)।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :--

- (क) इस सुच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्स बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस उध्याय में विया गया है।

#### वनुसूची

फ्लेट नं० 6, जो प्रेम सागर, प्लाट नं० 61-62, ग्रीन स्ट्रीट, जय सुख लाल मेहता रोड, सान्ताऋज (प), बम्बई-400054 मे स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-2/37ईई/34955/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-6-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एस० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 बी, बम्बई

तारीब: 2-2-87

भोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज,-2वी, **बम्ब**ई

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० ऋई-2बी०/37 ईई०/34954/85-86---ऋतः मुझे, एम० एम० राय,

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 203-म के अभीन नक्षम अधिकारी को यह विस्वास कारने का कारण ही कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से गिथिक है

सौर जि की सं० पनेट नं० 7, दिव्या ज्योति, शान्तानुज (प), बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 26-6-1986 को प्वाक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्याल करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्याल करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसं क्रयमान प्राक्तिक का पन्दह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तर्ज (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंकरण संबूद किसी बाय की बावका, उपर अधिनिक्य के ज्योग कर वार्ष के जन्मारक के दायित्व मां कती कारवें या अकले राष्ट्री मां कृषिधा के जिए: व्यक्ति
- (क) ऐसी किसी बाय था किसी धन या बन्य आस्तियों धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया की. जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम या गया था या किया वाना बाहिए था छिपाने में पृत्विधा की सिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की रूपधारा (1) के अधार किन्नियम किन्न

(1) श्रीमित राधा मूर्ति राव ।

(भ्रन्तरक)

(2) बिमल जितेन्द संपत ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्चन के सिष् कार्यवाष्ट्रियां करता हुः।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- कि इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वों कर स्विस्तयों में से फिन्मी व्यक्ति देवारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी सन्य स्थावत व्याप, स्थाहस्ताकारी ' वास विवेदत से विका का सकेंचे।

स्वव्यक्तिरमः :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधि।
जियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं,
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में देया
नया हैं।

#### जम्सूची

फ्लेट नं० 7, जो तल मंजिल, दिख्या ज्योति को०-म्राप० हार्जिस्य सोसाइटी, जे० एम० रोड, सान्ताऋुज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम० सं० श्रई-2/37ईई/34954/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-6-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एम० एप० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2बी, बम्बर्ष

तारीख: 2-2-1987

मोहर १

#### प्रकप बाइ . टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मृचना भारत सरकार

#### कार्यास्य, सहायक सायकर सायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2बी, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० मई-2बी/37ईई/34971/85- 86--भागः मुझे, एम० एस० राय,

ध्ययकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269- को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्ताम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैंड नं० 17, सुबोध गुरन, मान्शाक्रुज (प०) बम्बई—54 में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 279 कला के श्रिधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यान्त्य में रजिस्ट्री है, तारीख 26-6-86

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वन करने का कारण है कि यथापूर्यों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिनी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिब क एसे अन्तरित सं विस्ति से बास्तिब क एसे अन्तरित से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से धुर्फ किसी जाय की बाबत, उकत अधि-मियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में बारी करने या उससे बधने में सुविधा के लिए और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छियाने में मृतिथा के दिन्न

मतः मन, उन्न अधिनियम की धारा 269-म के अनुसर में, मी, इक्त कर्भिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीन :---

(1) श्रीमति श्यामा सयाल ।

(श्रम्तरक)

(2) श्री हरीश चन्द रामदा अधूना श्रीर श्रीमित भारती हरीण चन्द धूना ।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी जाकीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायस से 45 विन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति मों हिसबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुपुची

फ्लेट नं० 17, सुबोध गुरु को०धाप० हाउसिंग लि०, 38, टैगोर रोड, नान्ताकुज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैवा कि ऋ० सं० अर्ध-2/37ईई/34971/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० एस० राय राक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज- 2वी, बस्बई

तारीख: 2-2-1987

नारीख 6-6-1986

#### प्रकप शाह . शी एत . एव . -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

#### कार्यस्य, सहायक जायकर नाव्यत (निरीक्रण)

श्रर्जन रें ज-2, बम्बई बम्दई, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निवेश सं० अई-2/37ईई/34537/85-86-- ऋतः मुझे, एम० एम० राय,

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसफे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी स॰ श्राफिय नं॰ 12-ए, विकास सेटर, सान्ता- ऋज (प), बस्बई-54 में स्थित हैं। (श्रीर इपमें उपाबद श्रनु- सूची मे श्रीर पूर्णरूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1962 की धारा 269 कख के श्रधीन, बस्वई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है।

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य सं कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुन्हें यह विश्वास करने करों का कारण हैं कि सभापृत्रों का संपत्ति का उचित वाजार भूस्य, उसके द्वरमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (जंतरकों) जौर जंतरिती (जतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पासा गया प्रति-कल निम्नितितित उद्वरेष से उक्त अंतरण किकिन में वास्तिवक कप संस्थित पहीं किया नवा हैं :--

- (क्ष्ट) अन्तरण संहुर किसी बाव की बावता, उक्स कि बावता, उक्स कि बावता, उक्स कि बावता, उक्स के बावता, उक्स के बावता, उक्स के बावता, उक्स के बावता में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय नाज-कर निधीनयम. 1922 (1922 का 11) या उसते निधीनयम, या धन-कर निधीनयम, या धन-कर निधीनयम, 1957 (1957 का27) के प्रयोचनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त अधिकारों, खर्धातः ---- (1) मेसर्स विकास एसोनिएट्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेमर्स एलनबारी इण्डस्ट्रियल गैसीन लि॰। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

#### उन्त सम्परित के वर्जन में संबंध में कोई भी वाक्षप ,---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 बिन्न की अविधि सा तरसम्बन्धी व्यक्तिसां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों वें वे किसी व्यक्ति ध्वारा.
- (क) **१ए स्थान के राजप्ण में प्रकाशन की शर**ाध पं 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति भे कि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम व्ये कथ्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गर्म है।

#### अमुस्ची

, श्राफिस न० 12-ए, जो पहली मंजिल, विकास सेटर, 104, एस० वी० रोड, सान्ताकुज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क ० स० श्रई-2/37ईई/34537/85- 86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 6-6-1986  $\sim$  को रिजिस्टर्ज किया गया है।

एम० एम० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, बम्बई

तारीख: 2-2-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

#### कार्यां नगः, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 फरवरी 1987

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/34538/85-86-- श्रतः मुझे,, एम० एम० राय,

आयकार अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयस करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रुपयं से अधिक है

श्रौर जिसकी सं श्राफिय नं 12-बी, विकास सेंटर, सान्ता-कुज (प), बम्बई-54 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 6-6-1986

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल ने, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल के प्रतिकत्ति से विभिक्त है और जन्तरिक (वैतरिकों) जोर वंतरिती (वंतरितियों) के बीच एसे वंदरण के निए तय पावा गया प्रतिफल कम से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) बन्तरण सं (हुई किसी बाब की बाब्त उक्त निविधियम को बंधीन कर दोने के बन्तरक को दायिक्ष मो खमी खरवे थे। उससे बचने में सुविधा को लिए; ध्रीर/था
- (क) इसी किसी बाव या किसी धन वा बन्य जास्तियों को, चिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, श्राधनकर अधिनियम, श्राधनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति हती व्वारा प्रकट नहीं किया प्रका था वा किया जाना चाहिए चा, कियाने भे क्षिणा के जिल्हा

अतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिंखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेमर्स विकास एसोसिएट्स ।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स इलेबारी इण्डस्ट्रियल गेमर लिं०।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्मान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यनाहियां सुरू करका हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सबंध में काई श्रीआक्षेप :---

- (अ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी ध्योकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्विक्तयों में सं किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास जिल्लित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भौभीनवम, से अध्याव 20-क में परिभाविक हैं, वहीं अर्थ होंगा था उस अध्याय में विका मन हैं।

#### अनुसूची

श्राफिस नं० 12-बी, जो 1ली मजिल, विकास सेंटर, 104 एस० वी० रोड, पान्ताऋज (प), वम्बई-54 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/ 34538/85-86— ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एम० एम० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-2, बम्बई

नापीखा : 2-2-1987

प्रकृप आई.टी.एन.एस. -----

कायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

भायांलय, सहायक ला कर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रोड बंगलोर

बंगलीर, विनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० भार 2234/86-87/स्रर्जन/वी--श्रनः मुझे भ्रार० भारत्राज

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० 3बी है तथा जो लेक बेर मेनरफो तीसरा पलीर न० 7, गंगाधर चेटी सडक, ग्रलसर बंगलीर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है)रिजिस्ट्रीहरण ग्रीधिनियम 1908(1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 24-6-1986

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कभ के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया हाँदेफल, निक्तसित् उद्वाभ्य ते उच्छ बन्दर्य विविद्य प्रास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भंगरण स हुइ भिक्सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के शंद्ररक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; भौर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

बतः अष, उक्त विभिन्यव, की धारा 269-न की वन्तरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाग (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- एस॰ प्राई० प्रापर्टी डेवृह्मपमेंट प्राईवेट लि॰ हाई प्लाट नं 45,० पेलम रोड, बंगलीर (2) श्राना श्रपार्टमेट नं० 7, गंगाधर चेटी ई रोड, बंगलीर (भूमि का मालिक))
   (श्रम्हारक)
- (2) मालाबार इन्डस्ट्रियल कम्पनी लि०, नं० 18, सरप्रापुर रोड, कवेरामंगला लेग्नाउट, बंगलीर-560034। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके प्योंक्त सर्पात के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

#### अनुसूची (दस्नावेज

वह सब सम्पति जिसका नं० 7, गंगाधर वेटी रोड, (पुराना नं० 1/ऐ), सीविन म्टेशन बंगलौर ग्रांर उत्तर में गंगाधर वेटी रोड, दक्षिण में है नं० 28, ग्रागा ग्रापस ग्रली रोड, पूर्व में नं० 29, ग्रागा ग्रावास ग्रली जोड पण्चिम में जया भवन ग्रांर जिसका नाप उत्तर में 237, दक्षिण में 153 6" पूर्व में 148' 3" पण्चिम में 189' 3" है।

ए भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, बगलीर

तारीख : 2-2-1987

प्रारूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक बायकर जायकत (निर्राक्षण) ग्रजीन रेज, बंगलीर

बंगलौर, तारीख 2 फरवरी 1987 निदेश मं० ग्रार० 2217/86-87---ग्रन मुझे, ग्रार० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० 25/5 है तथा जो गडहल्लि, बगलार नार्थ तालूक में स्थित है ग्रीर इसर उपावद ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है)रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 दा 16) के अधीन नारीस्य 2-6-1986

को पूर्वापित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से तम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित जाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से मूक्त अन्तरण लिखित वास्तिवक म्लप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाग्त उचत अधि-नियम के अधीन कर दाने की अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उपसे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ए) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उम्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्रीमती लक्ष्मी बाई
- (2) श्री ग्रार प्रताप सिह् ग्रारः एमः एमः असस्टाप, मन्जुनाश नर्सरि स्कूल मेजप नगर, बगलौर-560024
- (3) ग्रार० कुमार सिंध
- 🕻 4) माम्टर संजीव रिप० बाई श्रार कुमार सिंह
- (5) मास्टर लालू रिप. ाय श्री ग्रार० कुमार सिंध, जन्दु बीधी नियर बस स्टेन्ड, नेलसगन्ला बंगलौर।

(ग्रन्तरक)

(2) देवारा एच० रन्जा सुपूत श्री हम्तीमल रन्का प्लाट नं 801बी, क्वीन्स कार्नर 3क कवीन्य रोड बगलौर-560001

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भो आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजभभ मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हिराबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहरनाक्षरी के पास लिखित में ळिए जा सक्षी।

स्पष्टिशिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### चन्स्ची

(दएतावेज सं० 1767/87-87सा० 2-6 6 ) सब सम्पति है जिसका मं० 25/5, गेडदहली जिलेज, बंगलौर नार्थ तालूक में स्थित है।

पूर्व : कोशटगेरेद्यावन्त के भूमि
पश्चिम : पिल्लगाना गिडल्पा के भूमि,
उत्तर :ज्योतिनगर्द नम्जुडल्पा के भूमि श्रौर
वक्षिण :रंगल्पा के भूमि

श्रार भारश्रा सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बगलौर

तारीख<sup>:</sup> 2-2-1987

मोहर∵

#### रुप वार्ष . दों . एक . वह ....

काम्प्कर कीर्याण्याम १००१ (१०११ का ४३) की भारा २६०-व (१) को नीए संज्ञ

#### भागर सरकार कार्यालय, मक्षायक बायकर बायुक्त (निरक्तिश्रक) श्रर्जन रेंन, बंगलीर

बंगलौर, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निर्देश मं • स्रार सो • 62/50150/86-87-- स्रत मुझे, स्रार • भारद्वात्र,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13' (जिसे इसमें इसमें प्रकार प्रक्त अधिनयम कहा गरा की), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1 00,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं 47/4 है तथा जो 4 कास, श्रवम्मा टेंम्पल रोड काप, राम के पापुम सुवेदार छत्तम रोड बगलौर में स्थिति है (श्रोर इसमे उपाब अनस्वी मं ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है) रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 9-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपन्ति का निचत बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एम्ने क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण को एए तय प्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित ये वास्तिविक रूप स कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा कें लिए और/या
- ्ते किसी काय या निर्मा क्या जन्म तिस्ता का जिन्ह तारतीय का जन्म तिस्ता 1922 (1922 का 11) या उन प्रोधिनयम धन-कर सिधानयम 1957 (1977 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया राज्य के जाना कि जाना कि कर्म के लिखा

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत:----

- (1) श्री महरेब देवाजीयल नन्धानी, नं 36, 6 फ्लोर, जिपदर्शनम 80, इन्फन्ट्री राड, बगवीर-56001 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम श्रीनिवास, 2 एस गोबाल न 66,
   4 एन ब्याह राजाजीनगर, बगलौर-10
   (य्रन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए पर्वारमां स्कृतकरता हूं।

जबत सम्पतित क गर्जन के छात्राच । कार्ड भी बालेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामित्र में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यें स्तुर में से किन्द्री का किन क्यारा
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किमी तुर प्रावित न्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास चिक्ति । किए जा सकरें ।

स्यष्टीकरणः---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त की नियम के स्थाप 10-क में परिभाषिट हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

#### अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 778/86-87 ता०9-6-86)  $\cdot$  मब सम्पत्ति है जिस हा स० 47/4, नथा नं 4/1, 4 कास, प्रत्नेमा टेग्पर रोड एक्सटेग्गन रामिकिष्णापुरम, सुबेदार छत्रह रोड, गर्नोग्-9 डिविजन न० 22 में स्थित है।

भारद्वाज सञ्जम पाधिकारी सहायर स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज, बंगजौर

तारीग: 2-3-1987

प्ररूप आइ. टी.एन.एस.----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय . सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर दिनांक 2 फरवरी, 1987 निर्देश मं० सी० भ्रार० 62/50211/86-87-भ्रत

मुझे, ग्रार भारद्वाज

अगका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धमके परवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/। रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 43/2, है, तथा जो साउथ एन्ड रोड, वसवनगुडी, वंगलौर-560004 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ प्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है)रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन नारीख 12-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित ताजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें उन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अत्रण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्थिश के लिए; और/सा
- (स) एैसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिये को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) व्यधिनियर, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में. में, उदत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निरमलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री विश्वेष्यरन् सुपूत्र स्व० श्री एस० शामप्पा
- (2) श्री ण्याम, सुपुत्र श्री विश्वेण्यरन् जनरल पावर श्राफ श्रटार्नी होल्डर स० 109, जीवन प्रकास
- (3) श्री वी वी रामन, सुपुत्र श्री एस० विश्वेष्यरन् जेनेरल पावर ग्राफ ग्रटांनी होल्डर एल० ऐ० सी० कालोनी I<sup>I</sup>I ब्लाक, जयनगर **ई**स्ट, बेंगलीर-<sup>II</sup> (ग्रन्तरक)

- (1) श्री टी० वी० प्रसन्त कुमार, मुपुत्र श्री तस्त्रम एस० वेकटरामस्या
- (2) मास्टर टी० पी० नागानंदन, सुपुत्र श्री टी० बी० प्रसन्न कुमार
- (3) श्रीमती टी० पी० गायत्नी, सपत्नी प्रसन्न कुमार सं० 7, जयश्री,
- 3, क्रास र्णकरपुरम बंगलीर-560004

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य विकत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज मं० 297/86-87 ता० 12.9. 1986)

निगम प्रभाग सं० 56 में मं० 43/2, साउर्थ एंड रोड, ब्रसवनगुडी, बंगलीर संख्यक परिसर में स्थित संपूर्ण सम्पति के सभी श्रंश व भाग तथा उस पर खडे हुए वर्तमान भवन जिनकी सीमाएं इस प्रकार है:—

पूर्व में विचने वालों के भाई श्री एस॰ कृष्णमति की सम्पति सं 15/43

पिष्वम में सम्पति सं० 43/1 उत्तर में कंसर्वेन्सी लेन ग्रीर दक्षिण में साउथ एंड रोड

मापते हुए 81/2 वर्ग वाले टूटे फूटे पुराने घर सहित जो मिट्टी की दीवारों खपरैल की छतों, कड़पा स्लेब के फर्ण और बिजली पेसंयोजनों में युक्त है। कोई कुन्नां,या फलदायक वृक्ष नहीं है। दक्षिण की तरफ कोई श्राचरण दीवार नहीं है। पूरब की तरफ जो कामपाऊंड है वह पड़ें।सी मालिक श्री एम कुड़णामूर्ति का है। विकी पत्र में केवल उत्तरी व पश्चिमी दीवारों समहित है।

म्रार० भारद्वाज मक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रज'न रेंज, बेंगलौर

तारी**ख · 2-1-1**987 मोहर

#### प्ररूप आहुँ .टी .एग .एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार . कार्यालय , सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज , बंगलूर

बंगलूर दिनांक 8 जनवरी, 1987

निदेश र्स० ग्रर० ग्रार० 62/50194/86-87--- श्रतः मुझे ग्रार भारताज

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें र इसके पश्चात् 'जनत विधिनियम' नदा नया ही, की चारा 269-च के वधीन सकत प्राधिकारी की, मह विस्तास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, चित्रका उचित वाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं 49/69 (पुराना सं 52) काटनपेट
मेई रोड़, बंगलूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम
1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 5-9-1986
को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान
श्रीतफन को सिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तम पामा जया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से खकत अन्तरण सिचित में
बास्तविक हम से किथा नहीं किया गया है ६—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवे बनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अस, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 12—516GI/86 (1) श्रीमती पी श्रीलता रेडडी सुपुती श्री श्रार० रघुराम रड्डी, श्रपार्टमेंट सं० 729, 149-05, 79 श्रवेन्यू, क्यू गार्डन्स, फलिंगग, न्यूयार्क-11367 (श्रन्तरिती) जनरल पावर श्राफ श्रटानी होस्डर, श्री विद्युतलता रघुराम रेडडी सं 59- 8 कास मस्लेश्वरम, बंगलीर

(श्रन्तरिती)

173

(2) श्री के एन जयप्रकाश ग्रीर श्रीमती के वी वी रत्नम्मा, सं० 199, 6 कास, 1 ब्लाक, जयनगर गलौर--11

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीभ या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) '4' स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पच्छीकरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुत्त्वी

दस्तावेज सं 0 1496 ता 0 5-9-86

सं 49/69 (पुराना सं 52) वर्तमान सं० 212 जाली सम्पति जो काटनपेट मैंन रोड, बंगलौर सिटी में स्थित है भौर जिस पर करीब 15 स्केयर भवन रिक्त स्थान करीब 83 फट पूरव से पिष्चम भौर करीब 125, फीट पूरब से पिष्चम भौर करीब 125, फीट पूरब से पिष्चम भौर करीब 125 फीट उत्तर से दक्षिण के क्षेत्रफल के श्रन्वर है। श्रीर जिसकी सीमाएं है।

पूरब में काटनपेट मेईन रोड पश्चिम में बासोरे गुडणण गल्ली श्रौर श्री विरुपा क्षप्पा श्रौर पुटण्णा के घर है। उत्तर में श्री श्रादिनारायण स्वामी मन्दिर का श्राचरण दीवारो है।

दक्षिण में श्री जयलक्ष्मा की सम्पति

न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, बंगलूर

तारी**ख**: 9-1-87

(भ्रन्तरिती)

#### ्मक्य अधुर्द्धः व्ही , स्त्र , प्रा ,-----

#### कायकार किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269=च (1) के अभीग स्चना

#### **क्षाक ऋकार**

#### कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दाक्तिज)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बगलौर, दिनांक 9 जनबरी, 1987

निदेश सं० सी० म्रारं० 62/50122/86-87-मृतः मृक्षे, म्रार भारक्षाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित आजर मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 8 है तथा जो ग्रैट रोड, बंगलूर-1 में स्थित है(ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची भौर पूर्ण रूप से विजित है)रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 13-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्मित बाजार मूल से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूख्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, एसे हश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उम्रत प्राधि-अधिनियस के अधीन कर दो के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बच्जे में सुख़िधा के लिए; और/या
- (स्र) एस किसी बाय या किसी धन या अन्तर आसिसमी कां, जिन्हें भारतीय नाय-कुर जीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सें स्विधा खेलिए;

बतः बाब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के को अधीर ोमनीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्रीमती जोहरा जबीना सपत्नी स्व० श्री एस एस हजरत गुन्तारी सं 23, कोल्स रोड, बंगलूर-560005 (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमित पेसंइयान ई लूईस, सुपुत्र स्व श्री पी बी लूईस और श्रीमिती यकस्तूरी एम लूईम सपत्नी श्री पी ई लूईस (दोनों प्रस्तुत कुवंत में हैं) श्री ग्रार ए डी सा, वकील से 20, रेस्ट हाउस, श्रेसेट, बंगलूर-560001 (वह व्यक्ति जिसके ग्रीधकार में सम्पति हैं)
- (3) श्री गुस्ती होर्मसजी श्रीमती येसुप्रिया
- भी इसमेईल मेठ
- (क्र) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थन। की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकते।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्धित की अर्थन के लिए कार्थवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई श्री वाक्षेप :---

स्थळीकरण : -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका यहां हैं।

#### अनुसूची

(ब्रस्ताबेज सं 664/8687 ता 13-6-86)

संपूर्ण परिसर जिसका वर्तमान मुनिसिपल सं० 8, ता० रोड, कारपोरेशन डिविजन सं 61, बंगलूर-560001 है और जिसके दुमंजिले निवासी भवन किराये पर दिये गये तीन घर ग्रादि है और जिसकी सीमाएं है।

उत्तर में स्व० श्री बी वी नारायण रेडडी की सम्पत्ति

पूरव में श्रारिक अहमद की सम्पति है।
दक्षिण में 8/1, ग्रंट रोड हैं श्रौर
पश्चिम में 8/1, ग्रंट रोड तथा साधारण पैसेज है
श्रार भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रुजंन रेंज, बंगलूर

तारीख: 9-1-1987

#### प्रकर आई.टी.एन्.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की भार: 269 व (1) के अभीन सूचना

#### साहत प्रदुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 जनवरी, 1987

निदेश सं सी भ्रार 62/50192/86-87-भ्रतः मुझे म्रारं भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'क हा गया हैं), की धारा 269-इ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काउन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजोर मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 15(पुराना सं 7) है तथा जो जलीम-मस्जिद रोड काली मोहल्ला बंगलूर-3 में स्थित है(भौर इससे उपाबद्ध भ्रनसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908(1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 16-6-1986

की पूर्वेशत संपरित के उचित नाबार मूल्य से कम के स्वयमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल का पत्नह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित में अधिक है और अन्तरण के लिए तय धाया गया प्रतिफल, निम्नसिशत उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक औ वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी अन या कन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया ब्रांग चाहिए था, ख्याने में सुविशा ची लिए;

कतं: वन, उक्तं अभिनिषमं कौ भारा 269-गं कै जन्सरण में, मैं, उक्तं अधिनियमं की भारा 269-घं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती जयलक्ष्मी नारायण सपत्नी श्री पी एन नारायण

(म्रन्तरक)

श्री सुनील कुमार पी एन सुपुन्न श्री नारायण कुमारी तारकेश्वरी पी एन सुपुत्ती श्री पी एस नारायण श्री गौतम पी एन सुपुत्र श्री पी एन नारायण सं 15, मस्जिद रोड, जोलीमोहल्ला, बंगसूर-560053

(3) श्री मनवर खान, सुपुत श्री ग्रवदुल खुदबास खान, 11, भास, जोली मोहल्ला बंगलूर-560003 (वह ब्यक्ति जिसके भ्रभिभोग में सम्पति है) को यह स्वा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उसते संपत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकावन की तारीच से 45 दिन की बविष्य या तत्सविधी क्यक्तियों पड़ स्वाम की तामीस से 30 दिन की सविष्य जो भी विषय साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष प्रमृतिस्यों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थाहस्ताक्षरी क पास सिचित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परितायित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

(दस्तावेज सं० 1104 ला० 16-6-1986)
सं० 15 (पुराना सं 7) संख्यक सम्पति जोली मस्जिद
रोड, जोली मोहरूला, बंगलूर सिटी जिसकी सीमाएं है।
पूरव में मुनिषि साब लेन
पश्चिम में महबूब साब और इस्फाक साब के घर
उस्तर में मोहिउददीन साब का घ
दक्षिण में मस्जिद रोड

श्चार भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकरं ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बं लूट

तारीख: 9-1-1987

प्ररूप बार्ड टी एन एस . ---- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, अंगलीर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिकं परचात् 'जिक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका अधित बाबार कुल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 54/1, 55 व 55/2 के भंग 47 कास, 8 क्लोक जयनगर है तथा जो बंगलौर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रुप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम (1908 का 16) के भ्रधीन ता 06-6-86

को पूर्वों वत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापनों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे बन्तरण के निए एवं पाना च्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (फ) नंधरण से हुई किसी भाय की बाबता, उक्त अर्थण-नियम के अभीन कर वाने के वंधरक के वासित्व में कमी करने या उत्तर्श बचने के तृतिभा के शिष्ट्र आर/वा
- (च) एती किसी नाव या किसी भन वा बन्च वास्तियों की विन्हें भारतीय नायकर निभिन्यम, 1922 (1922 को 11) या उक्त निभिन्यम, या भन-कर निभिन्यम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा विनय वाना नाहिए था. जिनाथ ने कृषियों के लिए।

कतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:——

- श्रीमती सी राधा, वैष्या बैंक, श्रमीइपेट।
- श्री ए० प्रेमजा, वैश्या बैंक, एन० के० सी० बैंज, बंगलौर।
- 3. श्री सी० श्रीलिवासूलु, वैश्या बैंक, गुरमकोंडा।
- श्री एस० वेंकटरमण्य्या, वैग्या बैंक, बेंगलर ।
- 5. श्री के० लक्ष्मीनारायणा, वैष्या बैंक, चेल्लर।
- 6. श्री बी एस० कनकरत्नाकरा, वैश्या बैंक, बंगारपेट।
- 7. श्री ए० एन० श्रीधर, वैश्या बैंक, ग्रीरंगाबाद।
- श्री ए० नारायणराव, वैश्या वैक, बेंगलूर।
- श्री बी० श्रार० राजीवलोचनम, वैश्या बैंक, चिकमंगलूर।

- 10. श्री बी एस० मोहम्मद शफी, वैश्या बैंक, गा जियाबाद ।
- 11. श्री बी० वी० प्रकाश, वैश्या बैक, बेंगलूर।
- 12. श्री एम० शेषगिरि राव, वैश्या बैंक, बेंगलूर।
- 13. श्री पी० वेंकटराय, वैश्या क्षेंक, वेल्ला।
- 14. श्री एम० मुब्बराम शेट्टी, एया बैंक, वैद्यंगसूर।
- 15. श्रीमती सुब्बलक्ष्मी, मुद्रमण्यम्, वैष्या बैंक मांडवी ग्रेंच, बम्बई।
- 16. श्री पी० श्रीनिवास रेड्डी, वैश्या बैक, गजुवाका, विलाखापटनम।
- 17. श्री एस० रमय्या, वैश्या बैक, मंसूर।
- 18. श्री पी० बी० पुट्टराज गुप्ता, वैश्या बैंक, चल्लकेरे।
- 19. श्री जी० नरेश कुकार, वैण्या बैंक, ध्रमीरपेट।
- 20. श्री सय्यद णकीर हुसैन, वैश्या बैंक, बेंगलूर।
- 21. श्री नूंजुंड शेट्टी, बैश्या बैंक, वी० वी० पुरम, बेंगलूर।
- 22. श्री सी० जी० जंयत ।
- 23. श्री, एम० एस० स्नार० श्रांजनेयुलु, वैश्या बैक, ए० स्रो०, अंगलूर।
- 24. श्री टी॰ एन॰ सत्यनारायणा, वैश्या बैंक, चिकमंगसूर
- 25. श्री पी० लक्ष्मीनारायणः शेट्टी, बैश्या बैंक, डी० श्रो०, बंगसूर।
- 26. श्री टी० एस० श्रमृतवल्ली, वैश्या बैक, के० बी० रोड, बेंगलर।
- 27. श्री सतीम जी० गोसवी, वैण्या बैक, ए० श्रो०, बेंगलूर।
- 28. श्री टी एम० प्रभूतवल्ली, वश्या बैंक बैंगलूर।
- 29. श्री ए० ची० सुब्रमण्यम, वैश्या बैंक, ऐईजा।
- 30. श्री सी० श्रार० वेंकटरामन, वैश्या बैंक, बिर्जापुर।
- 31. श्री एम० गोपाल, वैश्या बैंक, मेहबबनगर।
- 32. श्री बी ग्रार० संजीवमूर्ति, वैण्या बैंक, पी एंड एस, बेंगलूर।
- 33. श्री सी० पददनाभा, वैश्या बैक, क्षांगलकोट।
- 34. श्री के० वी रमेण, वैष्या बैंक, ए० श्रो०, बेंगलूर ।
- 35. श्री के० मुरली मोहन वर्मा, सैदापुर।
- 36. श्री सी० एस० विजय कुमार, वैश्या बैंक, नागवस्त्री।
- 37. श्री एन० एन० जोशी, बैंग्या बैंक, गदग।
- 38. श्री एस० पदमनाभन्, वैश्या बैंक, तिरुपती।
- 39. श्री टी० वी० एन० एम० माईनाथ, वैश्या बैंक डी० श्रो०, गुंट्र ।
- 40. श्री दत्ताक्षेया, वैश्या बैक, वागलकोट।
- 41. श्री बी॰ बी॰ एन॰ मुरेश बाबू, वैश्या बैंक, पासकील।
- 42. श्रीमिति कें० एन० राजम्मा, वैश्या बैंक, सदाशिवनगर, बेंगलुर।
- 43. श्री एल० राघवन्, वैश्या बैक, ए० ग्रो०, बेंगलूर।
- 44. श्री वै० सदगुरुमूर्ति, वैश्या बैक, बक्रापेट।
- 45. श्री एस० रविकुमार, वैश्या बैक, ऐ० श्रो०, बेंगलूर।
- 46. श्री एम० गोपालकृष्णा, वैश्या बैंक, मरेगौडनहरुली ।
- 4.7. श्री एन० बी० श्रीनिवासय्य, शेट्टी, वैष्या बैंक गदग।

- 48. श्री के० ए० प्रभाकर, वैश्या बैंक, ए० म्रो० बेंगलुर।
- 49. श्री ए० जनधिन राव, वैश्या बैंक, रोंपिचर्रेला।
- 50. श्री के० एस० कुलकर्णी, वैश्या बैंक, बगदल।
- 51. श्री जे० ध्याम सुन्दर, वैध्या बैंक, दावणगेरे।
- 52. श्री जी ० एन० चऋवर्ती, वैष्या बैंक, म्रदोनी।
- 53. श्री सी० एस० प्रभाकर, वैष्या बैंक, चिकमंगलूर।
- 54. श्री बी० के० क्यामला, वैक्या बैंक, ए० ग्री० बेंगलूर।
- 55. श्री सयद रियाज अहमद, वैश्या बैंक, अबूर।
- 56. श्री एस० वी० एस०नागेश्वर राव, वैश्या बैंक, सिकन्द्राबाद ।
- 57. श्री एम० रामाकृष्णा, वैश्या बैंक, रघुनाथपल्ली।
- 58. श्री एस० श्रार० चन्द्रशेखार, वैश्या बैंक, ए० श्रो० बेंगलुर।
- 59. श्री एम० चन्द्रशेखर राय, वैष्या बैंक, खंडबल्ली ।
- 60. श्री राजेश्वरी प्रसाद, वैश्या बैक, मद्रास ।
- 61. दी वैश्या बैंक लिमिटेड, श्री पी० वी सत्यनारायण मीनियर जनरल मैंनेजर, सं० 489, ध्रवेन्यू रोड, बेंगलूर मे प्रतिनिधित। (ध्रन्तरक:)
- श्री विमल भट्टाचार्य सुपुत्र लेट श्री हरिचरन भट्टाचार्य,
- 2. श्रीमती हरिकीर्ति सिंध, पुत्री श्री विमल भट्टाचार्य श्रीर पत्नी श्री ग्रस्न सिंध
- श्री सुजित भट्टाचार्य,
   पुत्र श्री विमल भट्टाचार्य,
- श्रीमती श्रीमला भट्टाचार्य,
   पुत्री श्री विमल भट्टाचार्य
- श्रीमती लक्ष्मी भट्टाचार्य, पत्नी श्री विमल भट्टाचार्य
- 6. प्ररुन सिध,

श्री सुब्बन सिंध

- 1, 3, 4, और 5 नं० 190, गांधी नगर, बेंगलूर— 560004
- 2, 5 नं० 65 रिजर्वायर म्ट्रीट, असवनगुडि बेंगलूर-560004
- 7. श्री कें टी॰ जार्ज,

पुत्र श्री के० टी० थामस,

34, विल्लिन्गटन स्ट्रीट, रियमन्ड टौन, बेंगलूर

8. श्रीमती उमाशंकर,

पत्नी श्री एन० शंकर, 2574, 17-धी कास 7'ए' मैंन रोड, बनरानकरि स्टेज, बेंगलुर-560070

9. डा॰ पलनिस्वामी.

ा० पलानस्वामा, नं० 1 क्लार्कस्पेट 'सी' बेंगलूर–560001 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के हायपत्र में प्रकाशन की तारीय धें 45 दिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्थान की तामील से 30 दिन की सर्वीभ, को भी अविभ नाद में समाप्त होती हो, को भीतड प्रवेतिक ध्वतिस्त्रों में से किसी स्थापित द्वारा;
- (थ) इस सूचना के द्राचपन में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए या क्केंचे।

स्वक्यकरण:--इसमें प्रयुक्त कर्यों कीर पर्यों का, को उपत विभिन्नम के क्याय 20-क में दरिशायित हैं, नहीं वर्ष होगा को उस क्याय में दिवा वया हैं।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 495/86-87 ता० 6-6-86) बेंगलूर मुनिसिपल कारपोरेशन के डिविजन सं० (पुराना सं० 34) नया सं० 59, में 47 कास, 8 ब्लाक जयनगर, बेंगलूर, पर मुनिसिपल सं० 54/1 व 55 धौर 55/2 धौर 54/2 के ग्रंश युक्त 23644 वर्ग फीट नापने वाली रिक्त भूमि जो पूरब में (111--85), पश्चिम में (134-51), उत्तर में (92.3-40.40) धौर दक्षिण में (149-40) नापती है जिस पर बेंगलूर नगर निगम के कमीश्नर ने एल० पी० सं० 1871/84-85, दिनांक 27-2-1986 द्वारा निर्माणार्थ लाईसेन्स प्रदान किया है धौर जिसकी सीमाएं इस प्रकार है।

पूरव में ःश्री सच्चिदानन्द दास के नाम रही सम्पति है।

पिष्वम में : साईट सं० 54 व्र 54/2 के श्रंग तथा साईट सं० 53(उसरी छोर पर केवल .60 से भी)

उत्तर में : 92.3 तर्क ही माईट सं० 55 का भाग तथा कारपोरेशन माइट सं० 53 का केवल 40, जो श्रीमती विजय लक्ष्मी जोइस का है श्रीर कारपोरेशन साइट सं. 53, 54, 54/1, 54/2, 55, 55/1 व 55/2 के मालिकों व उपयोग करने वालों के मुफ्त उपयोग के लिए 40 चौडा खासगी रास्ता।

वक्षिण में : सं० 1 सें 4 तक बेचने वालों की भूमि जो साइट सं० 55/2 व 54/2 के ग्रंग है।

> ग्रार० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रीयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बंगलौर

तारीख: 9-1-1987

प्ररूप नाई.दी.एन.एस.-----

#### आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 19 जनवरी, 1987

निदेश सं०सी० ग्रार० बी/50172/86~87—ग्रतः मुझे ग्रार० भारद्वाज

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निधिनमम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के निधन सक्षम प्रशिकारी को, यह निध्नास करने का कारण है कि स्थापर सम्मत्ति जिसका उचित नाजार मृस्य 1,00,900/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० खाता नं० 217, ग्रमसमेन्ट्रस नं० 376, विजिनपुरा गांव दूरवानि नगर बेंगलूर दक्षिण तालूक बेंगलूर, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है) रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-7-1986

की पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बावार मृत्य से का के क्रायान कित्रक के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने की कारच है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित- काचर मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का उच्चह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पास भया प्रतिफल निम्नलिचित उच्चेश्य से उस्त अन्तर्ण निचित्त में अस्तिक रूप से अधिक तहीं विश्वा नया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी नाम की नावत उन्त नाथ-नियत से वचीन कर देने से बन्तरक के दारियद में कमी करने या उत्तसे नचने में सुविधा के लिए; नीए/या
- (क) एंसी किशी बाय वा किसी धन या अन्य वास्तियों को, चिन्हां भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त व्याधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किया;

(1) मेसर्स यूनाईटेड बिक्र कमिन श्री डेविस पाटील, पी वी वर्गीन, बेबी चकोला, चकोला धर, मरुन्सुर चल्लकोडि डिस्ट्रिक्ट, ट्रिचूर केरला, 1 श्रीर 2, पीकट्ट घर, इरन्जालकुडा, ट्रिचूर टिस्ट्रिक्ट केरला

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स राम्के एस्टाब्लिशमेंन्टस (रिजस्टर्ड)
एम के० म्रब्दुल्ला, यूसुफ म्राली एम ए,
म्रसीफ एम ए, मैनेचर रानवाज एम ए रित वाय गाजियन एम० के० म्रब्दुल्ला कृष्णराजपुरम,
बेंगलूर-80,

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना चाड़ी करके पूर्णकत सम्पत्ति की वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हो।

#### उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशक की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्व्थ किसी अन्य स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए या सकों ने।

लक्कीकरणः -- इतमें प्रयुक्त सन्दों और पदौं का, भा स्वक्क जीभिन्यमं, के मध्याय 20-क में परिकाषित हैं, नहीं नभी होगा औं उस मध्याय में दिवा गया है।

#### **प्रतुस्**ची

(दस्तावेज सं० 2286 ता० 31-7-86) जो सम्पति है जिसका खाता नं० 217, स्रीर ग्रससमेंटस नं० 376, विजिनपुर स्राव, बेंगलूर में स्थित है।

अतः गम्, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 19-1-1987

#### भूक्य ब्राह्यं हो . युद् . युद्ध , २००० वरण वरण

## बारकर बर्धिमियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के मंभीन सुबना

भारत सरकार

#### कार्यात्रयः, सहायक भावकातः भावकाः (विद्रासिक)

ग्रर्जन<sup>ं</sup> रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 16 जनवरी 1987

निर्देश सं० सी ग्रार 62/501/86-87—श्रतः मुक्को, भार० भारद्वाज

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की मह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजाह मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० नघ नं० 61/A 461/1 है तथा जो रामरौयन्गार रोड, वि वि पुरम, बेंगलूर 560038 है (श्रीर इससे उपाबद्ध उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1808(1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 16-6-1986

को प्रॉक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्याबान प्रतिकल के लिए बंतरित की गई है बौर मृश्वें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित वाचार कृत्य, असके असमान प्रतिम्कल से, देशे व्यवसान प्रतिक्रक का काव प्रतिक्रक का काव प्रतिक्रक प्रतिक्रक का काव प्रतिक्रक से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) बौर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रक, विक्रमित वहाँ किया ग्या है दिन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी काम की बाबसा, उक्त बहुँगीनव्स भी सभीव अन्त दोने के व्यवहरू जी दावित्व में सभी करने वा उच्च व्यवहर्ग में बहुँग्या के शिष्ट अद्विश्या
- (व) ग्रंबी किसी बाम वा विक्ती अन् जा जन्म वास्तिकों अते जिन्हों भारतीय वाम-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत विभिनियम वा धनकर व्यक्तियम, 1957 (1957 का 27) से प्रक्रियाण किया विकास वा प्रकट वहीं किया ववा या विकास वामा आहिए था, कियाने में स्विधा के शिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्यक्तियों, जर्थात् ः—

- (1) 1 श्री के० रत्नम, (2) के० बालकृष्ण सुपुत्र टी कुष्पाराम नं० 35, मिल रोड, काटनपेट बेंगलूर-560002 (भ्रन्तरक)
- (2) 1 श्री कें एन० जयप्रकाश, (2) श्रीमती के० जे० पदमजानं० 64, मिडल स्कूल रोड, वि० वि० पुरम, बेंगलूर-4,

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्तर सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बालीप ह—

(क) उस समना औ राज्यम में प्रकासन की तारीक से 45 दिन की समीच ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की समीच, यो भी समीच नाद में समाज होती हो, के भीतर पूर्वीक्य स्पन्तियों में से किसी स्पनित स्वारा;

रिर्जी क्षत्र ब्राज्यन के राज्यन के प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सांपरित में हितवव्ध कि ती अन्य स्थावर वृतारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए वा सकेंगें।

स्वक्यक्रिरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों जीर पवों का, जो उपत्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस्त अध्यास में दिया गया है।

#### अनुसूची

(धस्तावेज सं० 773 तारी ज 16-6-86 जो सम्पति है जिसका सं० 233 ग्रीर 234, नया नं० 61/ए ग्रीर 61/1 रामरीयन्गार रोड, विक्वेक्वरपुरम, बेंगलूर में स्थित है।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 16-1-1987

मोष्टर:

#### प्रकृष् वार्षं .ठो . एन . एस . -----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 16 जनवरी 1987 निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/50123/86-87—ग्नतः मुझे, ग्रार० भारक्षाज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 604 है तथा जो राचराहाल [[ स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है)रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 13-6-1986 को पूर्वीका सम्पत्ति के उपित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान लिए अन्सिरत की गइ है ब्रिक्स क्रे मुभ्ने य≝ विश्वास करने का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल को एन्द्रह प्रतिकास से अधिक है जौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिसिक्त उक्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित

नहीं किया गया है है——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के सिए; और/बा
- (थ) ऐसी किसी जाय भा किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविधा के लिए;

कति भव, सकत विभिन्निम की भारा 269-ग के अनुतरण क्षिक की सकत निभिन्निम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्री रिहमुद्दीन म्नहमद, नं० 604, XII मैन, एच०ए०एल० II स्टेज, बेंगलूर-560038 (भ्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रार० रामचन्द्रन, पि० रा० होल्डर, एम सेकर नं० 1075/एफ० एच० ए० एल० II स्टेज इन्दिरा नगर, बेंगलूर-560038 (ग्रन्सरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधीप ध-

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं पकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्पति में दिन यव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास सिहित में किए वा सकों वे।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ इत, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दस्तावेज नं० ६६६ तारीख 13-6-86

जो सम्पति है जिसकी सं० 604, एच० ए० एल० II स्टेज, बेंगलुर में कारपोरेशन डिविजन नं० 67 में स्थित है।

म्रार० भारहाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 16-1-1987

प्ररूप बाहै . टी . एन . एस . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 जनवरी 1987 निर्देश सं० सी० घार० 62/1684/ए० सी० क्यू०/बी--घतः मुझे, घार० भारद्वाज,

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास ठरने का कारण है कि स्थावर संपीत जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 23, है तथा जो कुमारपटनम पोस्ट, कोडीयाल ग्रुप पंचायत है में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन तारीखं 16-6-1986

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बह्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बह्यमान प्रतिकल से एसे बह्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती प्रतिकल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :——

(1) मेसर्स ग्मैसूर कन्स्ट्रकणन कम्पनी भीर मेसर्स सुरेश मालपानी एण्ड कम्पनी कुमारपटनम-581123

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स एग्रो एनपुद्स लिमिटेड, सं. 87, 3 मेहन रोड, न्यू तरमपेट बेंगलूर-560002

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### सन्पूची

(दम्तावेज सं० 344 ता० 16-6-1986)

धारवांड जिले के राणेबेन्तूर तालुक के कवलेट्टू शाम में सर्वे सं. 23 वाली यह सम्पति एक पुराना कारखाना भवन तथा कतिपय छोटे/छोटे भवन तथा हिन्हिर टाउन से 5 किलोमीटर दूरी पर पी० बी० रोड के बाजू की भूमि पर स्थित है।

> ं श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रेंक्सलर

तारीख: 7-1-1987

प्रकप भाई. सी. एन . एस . -----

वायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के सभीन स्थना भारत सरकार

कार्यां सर्वे । सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, बेगलूर

बेंगलूर, दिनांक 15 जनवरी, 1987

निदेश स० सी भ्रार 62/50140/86-87-9न मुझे, श्रार० भारद्वाज

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उक्ति सामार दूत्या 1,00,000/-रिंड, से अधिक है

श्रीर जिसकी स० 565/4 है तथा जो एस० ए० एल० Il स्टेज बेगलूर मे स्थित है (श्रीर इससे उपावड प्रनुसूची मे और पूर्ण स्प से विणित है) रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन नारीख 27-6-1986 को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्फ यह विश्वाम करने का बाजरण है कि सभाप्चिकत सम्पत्ति का समित तार म्स्य, उसके इष्यमान प्रतिफल का क्वार , एसे इश्यमान प्रतिफल का क्वार प्रतिफल के लिए वर्ष प्रथम प्रतिफल का क्वार प्रतिकत सं अधिक है और वंतरक (अंतरकों) और रतिरिल्थ (अंतरितयों) के वीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रवि-

अन्न निम्पीलियत उथवाच्या से उक्त बंतरण निस्ति में राज्य

विक रूप में कथित नहीं किया गया है .--

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के वायित्व में कामी करने या उससे यक्ते में स्थिध के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आप या किसी ६ न या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूविधा के लिए;

(1) बि॰ सुधा मलया, 312, I स्टेज, इन्दिरानगर, केगलूर-560038

(श्रन्तरक)

(2) श्री जोगब्राटा घोष, प्लाट नं० 3, एस डब्ल्यू 119, नदर्न श्रवेन्यू कलकत्ता-700029, प्रेजेंटली श्रट 565/4, एच ए० एल II स्टेज बेंगलूर-560038

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी कारके पूर्वीवत सम्पत्ति के नवन के लिय अधियाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रितः बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अशहस्ताक्षरी वं पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त बिधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित है, यहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गथा है।

#### अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 805 ता० 27-6-86) सब सम्पति है जिसकी स० 565/4 पुराना नं० 565/2 एव० एल II स्टेज कारपोरेशन डिविजन नं० 67, (पुराना डिविजन न० 51), बेगलूर में स्थित है।

> श्चार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बगलूर

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, नियनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख : 15-्1-1987

भोहर

#### प्रकप बाह<sup>4</sup>ं हीं प्रना प्रसान करण्य

## नायकर निष्मियमः, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

#### कार्यांक्य, सहायक बावकर बाव्क्स (नि.रीक्षक)

श्चर्जन रेज, बंगलूर

ेबंगलूर, दिनाक 15 जनवरी, 1987

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/50144/86-87--श्रतः सुझे, भार० भारद्वाज

बायकर मौर्पित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन तक्षय प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 90 है तथा जो IIकास विकटोरिया रोड एक्सटेन्शन विकटोरिया ग्रौर बेंगलूर-560047 है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख 25-6-1986

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके व्ययमान प्रतिफक से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचत से अधिक है और जंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्स निकाति वित उद्देश्य से उन्त अंतरण सिचित में वास्तिनक कुप से कथित नहीं किया क्या है है—

- (क) बन्तरण में हुई किसी नाम की वासक, उनत निपित्रियम के जभीन कुट दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के तिपु; भीड़/वा
- (क) एसी किसी बाय मा बिस्सी धन या बन्ध आस्तिया को, जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, मा धनकर विधिनियम, मा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोच-वार्च वस्तिरती व्वाय प्रकट नहीं किया गया था वा विका जाना वाहिए था कियाने में स्विधा की किए।

बादः सथ, उथत अभिनियम की थाडा 269-ग के अनुसर्ग के, में, दशत अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्चित व्यक्तित्यों, अर्थत् :—

- (1) श्रीमती भ्रार० कौणल्या बाई जी श्रार० गणेण नागमनी 90, II काम (नयी नं० 15, 4 कास) विक्टोरिया लेग्राउट, बेंगलूर~560004 (श्रन्तरक)
- (2) श्री राम सयद ग्रहमद हुसैन सैयद इकबाल सैन हुसैन 1, पलोर नं० 90, II कास (नयी नं० 15, 4 कास) विकटोरिया लेग्नाउट बेंगलूर-560047

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हुमाराह
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह स्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

#### अमृस्ची

दस्तावेज सं० 953 ता० 25-6-86

सब कम्पनी है जिसका सं० 90 II कास (नयी नं० 15, 4 कास) विक्टोरिया रोड, एक्सटेन्शन विक्टोरिया लेक्पाउट बेंगसूर, 560047 में स्थित है।

आर० भारद्वाज सक्षमः प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 15-1-1987

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, बंगलौर

बगलौर, दिनाक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० सी० श्रार० बीं० 50143/86-87--- मतः मुझे, श्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपयं से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 780 है तथा जो एच० ए० एल० IIस्टेज इन्दिरा नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपायस अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 9-7-1986 को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त औध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आम या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अब: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुनरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री की राधाकुष्णन नं ० 1807, प्रकाशनगर,  $I_{V}$ स्टेज बेंगलूर-560021 ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती टी० पर्विमनी मेनन, नं० 347, एच० ए० एल० III स्टेज इन्दिरा नगर, बेंगलूर-560038। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सेखंशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्सूची

(दस्तावेज सं० 896 ता० 6-7-86) सब सम्पति है जिसकी सं० 780, एच० ए० एल० IIस्टेज, इन्दिरा नगर, बेंगलूर-560038 67वी डिविजन, बेगलूर सिटी कारपोरेशम

> भ्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायु<del>ग्त</del> (निरीक्षण) श्रजेन रेज, बेगलूर

तारी**य**ं 15-1-1987 मोहर: प्रारूप आइ°. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

#### कार्यालय, सहारक नायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० सी० म्रार० बी० 2/50134/86-87--म्रतः मुझे, म्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 5 है तथा जे। 11 स्टेज, वेस्ट श्राफ काई रोड बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण ह्य में वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 16-6-1986 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए हम पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्योग्य से मूक्त अन्तरण लिए त वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाब्त उक्त अधि-नियम के अधीन कर योने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों कां जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उत्कत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  $\left(1\right)$  श्री र्बः० वेंकटाद्रि रोष्टि, नं० 5, वेस्ट श्राफ कार्ड रोष्ठ, 11स्टेज बेंगलूर $\sim$ 560086 ।

(ग्रन्तरिती)

- (2) मेसर्स श्री श्रमर इन्वेस्टमेंटस
- (1) जी० के० राजगोपाल सेही, 41/42, ज्यूलर्स स्ट्रीट, बेगलूर-560001।
- (2) बि मितवचन नं० 2954, II स्टेजराजाजी नगर बेगलूर-560010।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिए की अवधि, जां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचन स्थापर स्मात्ति में हितबद्ध फिसी अन्य ध्यकि व्वारा अक्षंहस्ताक्षरी के पास चिक्ति में किए जा सक्षेपे।

रपड्डीकरण:—इसमी प्रयुक्त शब्दों और एवीं का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय मी दिया प्रया है।

#### ं वनुसूची

(दरनावेज सं० 884 ता 16-6-86) सब सम्पति है जिसका सं० 5, IIम्टेज वेस्ट ग्राफ कार्ड रोड, डिविजन नं० 8 (डब्लयू मी) बेगलूर में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीख: 15-1-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जनवरी 1987

निदेश सं० सी० ग्रार० 62/5038/86-87-- ग्रतः

मुझे झार० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे , इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर भम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या 849 है, तथा जो एच० ए० एल० ।। स्टेज इदिरा नगर बंगलूर-560038 में स्थित है । (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनूस्ची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908

(1908 का 16) के अधिन दिनांक 18-6-1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम, की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री घरम याकूब नं० 173, स्पेन्सर रोड़ भास, क्लीक्लाण्ड टीन, बंगलूर-560005। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती इन्दिरा सोमिया, रीप्रजेन्ट बाई हर पि०रम० होल्डर राम जि नन्जप्पा, नं० 885, 11टीएच मैन, 3 क्रांस इन्दिरानगर, बेंगलूर-5600038 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करला हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी, व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार्स लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनृत्वी

दस्तावेज सं० 713 86-87 दिनांक 18-6-1986 सब सम्पत्ती है जिस की सं० 849, एंच० ए० एल० 2 स्टेंज, इन्दिरानगर, बेंगसूर-560038 ।

> भार० भारद्वाज समक्ष प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर

तारीखा : 15—1—1987

प्ररूप आर्डं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 जनवरी, 1987

निदेश सं० सी० श्रार० 62/50132/86-87---

म्रत: मुझे भ्रार० भारद्वाज

आयकर अधिनिर्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रापये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 91 है, तथा जो खाता नं० 100 90 श्ररकेरे गांव, बेमूर होब्ली, बंगलूर दक्षिण में स्थित है (तालुक बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंद्ध श्रनुसूर्च। में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रधीन तारीख 16-6-1986

को प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बानत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तेत अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-গ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) मैसर्स राजेन्द्रा पाली पैकेजिंग इन्डस्ट्रीज रिप्रेजेन्ट बाई मेंनिजिंग पार्टनर जि॰ शान्ताराम कानत नं॰ 179, 15वां मैन, 35वां भास, भौधा 'टी' ब्लाक, जयनगर, बंगलूर-560011 । (धन्तरक)
- (2) मैसर्स नमस्ते लेवर गारमेंन्टर्स (पी) लिमिटेड, नं॰ 21/2, विट्ठल नगर, चामराजपेट, बंगलूर-शिव । 560018, रिप्रेजेंट बाई डारेक्टर के॰ सवाशिवा (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए हा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः चित्रमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज मं० 1323 86-87 दिनांक 13-4-1986) कैगारिका शम्मी स्रौर कैगारिका रोड़, मर्वे नं० 9 1-ए खाता नं० 100 90, स्ररकेरे गांव, बन्नेरघटा रोड़, बेमूर होब्ली बंगलूर दक्षिण भालूक, बंगलूर में स्थित है।

> भ्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी साहयक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीखा 15—1—1987 मोहर : अवस्य कार्ड . हा दत . स. . . . . .

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयवत आयुग्त कि क्षेत्रक (अर्जा क्षेत्र), लखनक लखाक, विशंक 6 गार्च 1987

जी. आई. आर. संख्या 5-414/एमीजी--यता मक्ते, श्रीमती सरोजनी लाल. श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'टार अधिनिया' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विशास करने कः कारण है कि स्थावर सम्मित, जिन्नका अवित बाबार मन्द 1,00,000/- रा. से अधिक ह<sup>4</sup> और जिसकी संख्या 29/27 हो तथा जा भूमि मय बिल्डिंग 4 राना प्रताप मार्ग लखनक में स्थित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यातय लग्न क में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-6-1986 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्राष्ट्र मा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 267-त नी उपधा । (।। के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :-- 1. भिमती हाले ए. हान्या ।

(यन्तरक)

2. मण्टर पेस भी. शायात्र शारिक।

(मन्ति ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्धीकत समात्ति के अर्जन के लिए अर्थवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से थिसी व्यक्ति व्यक्ति प्राप्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंग।

स्पष्टिशकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्यास 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याक में दिया . पया है।

#### अनुसूची

भ्मि मय बिल्डिंग नं. 29/27, स्थित 4 राना प्रताप मार्ग लखनऊ पैमाईसी 1115 24 बर्गमीटर। जिसका पंजीकरण रिज-स्टीकर्ता अधिकारी त्रवनऊ के टार्यात्य में दिनांक 13-6-1986 को किया जा चुका है। (जैसा फार्म 37-जी व सेलडोड में विर्णित हैं)

श्रीमती सरोजनी त्यल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) (अर्जन क्षेत्र) नव्यक्त

ारोड :6-3-1987

गहिर:

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, र, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी, 1987

निदेश सं० प्रघा० ग्रा० (निरीक्षण)---- ग्रतः मुझे, ए० ग्रार० रेड्डी,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्यक प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की बारा क्रिं59-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- र. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० सं० 210/20. 1ए4 (पार्ट) 140 है, जी तिखानपुर, मद्रास में स्थित है (इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रुप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मद्राम साऊय — दम सं० 1813 10से 1816 86 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1986

की नूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रों यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण विधित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

अते. अत , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निवियित व्यक्तियों, अर्थात् :---14---51601/86

(1) श्री टी० एम० दिवाकरन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमिति प्रभा यसोदा।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ख़ाक्षेण :---

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिस-बव्ध किसी बन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

भूमि—-प्रारः गुमा० मं० 210/2ए /1ए4 पार्ट) 140, तिरूव निमयुर, गांव, मद्रास । (मद्रास सीत— दस सं० 1813 से 1816/86)

> ए० आर० रेड्डी मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, मद्रास-16

तारीख: 2-2-1987

मोहरः

۶

#### MIN. OF PERL. & TRAINING, ADMINISTRATIVE REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION (DEPTT. OF PERSONNEL & TRAINING) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 4th March 1987

No. A-20023/1/81-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri I. D. Vald presently working as Public Prosecutor (Group 'B' Gazetted) in C.B.I. on deputation basis, on permanent 'transfer' basis, w.e.f. 15-9-1986.

D. P. BHALLA Administrative Officer (E)

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110 003, the 3rd March 1987

D.I-33/83-Estt.I.—Shri A. K. Beheln, Dy. S. P. who was on deputation with Ministry of Commerce and Supply w.e.f. 07-2-1985 A.N., on repatriation took over his charge in 70 Bn. CRPF on promotion as Assistant Commandant w.e.f. 10-1-1987

#### CORRIGENDUM

The 4th March 1987

No. O.II-1538/81-Estt.—The word 'AN' appearing in the 2nd line of this Directorate General Notification of even number dated 24-2-87 relating to death of Shri Daya Nand, Dy. Sp. 40th Bu, CRPF may be substituted as 'FN'.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Assistant Director (Estt.)

## DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110 003, the 26th February 1987

No. E-32015(4)/1/87-Pers.I/21.—President is pleased to appoint the following Inspectors (Exc.), on promotion as Assistant Commandant in CTSP with effect from the date mentioned against each on purely ad-hoc basis and temporary upto 18th August 1987 or till such time regular appointments are made whichever is earlier:—

SI. Name of No. officer	date of assump- CISF Unit/ tion of charge Office as Asstt. Comdt. (Ad hoc)	
S/Shri		
1. M. Mujibullah	9-2-87 (AN)	OJL Duliajan
2. V.C.S. Rao	29-1-87 (FN)	BRPL Bongai- gaon
3. S.K. Bose	11-2-87 (AN)	BCCL Jharia

Sd./- . ILLEGIBLE DIRECTOR GENERAL/CISF

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110 011, the 3rd March 1987

No. 10/10/86-Ad.I.—In pursuance of the Ministry of Planning, Department of Statistics Notification No. A.11024/4/86-ISS(1) dated 8-5-1986 and in supersession of this office Notification Nos. 25/16/74-RG(Ad.I) dated 2-5-74 and 10/23/77-Ad-I dated 21-5-79, wherein S/Shri Y. S. Rao, R. I., Gupta and B. N. Andley have been promoted to Grade IV of I.S.S., the President is pleased to appoint them as Research Officers in the Office of the Registrar General, India on promotion basis with effect from the dates shown against their names:

Sl. Name o No.	f the Research Officer	Date of pro- motion
1. Y.S. Rao		26-4-1974
2. R. L. Gupta	1	7-5-1979
3. B.N. Andle		7-5-1979

The headquarters of S/Shri Rao, Gupta and Andley is deemed to be at New Delhi.

V. S. VERMA Registrar General, India

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DEPUTY DIRECTOR OF ACCOUNTS (POSTAL)

### Kapurthala, the 3rd March 1987, NOTICE

No. Admn./A VI/Discp/Rajinder Singh/1548.—Shri Rajinder Singh son of Shri Jit Singh while working as daftry in this office remained on unauthorised absence since 26-12-1985 and failed to receive any of the official communications sent to him at his last available address. After following the necessary disciplinary proceedings under the departmental rules as contained in the C.C.S. (CCA) Rules, 1965, Shri Rajinder Singh Daftry has been finally removed from service w.e.f. 11-2-1987 F.N. and the order of his removal from service was sent to him at his last available address with the office. As the registered cover containing the above order of removal of the said official from service sent to him at his available address has also been received back undelivered, it is hereby notified that Shri Rajinder Singh Daftry son of Shri Jit Singh stands removed from service w.e.f. 11-2-1987 (F.N.).

R. P. SEHGAL Assit. Chief Accounts Officer (Postal) Kapurthala

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E),

#### KERALA

Trivendrum, the 16th February 1987

No. A&E/OE(E&C) /IV/10-3/85-86.—The following Official of his office retired on superannuation from the afternoon of 30-11-1986.

Shri T. Velappan Nair, Accounts Officer.

Sd/- ILLEGIBLE Accountant General

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT): I MADHYA PRADESH

Gwalior, he 27th February 1987

No. AdmnX.I/Gr.II/329/614.—In terms of Rule-48-A of C.C.S. (Pension) Rules, 1972 The Accountant General

(Audit): I, Madhya Pradesh is pleased to permit Shri Mohan Das, Asstt. Audit Officer (02/1567) of this office to retire voluntarily from Central Government service with effect from 31-3-1987 afternoon.

[Authority: Orders of A.G. (Audit): I dated 20-2-1987.]

R. C. GUPTA Dy. Accountant General/(Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)-I, WEST BENGAL

Calcutta-700 001, the 23rd February 1987

No. Admn.I/Promotion-93/AC/3301.—The Accountant General (Audit)-I, West Bengal has been pleased to appoint Shri Satyendra Nath Banerjee, Assistant Audit Officer to officiate as Audit Officer in temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 23rd February, 1987 in the Office of the A.G. (Audit)-I, West Bengal and A.G. (Audit)-II, West Bengal, Calcutta until further orders.

The promotion is subject to the final outcome of the Writ Petition now pending before the hon'ble Central Administrative Tribunal, Calcutta.

The newly promoted Audit Officer will have to exercise option within one month in terms of para 2(b) of G.LM.H.A.-O,M. dated 26-9-1981 for either to fix his pay under F.R. 22(a)(i) on the date of promotion and then under F.R. 22-C from the date of next increment in the lower grade or under F.R. 22-C from the date of promotion straightway.

#### The 25th February 1987

No. Admn.I/Promotion-93/AAO/3331.—The Accountant General (Audit)-I West Bengal, has been pleased to appoint:

S/Shri

- 1. Satyabrata Basak, S.O. (Audit).
- 2. Ranendra Nath Samanta, S.O. (Audit).

to officiate as Assistant Audit Officers (Group 'B' Gazetted posts in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200/-) in a temporary and officiating capacity with effect from the forenoon of 24th February, 1987.

The promotion is subject to the final outcome of the Witt Petition now pending before the Hon'ble Central Administrative Tribunal, Calcutta.

The newly promoted Assistant Audit Officers will have to exercise option within one month in terms of pura 2(b) of the G.I. M.H.A. OM dated 26-9-1981 for either to fix his pay under FR 22(a) (i) on the date of promotion and then under FR 22-C from the date of next increment in the lower grade or under FR 22-C on the date of promotion straightway.

St. Deputy Accountant General (Admn.)

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

### OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 4th March 1987

No. AN-I/1679/5/I.—Shri S. Venkatasubramanian, IDAS has attained the age of 58 years on 28-01-87 (his date of birth being 29-01-29) has been struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from the afternoon of 31-01-1987 and has been accordingly transferred to the

Pension Establishment with effect from the forenoon of 01-02-1987.

D. K. CHET SINGH Addl, Controller Genl. of Defence Accounts (Administration)

## MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-1, the 27th February 1987

No. 4/A/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shii T. A. V. R. Nambisan, Works Manager (Subst. Foreman) retired from Service w.e.f. 31-1-87 (AN). Accordingly his name has been struct off from the strength of IOFS w.e.f. 1-2-87 (FN).

#### MINISTRY OF COMMERCE

### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 5th March 1987

(IMPORTS AND EXPORTS TRADE CONTROL)

#### (ESTABLISHMENT)

No. 6,968/72-Admn(G)/939,—The President is pleased to appoint Shi M. M. Rehani, Assistant Chief Controller of Imports and Exports (Grade III of Central Trade Service) in the Imports and Exports Trade Control Organisation to Grade II of Central Trade Service (Deputy Chief Controller of Imports and Exports) with effect from the afternoon of 6-11-86 until further orders.

No. 6/975/72-Admn(G),945.—The President is pleased to appoint Shri A. G. V. Subbu, Assistant Chief Controller of Imports and Exports (Grade III of Central Trade Service) in the Imports and Exports Trade Control Organisation to Grade II of Central Trade Service (Deputy Chief Controller of Imports and Exports) with effect from the afternoon of 6-11-86 and until further orders.

SHANKAR CHAND

Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

#### MINISTRY OF TEXTILE

## OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

New Delhi, the 27th February 1987

No. 1/9/85-Admn.I.—Shri S. S. Sharma, a permanent Assistant Development Officer (Wool) and presently officiating as Deputy Director (Carpet) on ad hoc basis in this office is appointed to officiate as Deputy Director (Carpet) in a regular capacity in the pay scale of Rs. 1100-50-1600 with effect from the forenoon of 18-2-87 and until further orders.

2. He will continue to draw pay already being drawn by him as Deputy Director (Carpet) in the said scale of pay.

P. K. DATTA

Development Commissioner (Handicrafts)

#### MINISTRY OF INDUSTRY

## DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 3rd March 1987

No 12(24)/61-Admn (G) — On attaining the age of superannuation Shri M Shahul Hameed, Director (Grade II) (General Administrative Division) Small Industries Service Institute, Cuttack retired from Govt service with effect from the afternoon of 31-1-1987

No A-19018(493)/80-Admn (G)—The President is pleased to appoint Shri Sukhpal Swami, Asstt Director (Grade II) (Chemical) Small Industries Service Institute, Japun as Assistant Director (Grade I) (Chemical) at Small Industries Service Institute Goa with effect from the afternoon of 1-I-87 until further orders

No A-19018(792) 85-Admn (G)—The President is pleased to appoint Shii Sita Ram Aggaiwal as Assit Director (Grade I) (Mechanical) at Extension Centre, Jhaisuguda under Small Industries Service Institute, Cuttack with effect from the forenoon of 5-1-87 until further orders

C C ROY Dy Director (Admn)

# MINISTRY OF STEEL & MINES (DEPARTMENT OF STEEL) IRON & STFEI CONTROL Calcutta-20, the 3rd March 1987

#### CORRIGENDUM

"No EI-2(1)/85 ()—The name appearing in 2nd line of the Gazette Notification No EI-2(1),85 should be read as Shri Sushil Kumar Dey in heu of Shii Sushil Kumai Dev"

S K SINHA Dy Iion & Steel Controller

## (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16 the 26th February 1987

No 1287B/A-19012(4-SS), 86-19B—Shri Sumitter Singh, Sr Tech Asstt (Drilling) in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the GSI by the Director General GSI on pay according to rules in the scale of Rs 650 30-740-35-810-EB-35-880 40-1000 FB-40-1200,- (old scale) in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1 12-1986, until further orders

No 1309B,A 32013(1 SAO)/82-19A—The President is pleased to appoint the following Administrative Officer, Geological Survey of India, as Si Adm Officer on pay according to rules in the scale of pay of Rs 1100-50 1600/in the same Department in an officiating capacity with effect from the dates mentioned against each, until further orders—

- 1 Shri M C N Menon-2-1-1987 (FN)
- 2 Shri S C Balmiki-6-1-1987 (FN)
- 3 Shri S P Mallick-31-12 86 (FN)

#### The 27th February 1987

No 1355B/A-19011(1-PSG),86 19A—The President is pleased to appoint Shrt Parvinder Singh Gill Assit Geophysicist, GSI to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs 700-40-900 EB-40-1100-50-1300 - in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 22-12 1986 until further orders

No 1370B/A-32013(2-GS) 83 19B—The President is pleased to appoint the following Geophysicists (Jr.) GSI, on

promotion to the prot of Geophysicists (Si) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of R<sub>N</sub> 1100 50 1600 - in officiating capacities with effect from the dates mentioned against each until further orders —

- 1 Shri N C Murali wef 109-86 (F/N)
- 2 Shri R Vaidyanathan wef 10-9-86 (F/N)

No 1384B, A 32013[2 GJ(I)]/82/19B—The President is pleased to appoint Smt Nila Sarkar Assit Geophysicist (Instin.) GSI on promotion to the post of Geophy (Jr.) (Instin.) in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs 700 40 900 EB 40 1100-50 1300, in an officiating capacity we fithe F.N. of 29-12-86, until further orders

No 1121N/A-19011(1 AO), 86-19A—The President is pleased to appoint Shi A Omkumai to the post of Geologist (Jr) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs 700 40-900 EB-40 1100 50-1300 - in an officiating capacity with effect from the forenoon of 8-1 87, until further orders

#### The 2nd March 1987

No 1137N/A-19011(2 DS), 86-19B—The President is pleased to appoint Shri Sunchi Dayanand to the post of Geophysicist (Jr) (Instin) in the GSI on pay according to rules in the scale of pay of Rs 700-40-900-EB-40-1000-50-1300/- in an officiating capacity w of 30-12-86 (F/N), until further orders

#### The 3rd March 1987

No 1171N/A-19012(2-JK), 85 19B—Shri Jai Kamal is appointed by the Director General Geological Survey of India as Assistant Geophysicist in the GSI on pay according to rules in the scale of pay of Rs 650 30-740--35 810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17-11 86, until further orders

Λ KUSHARI Director (Personnel)

#### Calcutta-16, the 26th February 1987

No 1298B/A-19011(1 DNS),86-19A — Shri D N Sethi, Director (Geology) Geological Survey of India relinquished charge of the post of Director (Geology) in the GSI on the afternoon of 22nd October, 1986 to joining the post of Scientist Engineer SF in the scale of pay of Rs 1800 2250/- in the Department of Space, Government of India on deputation for a period of one year initially on the normal terms and conditions of deputation

N K MUKHERJEE Sr Dy Director General (Operation)

## MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY INDIA METFOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi, the 5th March 1987

No A 32013(ADGM) 3/86 F I — The President has been pleased to appoint Di N Sen Roy Deputy Director General of Meteorology to officiate as Additional Director General of Meteorology in India Meteorological Department with effect from 6 2-1987 and until further orders

Dy Director General of Meteorology (Administration & Stores)

### DIRFCTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES PHICOLL) SECTION

New Dolhi 110011, the 24th February 1987

No A 32013 1/81 NMFP/Admin I/PH(CDI) — On attaining the age of uperannuation Di Manoranjan Das, Deputy Director (Entomology) in the National Malaria Eradication

Programme, Delhi, under this Directorate retired from Government Service on the afternoon of 30th January, 1987.

Smt, JESSIE FRANCIS Dy. Director Administration (PH)

# MINISTRY OF COMMUNICATIONS MONITORING ORGANISATION

New Delhi-62 the 29th December 1986

No. A-12019, 1/85-Adm. -- Sanction of Wireless Advised to the Govt of India, Ministry of Communications is hereby accorded for the extension of deputation period in respect of Sh. Devi Lal. a Senior Hindi Translator, borne on the cadre of the Ministry of Communications, who is on deputation as Hindi Officer (Gazetted Group 'B') in the Monitoring Organisation, Ministry of Communications, beyond the 28th November, 1986, and until further orders on the same terms and conditions mentioned in this office notification of even number dated the 10th December, 1985.

R. N. AGARWAL Dy. Director (Sat.) for Wireless Adviser

# MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF FOOD) DIRECTORATE OF SUGAR

New Delhi, the March 1987

No. A-20012, 132/70 Estt. Vol. II.—On attaining the age of superannuation, Shri V. N. Dogta, Section Officer (Accounts & Statistics) in the Directorate of Sugar, Department of Food, retired on superannuation from Government service with effect from the afternoon of 28th February, 1987

V. LAKSHMI RATAN Jt. Secy. (Sugar)

# MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPN.) DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 26th February 1987

No. F.2-2/87-lestt.(1).—On the recommendation of Departmental Promotion Committee Group 'B' of the Directorate of Extension, Shi S. L. Dhir, a permanent Superintendent (Grade I) is promoted to officiate as Assistant Administrative Officer, Group 'B' (Gazetted), in the pay scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 with effect from afternoon of 20-2-1987 for a period of six months or until further orders, whichever is earlier.

R. G. BANERJEE Director of Administration

# DELHI MILK SCHEME

New Delhi-8, the 22nd December 1986

### ORDER

No. 4-21/85-Vig.—WHEREAS Sh. Mohinder Singh S/o Shri Lal Chand, Mate on driving duty was issued a charge-sheet under Rule 14 of the CCS (CCA) Rules, 1965 vide this office memo of even no. dt. 17-1-86 on the following charge:—

"That the said Shri Mohinder Singh, Mate was deployed on van driving duty on Van No. 94 on 8-7-1985 for distribution of milk on route No. 50(M). It is alleged that whereas Shri Mohinder Singh, Mate, on driving duty, collected 240 crates containing milk filled bottles of half liter capacity for

distribution but at the time of returning empties deposited only 236 crates with empty milk bottles in the Central Dairy on the aforesaid day. It is also alleged that he tampered with the figures in respect of number of crates as indicated on the Route Schedule. He is thus charged with Short deposit of 4 crates with 80 filled milk bottles thereby manifestly displaying dereliction of duty and tampering with the figures by way of overwriting the Govt, documents which acts are grossly unbecoming of a Govt, servant in violation of Rule 3 of the CCS (Conduct) Rules, 1964."

AND WHEREAS Sh. R. I. Luthra was appointed as Enquiry Officer who has submitted his findings bearing No. 6 f.O (L) 86 dated 26th August, 1986 (copy enclosed). The undersigned has carefully examined the enquiry report and all other lacts & circumstances on records. The charges against Sh. Mohinder Singh Mate en driving duty is pilferage of 4 crates of milk and tampering with the Govt. documents for his illegal pecuniary gains. He has tampered with the figures of the Route Schedule by making the figure from 40 to 38 crates and 31 to 29 in respect of supply to depot No. 321 and 323 respectively on the route schedule. He this short delivered 4 milk crates at these both depots and further deposited 4 nos less crates and the empty bottles in the Central Dairy. He acted in a manner so that this discrepancy could not be detected immediately on the spot. It is further strengthened by document No. DMS 44, which indicates that on 8-7-85 on depot No. 321 and 323, only 760 and 580 bottles were delivered respectively and the Cash Clerk, has deposited the Cash in Cash Receipt Section of DMS accordingly. He also did not supply the milk consignments as collected from the Central Dairy for distribution of the concerned route. The charged official has been given ample opportunity in respected preliminary Hearing on 17-6-86 and 10-7-86, 23-7-86, 4-8-86 and 13-8-86 but he deliberately evaded to acknowledge the documents on one reason or the other. He did not cooperate with the inquiry proceedings and deliberately adopted delaying tactics to fustrate the proceedings. The undersigned is fully convinced that Sh. Mohinder had nothing to say in his defence and thereby conceded the guilt.

The undersigned agrees with the findings of E.O. There are sufficient documentary evidence on records to establish the charge. He is, therefore, found guilty of the charge which is of a very serious nature. The undersigned is thus convinced that Shri Mohinder Singh, Mate on driving duty is not a fit person to be retained in Govt. service in the public interest keeping in view of the gravity of the offence/misconduct of serious nature.

NOW THEREFORE, the undersigned, in exercise of the powers vested in him under Rule 11 of the CCS(CC&A) Rules, 1965 for good and sufficient reasons imposes a penalty of RFMOVAL FROM SERVICE on Shri Mohinder Singh, Mate on driving duty with immediate effect.

BALDEV CHAND Dy. General Manager (Admn.) Disciplinary Authority Delhi Milk Scheme

Shri Mohinder Singh S/o Shri Lal Chand, Mate (on driving duty) Village & P.O. Bhawana Delhi-110039.

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 085, the 26th February 1987

No. DPS/2'1(29) 83-Admn'9517.—The Director Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Prabhakar Balkrishna Wadke a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-FB-75-3200-100-3500 in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 2, 1087 until further orders in the same Directorate.

No. DPS/2/1(29) /83-Admn./9528.—The Director Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Baliram Gopal Bane, a permanent Storekeeper to officiate as an Asstt. Stores Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 in the temporary capacity with effect from the forenoon of February 2, 1987 until further orders in the same Directorate.

#### The 3rd March 1987

No. DPS/41/3/85-Adm./9553. The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri, R. K. Sharma, an officiating Assistant Accounts Officer to officiate as an Accounts Officer-II on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 from 27-11-86 (FN) to 27-12-86 (AN) in the same Directorate vice Shri Shidlyali AO II granted leave.

B. G. KULKARNI Administrative Officer

### NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 25th February 1987

No. NFC/PAR/0703/501.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0703/03 dated 1-1-1987, the appointment of Shri C. R. Prabhakaran, Assistant Accountant as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 on ad hoc basis is extended up to 22-5-87 or until further orders, whichever is earlier.

GOPAL SINGH Manager, Personnel & Admn.

#### INDIRA GANDHI CENTRE FOR ATOMIC RESEARCH

Kalpakkam, the 2nd March 1987

No. IGCAR/A 32023/1/87-R/253.—The Director, Indira Gandhi Centre for Atomic Research is pleased to appoint Shri Joseph Dorairaj, a permanent Upper Division Clerk and an officiating Selection Grade Clerk of Indira Gandhi Centre for Atomic Research as Assistant Administrative Officer on ad hoc basis in the same Centre with effect from 02-03-87 (Forenoon) to 03-04-87 (Afternoon).

A. SUBRAMANIAN Administrative Officer

#### FOREST RESEARCH INSTITUTE & COLLEGES

Dehra Dun, the 3rd March 1987

No. 16/410/86-Ests-I.—On his attaining the age of superannuation Shri M. L. Dangwal, Assistant Registrar, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun retired from service with effect from the afternoon of 31-1-1987.

No. 16/455/86-Ests-1.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun has been pleased to appoint Shri P. L. Bali, Office Superintendent as Assistant Registrar in a temporary capacity with effect from the forenoon of 2-2-1987 until further orders.

J. N. SAXENA Registrar Forest Research Institute & Colleges

### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 27th February 1987

No. A-19012/1212/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Anand Prakash, Design Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-3200-100-3500/- for a period of one year or till the post is filled on

regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 28-8-86.

> M. R. SINGLE Under Secretary Central Water Commission

#### CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 4th March 1987

No. 3-762/87-CH(Estt).—Shri Surinder Kumar Juneja is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. (Group-B) (Gazetted) on the basic pay of Rs. 2000/- in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board, North Central Region with his Headquarters at State Unit Office, Raipur w.c.f. 17-12-1986 (AN) till further orders.

B. P. C. SINHA Chief Hydrogeologist & Member

#### CENTRAL RAILWAY

#### GENERAL MANAGER'S OFFICE

Bombay-400 001, the 2nd March 1987

No. HPB/GAZ/220/AC.—The following officers of the Accounts Department Central Railway are confirmed in Group 'B' as Assistant Accounts Officer from the date shown against each.

SI. Name No.	Date of confirma-		
		1. S/Shri	
		1. A.K. Vaidyanathan	18-8-80
2. L.R. Motwani	18-8-80		
3. S.W. Sule	18-8-80		
4. M.V. Bhalerao	18-8-80		
5. V.G. Araokar	18-8-80		
6. N. Sijnivasan	18-8-80		
7. K.C. Zachariah	18-8-80		
8. J.C. Sharma	18-8-80		
9. R.S. Sharma	18-8-80		
10, H.G. Chawla	18-8-80		
11. G.S. Shukla	18-8-80		
12. S.S. Raman	18-8-80		
13. N. Subramanian	18-8-80		
14. V.D. Ghatnekar	18-8-80		
15. C.M.S.K. Menon	18-8-80		
16. R. P. Mehru	18-8-80		
17. R. Venkateswaran	18-8-80		
18. C.J. Neglur	18-8-80		
19. A. Jairaj Jesudass	18-8-80		
20. G.T. Lalwani	18-8-80		
21. G.S. Ahluwalia	18-8-80		
22. G. Raja Ram	18-8-80		
23. V. Sunderasan	1-11-80		
24. N.G. Subramanian	1-7-81		
25. K. l. Joseph	1-12-82		
26. D.L. Deodhar	1-8-83		
27. K.S. Sriniwasan	1-9-83		
28. Y. Subba Rao	1-10-83		
29. V. S. Mahajan	1-12-83		
30. A. Subramanian	1-1-84		
31. M.G. Mahant	1-3-84		
32. S. R. Kuber	, 1-3-85		
33. P.D. Veeraswamy	1-12-85		
34. G.K. Iyer	1-12-85		
35. P.V. Krishnamurthy	1-12-85		

VUAYA SINGH General Manager

# MINISTRY OF INDUSTRY (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Huryana Virmani Textile Processors Limited

New Delhi, the 6th March 1987

No. H17321.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that

at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Haryana Virmani Textile Processors Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. K. JOLLY
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd February 1987

Ref. No. 3/Jun 86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

T. S. No. 7371 Damodara Reddy Street, situated at T. Nagar Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 887/86 on Jun. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri M. R. Ramaswamy and Others 27, Soundara Rajan Street, T. Nagar Madras-17.

(Transferor)

(2) M. Andal,7, South Dhandapani Street,T. Nagar Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at Damodara Reddy Street, T, Nagar Madras-17.

(T. Nagar Doc. No. 887/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 3-2-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIÁ

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1987

Ref. No. 4/June 86.—Whereas, I, A. R. REDDR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/~ and bearing
Land and Building at T. N. Nagar Madras-17 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 811/86 on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in iate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subconsideration for such transfer as agreed to between the persons, namely :-15-516GI/86

(1) Mrs. M. Susheela and Others, 38, Station Raod, Madras-33.

3 (Transferor)

(2) Mrs. A. Nitmala, 80, Kamdar Nagar, Madras-84.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at Block No. 142 T. S. No. 6673 T. Nagar Madras-17.

(T. Nagar Doc. No. 811/86)

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 2-2-1987

FOLM .... (1) Sir K M Parameswaran,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (13 OL 1991)

(1) Sick M Parameswaran, Rutcheri Road, Mylapore Madras-4.

(Transferor)

2) P. Bagyalakshmi, 1, 2nd Main Road Math 528.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS 600 006

Madias-600 006, the 3rd February 1967

Ref. No. 6/June. 86—Whereas, I, A R RIDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to its the 'said Act'), have reason to believe that the immove able property having a fau market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 59, Sullivants Carden Road Midro, 's and display to has been transferred under the Schedule annex different to 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. 863/86 on Jim 1986 for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as exceed to between the parties has not been truly stock in the said instrument of transfer with the object of in

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of constraints and set of Act, I he obstinitiate place dairs in the constraint of the aforesaid placety by the issue of the interpolation of the section (1) of Section 269D of the lides to the following persons namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at No. 59 Sullivan Garden Road, Modras 4.

(Mylapore Doc No. 863/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006 the 3rd February 1987

Ref No 9/June 86—Whereas, I, A R RIDD's, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/and bearing No 54, Cathedral Road, Teynampet situated at '11dic 86 (and more fully described in the Schedule annexed acreto) has been transferred under the Registration Act 1905 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Madgas North Doc No 1972/86 on June 1986 for an apparent consideration which is less that he fair market value of the gree to a foresaid exceeds the apparent consideration that it is more than fifteen per cent of such a parent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be to ween the parties has not been truly stated in the said institument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income  $c_1$  and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaul property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(i) Sit Vecrasiary G N i and otreis of Cithe of Road . Animpet, Madris 86

(Transferor)

(2) M<sub>1</sub>s A Michael and 6 others 15 Larkes m St. et 2 N ger Midris 17

(Transferee)

- Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any oder person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ivitation. -Tr. terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

### THE SCHFDULL

1 me and Building at No. 54 Cathedral Road, Teynampet Madr. 86

(Made is North Doc No 1972/86)

A R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date 3 2 1987

(eal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1987

Ref. No. 10/June 86.—Whereas, I. A. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 9, Kottur Village Madras situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Adayar Doc. No. 1798/86 on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269© of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri M. Suryanarayanan, 13/2-II Main Road, K. B. Nagar, Adayar, Madras-20.

(Transferec)

Sri C. Natesan,
 Soundarapandian Street,
 Ashok Nagar, Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

Land at No 9, Kottur Village Madras. (Adayar Doc. No. 1798/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 2-2-1987

Scal:

1.

#### FORM ITNS---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

# SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1987

Ref. No. 11/June 86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

41 & 42 I Main Read, Gandhi Nagar situated at Adyar Madras-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Adayar Doc. No. 1855/86 on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration pend that the

said exceeds the apparent consideration therefor by more than inference cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—

Smt. K. Rukmani & Others
 II Main Road,
 Bakthavathsalam Nagar,
 Adyar, Madras-20.

(Transferor)

Mr. P. G. Venugopal,
 Venkatakrishna Iyer Road,
 Mandavalli, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at D. Nos. 41 & 42 Ist Main Road, Gandhi Nagar, Adyar Madras-20.

(Adayar Doc. No. 1855/86)

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madray-600 006

Date: 2-2-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 2nd February 1987

Rof. No. 14/June 86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

7. I Street, Nandenam Extension situated at Madras-35 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central Doc No. 756/86 on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuasce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri P. N. Viswanathan,
7, first street Nandanam extension Madras-35. (Transferor)

(2) Mr. Vinayak Sharma and another 109, Defence Colony, Madras-92.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building at No. 7, First Street, Nandanam extension Madras-35 (Madras Central Doc. No. 756/86)

> A. R REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date . 2-2-1987

with the object of :--

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR)
31. G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 3rd February 1987

Ref. No. 15/June 86.—A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair moreful to the second to be seen that the immovable property having a fair moreful to the second to be seen that the immovable property having a fair moreful to the second to be seen to the second to be seen that the immovable property having a fair moreful to the second to the property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
18, Subba Rao Avenue I Str. Street, situated at Nungambak-

kam Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 282/86 on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Sri Y. Jagannatham, 18, Subba Rao Avenue I St, Nungambakkam Madras-34,

(Transferor)

(2) M/s. Balaji Distilleries, P. Ltd, Bangalore Bye-Pass Road, Poonamallee, Madras-56.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective per-sons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building at No. 18, Subba Rao Avenue 1st Street, Nungambakkam Madras-34.

> A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :-

Date: 3-2-87

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
"SIVASAKTHI BUILDING" (II FLOOR)
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR, MADRAS-17

Madras, the 3rd February 1987

Ref. No. 5/June 86.—Whereas, I A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

31, Dr. Rangachari Road, Mylapore situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), he sheep transferred under the Registration Act. 1908 (16 of ha sbeen transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office, at Mylapore Doc. No. 801/66 on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. N. Lakshmi, 31, Dr. Rangachari Road, Mylapore, Madras-4.

(Transferor),

(2) S. Harikrishna Nadar, 38, Muktharunnissa Begum Street, Ellis Road, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building at No. 31, Dr. Rangachari Road, Mylapore Madras-4.

Mylapore Doc. No. 801/86.

A. R. REDDY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-2-87

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq. II/SR-III/6-86/10.-Whereas I, ASHOK KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. C-70 N.D.S.E. Part II, New Delhi situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Smt. Santosh Kumuri Bahrl w/o Shri N. C. Bahii r/o C-70 N.D.S. II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri R. K. Anand s/o Shri R. L. Anand r/o 2E/8 Jhandewalan Extn., New Link Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. C-70 measuring 398 sq. vds. N.D.S.E. II, New Delhi, freehold built up.

> ASHOK KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -16-516GI/86

Date: 10-2-87

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-III/6-86/20,—Whereas I, ASHOK KUMAŔ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that 'the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. K-9, N.D.S.E. Part I, New Delhi situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said At 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice and respection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Hari Chand Gupta s/o L. Ranjit Singh r/o 13/2, Ray Street Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Yash Pal Arora and Darshan Kumar Arora sons of late Sita Ram Arora 1/0 E-193 Krishna Market, Lajpat Nagar-1, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION S-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. K-9, measuring 400 Sq. Yds. N.D.S.E. I, New Delhi. Freehold.

> ASHOK KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date : 10-2-87

Scal:

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INOCME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq II/SR-III/6-86/21.—Whereas I, ASHOK KUMAR,

ASHOR RUMAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. R-9 N.D.S.E. Part 11, New Delhi situated at New Delhi

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on June, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in ect of any income arising from the transfer;
- (b, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-Jaz Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Swiaj Nibber w/o late Sh. Harcharan Singh Nibber and 5/Shri Anil Nibber, Arun Nibber and Atul Nibber sons of Harcharan Singh Nibber, r/o 121/15A Chandigarh,

(Transferor)

(2) Shri Anil Dhingra s/o Shri S. N. Dhingra and Mrs. Anjana Oberoi w/o Kaval Nain Oberoi residents of B-45, N.D.S.E. Part II, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the

#### THE SCHEDULE

Plot No. R-9, measuring 260.7 Sq. yds. with one small room and garrage N.D.S.E. Part II, New Delhi. Freehold.

ASHOK KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date: 10-2-87

Soal :

Ŗ

#### FORM ITNS

(1) M/s. Kailash Nath & Associates 18 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INOCME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. B. K. Mehra HUF and Mr. R. K. Mehra, Alpna 5th floor, flat No. 11, 60 Peddar Road, Bombay.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/37-EE/6-86|32A.—Whereus, I, ASHOK KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Pratap Bhawan Bahadur Shah Zaffar Marg, New Delhi situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of any income arising from the transfer; respect and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office space admeasuring 550 sq. ft. on the first floor in Pratap Bhawan, additional area to be constructed 5, Bhadur Shah Zaffar Marg, New Delhi-110002. Leashold.

ASHOK KUMAR

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Delhl/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-2-87

....

(1) M/s. Kailash Nath & Associates, 18 Barakhamba Road, New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vishwanath, 5 Requet Court Road, Civil Lines, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq-II/37-EE/6-86/32B.—Whereas I, ASHOK KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Space on the first floor in Pratap Bhawan situated at 5, Bhadur Shah Zaffar Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Office, at New Delhi on June, 1986 for apparent consideration which is less than the fair market value of the property

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Office Space on the first floor, admeasuring 550 sq. ft. approx. in Pratap Bhawan, additional space to be constructed 5 Bhadur Shah Zaffar Marg, New Delhi-110002. Lease-hold.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ASHOK KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assisstant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range If
Delhl/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 10-2'-87

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/6-86/32.—Whereas, I, ASHOK KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 14-B, Sagai Apartments, situated at 6, Tilak Marg,
New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I. T. Act 1961 and registered in the office of the I.A.C. Acq Range-II at New Delhi on June, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  M/s. Gaprice Films Enterprises Pvt. Ltd., 34-B Smt. Nargis Dutt Road, Pali Hill Bandra, Bombay-400 000.

(Transferor)

(2) M/s. G. Sagar Suri & Sons (H.U.F.),
14-C. Sagar Apartments,
6, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 14-B Sagar Apartments, 6 Tilak Marg, New Delhi 1965 Sq. Ft. Lease-hold.

ASHOK KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhl/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-2-87

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/6-86/33.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. B-45, Maharani Bagh situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act, 1961 & registered in the Office of the IAC Acquisition Range-II at New Delhi

the Office of the IAC. Acquisition Range-II at New Delhi in June, 1986

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, theretere, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Sukhvinder Singh Dhingra R/o A/2, Kalindi Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Meera Goyal for and on behalf of Peacock Chemicals Pvt. Ltd. 8/7, Industrial Area Site IV, Sabibabab, Ghaziabad, U.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. B-45, Maharani Bagh Cooperative. House Building Society Limited, New Delhi measuring 966 sq yds. Lease hold.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 10/2/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AĞGARWAL HOUSE 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/6-86/35.—Whereas, I. ASHOK KACKÉR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Grandley Cinema Complex at Community Centre,

situated at New Friends Colony New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act, 1961 & registered in the Office of the IAC. Acquisition Range-II at New Delhi in June, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue o fthis notice under subpersons, namely :---

(1) Mr. Chaman Lal Batra, Sole Proprietor, Grandlay Electricals (India) Cinema, Grandlay Cinema, Community Centre, New Friends Colony New Delhi-110065. (Transferor)

(2) Alcatel India Pvt. Ltd. 908 Annal Bhawan, Kasturba Gandhi Marg. New Delhi-110001,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Commercial floor space on 1st, 2nd and 3rd floors of Grandlay Cinema Complex at Community Centre, Colony, New Delhi-110065, Leaschold. 7,499 sq. ft.

> ASHOK KACKER Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 10/2/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/6-86/36.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. E-39, Kalindi Colony New Delhi situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act, 1961 & registered in the Office of the IAC. Acquisition Range-II at New Delhi in June 1986

In June, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
17—516GI/86

 Shri Suresh Aggarwal and Smt. Snesh Aggarwal, R/o 678/1, Bimla Bhawan, Kabool Nagar Shasadara, Delhi-110032.
 (Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Modi, Shri A. K. Modi, Smt. Sangeeta Modi, Shri P. K. Modi and Smt. Nandini Modi all r/o the Modi Oil & General Mills, Railway Road, Mandi Govindgarh, Punjab.

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant Plot measuring 418 sq. yds. No. E-39 Kalindi

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 10/2/1987

#### FORM ITNS ---

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN1 COMMISSIONER OF INCOME-TAX

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NFW DEI HI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq II/37EE/6-86|37—Whereas, I,

K. C. SHAH, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

C/5, Maharani Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act, 1961 & registered in the Office of the IAC Acquisition Range-II at New Delhi in June. 1986

in June, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weahh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Mrs. Sarojim Lakhmanan, C/o Mrs S Katre, C/6, Mahatani Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Nitmala Jain, C/5, Mahatani Bagh, New Delhi.

(Fransferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

C/5, Maharani Bagh, New Delhi, Leasehold, Approx. 2500 sq. ft.

> ASHOK KACKER Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 10/2/1987

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Kailash Nath & Associates, 18, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

M/s. Seth Brothers,
 C/o Mr. Chand Seth .
 Rohit House, Tolstoy Marg,
 New Delhi,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DEDHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/6-86|37A.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Space on the 1st floor in Pratup Bhawan, situated at 5. Bhadur Shah Zaffer Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 registered in the Office of the I.A.C. Acq. Range-II New Delhi on June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a agreed the seld.

between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immiovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Office Space admeasuring 550 sq. ft. approx on the first floor in Pratap Bhawan, additional space to be constructed 5 Bhadur Shah Zaffar Marg, New Delhi Leasehold.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-1-1987

cal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### UFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DEDHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR.III/6-86/17.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

ASHOR KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-59 situated at Greater Kailash-II New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

in June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Amarjit Singh Johar & Co. C-139, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. B. K. Sood, S-59, Greater Knilash II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

First floor only of building No. S-59, Greater Kailash-II, New Dolhi.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 10/2/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DEDHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37G/6-86/20.—Whereas, I,

Ref. No. IAC/Acq.VII/37G/6-86/20.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. N-93, situated at Greater Kallash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

1908) in the office of the registering Officer at on June, 1986

on June, 1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iocme-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Sh. Gurmukh Singh Bakshi, S/o Late Sh. Bakshi Harnam Singh, N-93, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Raj Kumar Arora, S/o Late Sh. Hakim Rai Arora,

2. Mrs. Savita Atora,

W/o Sh. Raj Kumar Arora,
3. Sh. Rakesh Arora
S/o Sh. Raj Kumar Arora,
r/o 7-B, Pusha Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a eriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in N-93 Greater Kailash-I, New Delhi alongwith ground floor portion.

> ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
> Aggarwal House
> 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 10/2/1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37G/6-86/24.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. A-84 situated at East of Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16, of 1908) in the office of the registering Officer at Delhi in June, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Rajinder Singh Chandok
S/o Late S. Sardar Singh,
C/o S. P. Partap Singh Dhall
r/o A-74, East of Kailash, New Delhi.
(Transferor)

Sh. Sumer Mal,
 S/o Sh. Misri Mal,
 Sh. Nar Singh Mal
 S/o Sh. Misri Mal
 1/4223, Ansarl Road, Darya Ganj,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property bearing No. 84 in Block A, measuring 404 sq-yards in the layout plan of East of Kailash, residential scheme, New Delhi.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 10/2/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq VII/37G/6-86/13.—Whereas. I.

Ref. No. IAC/Acq VII/37G/6-86/13.—Whereas, I. V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
M-167 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Pacietarstion Act. 1908 (16

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June 1986

on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heretore, in pursuance of Section 2000 or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) M/s Rajni Trading Co. P. Ltd., 303, Community Centre, East of Kailash, New Delhi through Director Sobraj Chug. 2. Apex Construction P. Ltd. New Delhi through Director A. V. Vaid. (Transferor)
- (2) Shri Gurdayal Prasad Asthana, s/o late Shri Raghunath Prasad Asthana, r/o S-307, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning a- given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. S-1, (equivelent to 64 sq. yds).
Portion of property No. M-167 measuring 400 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII, Aggarwal House 1/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Dated: 2-2-1987

# FORM 1.T.N,S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq VII/37G/6-86/22,---Whereas, I,

V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. E-263 situated at Greater Kuilash-I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi

on June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Chander Mohini Nigam, w/o Dr. Indeshwar Nigam, r/o E-263, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Meenu Chawla w/o Sh. Sudhir Chawla r/o 2 UB Jawahar Nagar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days' from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. E-263, measuring 215 sq. yds. Greater Kallash-I, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 2-2-87

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq VII/SR-III/6-86/28.-Whereas, I,

Ref. No. IAC/Acq VII/SR-III/6-86/28.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-59, Okhla Industrial situated at area phase-II, New Delhi and more tully described in the Schedule annexed bareto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ternsfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) M/s Ganesh Stone Crushing Co. through its partners Bhagwan Dass Kalra r/o p. 54. Kalkaji, New Delhi and G. R. Gupta r/o J-143, Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Indo Asian Circuit Breakers Pvt. Ltd. through its Director Bhagwan Dass Kalra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expression used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a- given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Property No. A-59, measuring 1015.3 sq. yds. Okhla Industrial Area Phase-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax
Acquisition Range-VII,
Aggarwal House
1/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi Competent Authority

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 18-516GI/86

Date: 2-2-87

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 4961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq VII/37G/6-86/21.—Whereas, I, Y. K. MANGOTRA.

y. R. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E-190 situated at Greater Kailash-I, New Delhi and more fully described in the Scholard and the Sch

E-190 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) G. S. Johar

s/o Sh. A.S. Johar

r/o C-170, Greater Kailash-I,

New Delhi,

(Transferor)

(2) G. N. Kathpalia, s/o| Sh. K. N. Kathpalia r/o B-28, Sarvodya Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquision of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a- given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ground floor of property No. E-190 Greater Kailash-I, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-VII,
Aggarwal House
1/14-A, Asaf Ali Road.
New Delhi

Date: 2-2-87 Seal:

#### FORM ITNS————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq VII/SR-III/6-86/23.—Wheleas, 1, V. K. MANGOTRA,

V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing B-12B situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the tegistering Officer at

of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealent of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thhe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) S. Ranbir Singh R-128, Greater Kailash-I, New Delhi.

(2) Mrs. Veena Gugnani,w/o K. L. Gugnani38D, DDA Flats Masjid Moth, New Delhi.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov. B able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of Ground floor of R. 128 Greater Kailash-I, New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A,Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 2-2-87 Seal:

#### FORM I.T.N.S .-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq VII/37G/6-86/26.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing E-9 situated at Kalkaji, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Motia Dhawan, w/o Late Sh. Atma Ram Dhawan r/o G-118, Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Ranj w/o Sh. Krishan Lal 2. Sh. Suresh Kumar 3. Sh. Shyam Lal r/o E-9, Kalkaji, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

E-9, measuring 273 sq. yds. situated at Kalkaji, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A,Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 2-2-87

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq. VII/37G/6-86|16.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the important of the contraction o

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing E-438, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June 1986

Delhi on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:—

(1) Aditya Pandit s/o Sh. C. S. Pandit r/o F. 32, Green Park New Delhi.

(Transferor)

(2) Lajpal Sungh Anand n/o Late S. Sujan Singh r/o 344-L Model Town, Yamuna Nagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. Ground floor and basement of property No. E-438, measuring 250 sq. yds. Greater Kallash-II, New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII
> Aggarwal House 4/14-A,Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 2-2:87

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ret. No. IAC/Acq VII/37G/6-86/25.—Whereas, 1, V. K. MANGOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 16 situated at Sni Fort Road, Masjid Moth, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Delhi on June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957))

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Jaswant Kaur Kohli, w/o Late S. Asa Singh, r/o 4/5-A, Katra Atma Ram, Bara Hindu Rao, Delhi.

(Transferor)

(2) Batra & Associates, through their partner Sh. Bhajan Singh s/o late Sh. Gulab Singh r/o S-56, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE .

Plot No. 16, Siri Fort Road Masjid Moth. New Delhi. Measuring 400 sq. yds.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A,Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 2-2-87

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/6-86/18.— Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S-154 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering officer at IAC Acq. New Delhi in June, 1986

New Deim in June, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Khurana Builders through its partner
 Sh. Gurvinder Singh Khurana
 S/o Sh. Avtar Singh Khurana
 R/o E-21-A,
 East- of Kailash,
 New Delhi.

(Transferor)

Sh. Rajendra Kumar Bader - S/o Late Shri Mulchand Bader
 Smt. Prit Bader - W/o Rajendra Kumar Bader
 Sh. Avni Bader - S/o Sh. Prakash Chand Bader R/o Mercentile Building, Tejpur, Assam,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days rfom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing No. S-154, situated in Greater Kailash-II. New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range-VII
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 2-2-1987

Seal .

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37G/6-86|15.—
Whereas, I, V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
L-497 situated at Greater Kailesh-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 registered in
the Office of the I.A.C. Acq Range-II New Delhi
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesald property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesald
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Suresh Chandra Verma B-18, Greater Kailash-IL New Delhi.

(2) Mohan Sons 52/42, Punjabi Bagh, Delhi. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No 497 in Block No. E. Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII,
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 2-2-1987

### FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INTOLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37G/6-86/14.— Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-188, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred in the Office of the Register Officer at

New Delhi on June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of ;---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest d property by the i-sue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

19—516GI/86

(1) Mrs. Nirupama Jain W/o Mr. Ashok Jain R/o E-207, G. K.-II, New Delhi. through General Attorney Mr. Ashok Jain

(Transferor)

(2) Mrs. Alka Anand W/o Mr. A. S. Anand R/o C-37, Inderpuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

H. No. 188 situated in Block 'S' (first floor) constructed on a piece of land measuring 300 sq. yds. Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi-1

Date: 2-2-1987

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI ,

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37G/6-86/247.— Whereas, I, V, K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 123 Block 48 situated at Chanakyapuri, New

Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Register Officer at Delhi on June, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of 'lansfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sh. Prem Prakash Bhatnagar R/o A-260, Pandara Road

New Delhi.
2. Dr. Daya Parkash
R/o C-131, Sec. A.
Mahanagar,
Lucknow.

 Sh. Satya Prakash Bhatnagar R/o J/5, A.O.T. Qr. (home Guards Col.) Meerut Cantonment.

(Transferor)

(2) Smt. Urmilla Devi ex-Maharani of Nabha W/o Sh. Partap Singh, ex-Maharaja of Nabha, R/o 6, Panch Sheel Marg, Chankyapuri, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period appires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 123 Block No. 48, Chanakyapuri, New Delhi now No. 138, Malcha Marg, Chanakyapuri, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf All Road
New Delhi-1

Date: 2-2-1987

with the object of :-

#### FORM ITNS--

\* NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February-1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37G/6-86/19.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot S-360, Greater Kailash-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer Delhi on June, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Shashi Gopal R/o S-142, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Sehgal Promotors & Builders P. Ltd. D-289, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCH., DULE

Plot S-360, Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII,
Aggarwal House
4/14-A, Asaf All Road
New Delhi-1

Date: 2-2-1987 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Savitri Malhotra G-6, Kajlash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri M. R. Manchanda 2. Smt. Raj Bani Manchanda C/o 79, Palika Bazar, Connaught Place, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February-1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/SR-III/6-86/27.—
Whereas, I, V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
C-6 situated at Kailash Colony, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 and registered
in the Offlice of the IAC, Acq. Range-II at
Delhi on June, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCH.. DULE

House No. 6 in block 'G' in Kailash Colony, New Delhi. Built in 529.7 sq. yds.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi-1

Date: 2-2-1987

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/6-86.—
Whereas, I, V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herema ter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
S-133, situated at Greatet Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the Registering Officer
at IAC, Acq. New Delhi in June 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
considera ion for such transfer as agreed to b tween the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Captain Construction Co. through partners, Sh. Mohanjit Singh & Inderjit Singh both R/o S/285, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

Smt. Sudha Ramchandani
 W/o Sh. Daulat Hiranand Ramchandani
 Sh. Daulat Hiranand Ramchandani
 S/o Hiranand Kishan Chand Ramchandani
 R/o F-37, N.D.S E.-I.
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Entire first floor of property No. S-133, Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf All Road
New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 2-2-1987

 M/s. Sterling Apartments P. Ltd. 1205, New Delhi House, 27, Barakhamba Road; New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) Tata Iron & Steel, Co. Ltd. 24, Homi Mody Street, Fort, Bombay.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37FE/6-86.—
Whereas, I, V. K. MANGOTRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
B-223 situated at Gieate, Kailash-I, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred in the Office of the Register Officer at
IAC, Acq. New Delhi in June 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any means or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires 'ster
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION . The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One independent flat on 1st floor of 2½ storeyed residential building No. 223, Block B, measuring 300 sq. yds. Greater Kallash-I, New Delhi.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi-1

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-2-1987

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq,VII/37EE/6-86.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-4 situated at 43-Prithvi Raj Road New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the registering Officer at IAC Acq. New Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such 'ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri Anil Vasudeva
 2. Shri Sunil Vasudeva
 3. Shri Rajeev Vasudeva
 4. Smt. Sita Vasudeva
 R/o 43, Prithvi Raj Road,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Sunshine Travel & Tours P. Ltd. 301, Hill Queen Pali Mala Road, Bandra, Bombay

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Dwelling Unit No. 4 in Block 'A' at 43-Prithvi Raj Road, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Insecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi-I.

Date: 2-2-1987

### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/AcqVII/377EE/6-86.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. D.47 stugged at East of Kailash New Delhi

No. D-47 situated at East of Kailash, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Office at IAC Acq., New Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Shri P. N. Deogun Shri S. N. Deogun Shri H. N. Deogun Shri R. N. Deogun 3. 4. 5. Mrs. G. Bali R/o I-3, Maharani Bagh, New Delhi

(Transferor)

(2) 1. Shri Ashok Dhawan 2. Shri Nayin Kumar Dhawan E-11, East of Kailash, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid, persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetie or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

D-47, East of Kailash, New Delhi.

V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissionir of Income-tax Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 2-2-1987 Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Mrs. Sneh Dutt S-148, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Ashwini Kumar C-754, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/6-86.—Whereas, I, V. K. MANGOTRA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 '(43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-148 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC Acq, New Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Ground floor flat of S-148 Greater Kailash-II, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inpecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Assaf Ali Road
New Delbi

Date: 2-2-1987

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/6-86,—Whereas, I, V. K. MANGOTRA

v. R. MANGUIKA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 13-Tolstoy Marg, New Delhi sittlated at New Dalbi

No. 13-Tolstoy Marg, New Delm situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. New Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shri Brijinder Singh Dugal B-15, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferor

(2) M/s. Panipat Properties P. Ltd. 17, Community Centre (basement) Mathura Road, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, v nichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Flat No. 1005 measuring 696 sq. ft. on the 10th floor in the multistoreyed building at 13, Tolstoy Marg, New Delhi.

> V. K. MANGOTRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-VII Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 2-2-1987 Scal:

### FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-VII AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI RIAD NEW DELHI

New Delhi, the 2nd February 1987

Ref. No. IAC/Acq.VII/37EE/6-86—Whereas, I, V. K. MANGOTRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-11, Defence Colony, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Office of the Registering Officer at IAC Acq, New Delhi in June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

andjor;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income raising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-bax Act, 1957 (27 of 1957);

Name, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Col. R. D. Advani 257/271, Sind Coop. Hsg. Soc. Road No. 27 Audh, Pune,

(Transferor)

 1. Smt. Gurjeet Kaur W/o Shri Iqbal Singh
 2. Shri Iqbal Singh S/o Shri Kesar Singh C-11, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned in

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-11, Defence Colony, New Delhi.

V. K. MANGOTRA
Competent Authority
Inpecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-VII
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 2-2-1987 -

Scal:

(1) Vaishali Development Corporation.

(Transferor)

(2) Dhabalia Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1987

Ref. No. AR.IV/37EE/30419/85-86.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'seid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. OP 135, FP. 239, 240 & TPS III, 51st Road, Borivali (West), Bombay-400 092 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Village Eksar, Taluka Borivli Bombay Suburban District and in the Registration District and Sub-Disban District and in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban bearing a portion of Survey No. 20 Hissa No. 10 of Village Eksar and bearing Original Plot No. 135 of TPS. III Borivil (Draft) and bearing—

- (i) Final Plot No. 239 of T.P.S. III Borivli (Draft) and admeasuring about 2082.20 square metres or thereabout and bearing C.T.S. No. 524 (Part) and
- (ii) Final Plot No. 240 of of T.P.S. III Boryli (Draft)
   and admeasuring about 634.50 square metres and bearing C.T.S. No. 524 (Part).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR:IV/37EE/30419/85-86 on 1-6-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissiontr of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-2-1987

### FORM TINE

(1) Shri H. S. Chogle & Others

(Transferor)

(2) Vaishali Development Corporation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1987

Ref. No. AR.IV/37EE/30418/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) 'hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. OP. 135, F.P. 162-163-239-240 TPS III, 51 Road, Borivali (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule appeared here(a)) (and more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid sourced that the lan maket value of the property as afforeshed specied the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer Aud/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nocice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following tersons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) 'y any other person interested in the said immov-...ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situated lying and being at Village Eksar, Taluka Borivli, Bombay Suband being at Village Eksar, Ialuka Borivii, Bombay Subbulban District in the Registration District and Sub-District
of Bombay City and Bombay Suburban bearing Original
Plot No. 135 and bearing—

(i) Final Plot No. 162 of TPS III (Borivii (West)
admeasuring about 1846 sq. metres.

(ii) Final Plot No. 163 of T.P.S. III Borivii (West)

(ii) Final Plot No. 163 of T.P.S. III Borivii (West) admeasuring about 1300 sq. metres.
(iii) Final Plot No. 239 of TPS III Borivii (West) admeasuring about 2082.00 sq. metres, and
(iv) Final Plot No. 240 of TPS III Borivii (West) admeasuring about 634.50 sq. metres.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.IV/37EE/30418/85-86 on 1-6-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissiontr of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-2-1987

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1987

Ref. No. AR.IV/37EE/30134/85-86.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable that the immovable specific rearket value exceeding Rs. 1.00,000/property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

All those pieces or parcel of land or ground situate lying and being at Dahisar in the Registration District & Sub District of Bombay City and Bombay Suburban and bearing S. No.5, H. No. 11, & admeasuring 5898.75 sq. yds or thereabouts and bearing S. No. 6, H. No. 17 and admeasuring 998.25 sq. yds or thereabout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (1) Rajnarayan R. Singh.
  - (Transferor) (2) M/s. Build Well Construction Co. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All those pieces or parcel of land or ground situate lying and being at Dahisar in the Registration District of Bombay City and Bombay Suburban and bearing Survey No. 5, Hissa No. 11 and admeasuring 5898.75 sq. yds or thereabouts and bearing Survey No. 6, Hissa No. 17 admeasuring 998 25 sq. yards or thereabouts.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.IV/37EE/30134/85-86 on 1-6-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissiontr of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1987

### FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### COVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1987

Ref. ARIV/37EE/30386/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

as the said Act), have reason to believe that the liminovable property having a falr market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.

Balance FSI of Approximate 4000 to 6000 Sq. ft. as per actual BMC, approval property situated at S, No. 48, H. No. 13-B, S, No. 50, H. No. 6/2-A (Pt.) CTS No. 1063 & 1066 Martha Colony Road Dahiser (E), Bombay 400 068.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority Bombay on 1st June 1986

for an apparent consideration which is less than the fur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Seth Industries Ltd.
Prop. of Simplex Woolen Mills.

(Transferor)

(2) Universal Builders & Developers.

(Transferee)

Objections, if any, to the nequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovale property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Balance FSI of approximate 4000 to 6000 sq. ft. as per actual B.M.C. approval, property situated at Survey No. 48, Hissa No. 1/3-B, Survey No. 50, Hissa No. 6/2-A (Part) CTS No. 1063 & 1066, Man ha Colony Road, Dahlsar (E), Bombay-400 068.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV/37EE/30368/85-86 on 1st June 1986,

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1987

Ref. No. ARIV/37FE/30446/85-86,--Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

All that piece or parcel of land or ground of tenure with

All that piece or parcel of land or ground of tenure with messuages, tenements or dwellinv houses, standing thereon situate lying and being on the Eastern side of Swami Vivekanand Road, at Magathane Village, Borivli West, in the Registration Sub-District of Bundra Bombay Suburban District, containing by admeasurement 2 Acres i.e. 9680 sq. yards i.e. 8851.4 square Meters or thereabouts and registered in the books of the Collector of Land Revenue under Survey No. 160 and S. No. 1 Hissa No. 2 City Survey No. 47 & 47 (1 to 12) and in the books of the Assessor Collector of Municipal Rates and Taxes under Ward No. R. situated at Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-6-1986

for an apparent co-sideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the same respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri A. G. Bhatia & Others.

(Transferor)

(2) Shri Sagar Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a- given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground of tenure with messuages, tenements or dwelliny houses, standing thereon situate lying and being on the Eastern side of Swami Vivekanand Road, at Magathane Village, Borivli West, in the Registration Sub-District of Bondra, Bombay Suburban District, containing by admeasurement 2 Acres i.e. 9680 sq. yards i.e. 8851.4 square Meters or thereabouts and registered in the books of the Collector of Land Revenue under Survey No. 160 and S. No. 1 Hissa No. 2 (it) Survey No. 47 & 47 (1 to 12) and in the books of the Assessor Collector of Municipal Rates and Taxes under Ward No. R

and Taxes under Ward No. R

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/30446/85-86 on

1-6-1986.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1987

### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1987

Ref. No. ARIV/37EE/30135/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Construction of Development of 4 undivided wings to construct 60,000 sq. ft. (including 10% area to be reserved for Government nominees) on the plece or parcel of land situate at Village Eksar, Borivli (W), bearing following Survey Nos., Hissa Nos. C.T.S. Nos.

As per Schedule situated at Bombay

has been transferred and the agreement is registered under Bombay on 1st June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—516GI/86

(1) Mrs. P. Vrinda Shivling,

(Transferor)

(2) M's Suryamukhi Properties Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Construction of Development of 4 undivided wings to construct 60,000 sq. ft. (including 10% area to be reserved for Government nominees) on the piece or parcel of land situate at Village Eksar, Botivli (W), bearing following Survey Nos., Hissa Nos. C.T.S. Nos.

S.NO.	Hissa No.	C.T,S.Nos.
119	4(pt)	103
120	2/1	896
120	2/2	898 & 900
120	2/4	901
120	2/5	<b>1</b> 902
120	7	892, 893 & 894
120	1 (pt.)	628, 629 & 638
120	3	897
120	4	909, 910, 911 & 637
120	6(pt.)	895 & 894

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/30135/85-86 on 1st June 1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1987

Real ;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th February 1987

Ref. No. ARIV/37EE/30405/85-86.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land together with the incomplete Construction standing thereon at C.f.S. 330 Plot No. 28, Kandivli (West), Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

situated at Bombay Bombay on 1st June 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 11 of 1922) of the said Act. or the wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said Act, to the following persons, namely !— (1) M/s M. J. Builders.

(Transferor)

(2) Mr. R. S. Payyade Managing Director of Payyade International Hotels Pvt. Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground being Plot No. 28 situate lying and being Near Kandivli Railway Station In Greater Bombay in the Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasuring according to City Survey about 724 (Seven Hundred and twenty four square metres) exclusive of area admeasuring 102.1 sq. metres acquired for widening the road be the same more or less partly within the boundaries of the Village poisar being part of Survey No. 88 Hissa No. 1 and partly within the boundaries of Village Malad being part of Survey No. 66 Plot No. 1.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/30405/85-86 on 1-6-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1987

PART III-SEC 11

FORM LT.N.S.-

(1) Devraj Mohanraj Shah.

(Transferor)

(2) Mohanraj Co.op Housing Society Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV HOMBAY

Bombay, the 12th February 1987

Ref. No. AR.IV/3EG/136/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. AR. IV/3EG/136/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'same Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing
No. Survey No. 53, 56, 57, New Survey No. 78,
tat Kandivli Village 1281 Sq. yards with Building,
situated at Kandvli,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transefrred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 19-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the carties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-970/75 and registered on 19-6-1986 with the Sub-Registrar, Bombay.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-2-1987.

Scal:

(1) Mr. Rajinder Mohan Mehta

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mr. Rajiv Shautilal Modi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I DOMBAY

Bombay, the 4th February 1987

No. AR-I/37EE/11798/85-86.--Wheretas, I. NISAR AHMED.

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), nave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 48, New Sagar Tarang Co-operative Society, Dr. Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026, squared at Rombay

stuated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the sale is registered under Section 269AB of theIncome-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authorit at

Bombay on 3-6-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of '30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

, yplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 48, New Sagar Tarang Co.op. Socty., Dr. Bhula-

bhai Desai Road, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10451/85-86 on 3-6-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rangel, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I believe untiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-2-1987 Seal:

(1) M/s Shalini V. Abhayankar.

(Transferor)

(2) M/s Ashok M. Mukhi & Mr. Murlidhar R. Mukhi.

(Tra nsferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 4th February 1987

No. AR-I/37EE/11856/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 204, Rajneelam Blg., Warden Road, Dr. Rajabah Fatel Lane. Bombay-400 026,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 16-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- .(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said intimovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 204, Rajneelum Bldg., Warden Road, Dr. Rajnbali Patel Lane, Bombay-400 026.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No AR-L/37EF/10471/85-86 on 16-6-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rangel, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-2-1987

Scal:

(1) Shri Avinash Shridhar Vaidya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tushar Dinkarlal Kothari.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I - BOMBAY

Bombav, the 4th February 1987

No. AR-I/37EE/11829/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 11, A, Atlas Apts., Narayan Dabholkar Road.

Bombay-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 11A, Atlas Apts., Narayan Dabholkar Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I 37EE/10426/85-86 on 2-6-1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :-

Date: 4-2-1987

Scal:

CLAM HINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1987

Ref. No. AR.-I1/37EE/11704/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 53, 5th Floor, Briji Kutir, 68A, Rungta Lane, L. J. Jagmohandas Marg, Nepean Sea Road, Bombay-6 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under sec 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2/6/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Indukumar N. Doshi & Smt. Saroj Indukumar Doshi.

(Transferor)

(2) Shri Pravinkumar Pragji Thakkar & Mrs. Rasila P. Thakkar.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

(4) NIL.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- · (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 53, 5th Floor, Briji Kutir, 68A Rungta Lane, L. I. Jagmohandas Marg, Nepean Sea Road, Bombay-400 006. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10422/85-86 on 2/6/1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 4-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1987

Rcf. No. AR-I/37EE/11835/85-86,—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 501/B, Block, Simla House, Hyderabad Estate, Nepcan Sea Road, Bombay-400 036 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1986

for an apparent considers ion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ac', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shijimati Shantaben Kantilal Shaghani.

(Transferor)

(2) Shrimati Sharadevi Govindprasad Singhania.

(Transféree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 501/B, Block Simla House, Hyderabad Estate, Nepean Sea Road, Bombay-400036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10467/85-86 on Daied 16/6/1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 4-2-1987

(1) Shri Pratap Nandlal Kothari & Smt, Kaumudi Pratap Kothari.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vinodkumar S. Pasari & Smt. Rameta Devi S. Pasari, Smt. Anıtadevi S. Pasari, Master Abhishek V. Pasari.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECCING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1987

Ref. No. AR-1/37EE, 11827/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat on 2nd Floor, Bharat Villa, Narayan Dabholkar Road, Bombay-400 006 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ' the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat on 2nd Floor, Bharat Villa, Narayan Dabholkar Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/10464/85-86 Dated 16/6/1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—22—516GI/86

Date: 4-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Mr. Nati A. Jhanglani & Mrs Secta N. Jhanglani.

(Transferor)

(2) Mr Raman Hirji Maroo & Di. Mis. Kastur Raman Maioo.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1987

Ref. No. AR-1/371 E/11761, 85-86.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 23, 2nd Floor, Miramar Nepean Sea Road, Bombay-

400 006 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 3-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely '-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 23, 2nd Floor, Miramar, Nepean Sea Road, Bombay-400 006.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/10430/85-86 Dated 3/6/1986.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dita: 4-2-1987 Seal:

(1) Shri Ramanlal Balde Desai.

(Transferor)

(2) Mr. Vallabhdas G. Thakkar & Another.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th February 1987

Ref. No. AR-I/37EE/12207/85-86,--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

Flat No. 9-B, 9th Floor, Vaibhav Bldg., Bhulabhai Desai

Road, Bombay-400 026 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred an dthe same is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 16-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have thesame meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 9-B, 9th Floor, Vaibhav Bldg. Bhulahabi Desai Road, Bombay-400 026,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/10374/85-86 Dated 16/6/1986

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :-

Date: 4-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-400 038, the 2nd February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/11695/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 1403, C-Wing, Tirupati Apartments, G. Deshmukh
Marg, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
Competent Authority at Rombay on 2.6/1986

169AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2.6/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mr. Ramesh Jayantilal Patel & Mis. Sarla W/o Ramesh Patel.

(Transferor)

(2) Mrs. Pallavi Gems (P) Ltd.

(Transferce)

(3) Shri Haresh N. Mataliya.

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1403, C-Wing, Tirupati Apartments, G. Deshmukh Marg, Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10420/85-86 on 2/6/1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-2-1987

(1) M/s Vandana Traders,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferoi)

(2) Shii P. N. I alla & Smt. A. P. Lalla.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANBL-IIB, BOMBAY Bombay, the 4th February 1987

Bombay-400 038, the 2nd February 1986

Ref. No. AR-IIB/37EE/34477/85-86.—Whereas. I.

M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No 201, 2nd floor, "MAN GAL SMRUTI" Chitrakar Dhurandhar Road, Khar, Bombay-52 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 6-6-1986 competent Authority at Bombay on 6-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of: with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by ny aother person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as, are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No 201, 2nd floor, "MANGAL SMRUTI" Chitrakar Dhurandhai Road, Khai, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/34477/85-86 on 6-6-1986.

M. S. RAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 2-2-1987

Scal:

### FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Shankar Mahadev Sawant.

(Transferor)

(2) Shri Ajitkumar K. Mehra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANBE-11B, BOMBAY

Bombay-400 038, the 2nd February 1986

Ref. No. AR-IIB/37EE/34650/85-86.--Whereas, I, M. S. RAI,

M. 5. KAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Pat No. 402, 4th Floor, A-Wing DECCAN APPARTMENT 4th Road Union Park, Khar (W), Bombay-52 situated at Bombay

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometan Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, A-Wing, Deccan Appartment, 4th Road, Khai (W), Bombay-52,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/34650/85-86 on 13-6-1986.

M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB, Bombay

New, therefore, in pursuance of ection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-2-1987

### 2495

### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Phuljeet Singh Kohli & Others.

(Transferor)

(2) Sh. Abdul Wadood A. Karim Banatwala.

(Transferee)

### GOYERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIB, BOMBAY

Bombay, the 2nd February 1987

Ref. No. AR.IIB/37EE/35140|85-86,-Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 101 Plot No. 289B
Union Park, Khar (W) Bombay.
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 101, Moon Beam, Plot No. 289B, Union Park, Khar (W), Bombay-52.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARII/37EE/35140/85-86 on 27-6-86

> M S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-2-1987

(1) Sh. Khushru B. Dalal.

(Transferor)

(2) Sh. Ajit K. Sethi.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIB, BOMBAY

Bombay, the 2nd February 1987

Ref. No. AR.IIB/37EE/35031,—Whereas, I. M. S. RAI

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 5-B, 5th Floor, Bandra Sea Hill C.H.S. Ltd
31, Union Park, Khar (W), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 27-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid avoided the apparent consideration, therefor, by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 5-B, 5th Floor, Bandra C.H.S. Ltd. 31, Union Park, Khar.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/35031/85-86 on 27-6-86.

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB, Bombay

Date: 2-2-1987

### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY,

Bombay, the 2nd February 1987

Ref. No. AR.B/37EE/34882/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. AR.B/3/EE/34882/85-86.—Whereas, I, M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot of 'land with structure known as Bharat Sudan, Part of Final plot No. 60, & Part of Final plot No. 78, of TPS IV Taggre Road Santagens (W) Bombay.

of TPS IV, Tagore Road, Santacrus (W), Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-6-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and, or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --23-516GI/86

(1) Shiv Prasad, Rungta.

(Transferor)

(2) M/s Kakad Enterprises,

(Transferee)

(3) Sunil Damania & Sharad Maru. (Persons in Occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot of land with structure thereon known as Bhatat Sadan, being part of final plot No. 60 and No. 78 of TPS IV, Tagore Road, Santacruz (W), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34882/85-86 on 20-6-86,

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB, Bombay

Date: 2-2-1987

Scal ;

### (1) Sh. Ramanna S. Shetty.

(Transferor)

(2) Sh. Satish Malhotra Trustee of S. K. Family Trust.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd February 1987

Rei. No. AR.B./37EE/35067/85-86.-Whereas, I.

M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) Thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair value market exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 7, Santacruz Rameshwar Premises C.H.S. Ltd. S. V. Road, Santacruz (W), Opp Khira Nagar, SV Road. Satuated at Rombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, withn 45 days from the date of the publication of the notice n the Offical Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 7, Santacruz Rameshwar Premises C.H.S. Ltd. S V. Roud, Santacruz (W), Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, ombay under No. AR.II/37EE/35067/85-86 on 27 6-1986.

> M. S. RAI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-IIB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for tre acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-2-1987

Scal:

(1) Neyaz Ahmed Shaikh & Others.

(Transferor)

(2) Smt. Hajra Mumtaz Alı Khokar & Ors.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd February 1987

Ref. No. AR.B./37EE/34570/85-86.-Whereas, I. M. S. RAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 2 & 3 1st floor, Bldg. No. B-8, Khira Nagar, S. V. Road, Santacruz (W), Bombay

situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 6-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said linstrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-nection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat, No 2 & 3, 1st floot, Bldg. B-8, Khira Nagar, S V. Road, Khai (W), Bombay,

The Agreement has been registered Authority, Bombay under No. AR II/37EE/34570/85-86 on 6-6-1986.

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB, Bombay

Date: 2-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT,1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 2nd February 1987

Ref. No. AR.IIB/37EE/34544/85-86.—Whereas, I, M. S. RAI, M. S. KAI, being the Competent Authority, under sec. 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 501, 5th Floor, Vaidya Vills, Green Street, Santacruz (W), Bombay, situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Raja Bhatia Enterprises.

(Transferor)

(2) Sh. Hashmukh Parekh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Vuidya Villa, Green Street, Santacruz (W), Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34544/85-86 on 6-6-86.

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-ΠB, Bombay

Date: 2-2-1987

FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE , INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IIB BOMBAY

Bombay, the 2nd February 1987

Ref. No. AR.IIB/37EE/34899/85-86.--Whereas, 1, M. S. RAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing
Flat No. 6, Salmona Villa, North Avenue,

Santacru (W), Bombay-54.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability. of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) F. T. Vorghese.

(Transferor)

(2) Mis, Shyama Sayal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

6, Salmona Villa IIIrd floor, North Avenue, Flat No. Santacru (W), Bombay-54,

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II, 37EE/3489/85-86 on 20-6-1986.

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-ΠΒ, Bombav.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 2-2-1987

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Radha Murthy Rao & Ors.

(2) J. J. Sampat (HUF).

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIB BOMBAY

Bombay, the 2nd February 1987

Rcf. No. AR.IIB/37EE/34955/85-86.-Whereas, 1, M. S. RA1,

M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 6, Prem Sagai, Green Street,
Jarsukhlal Mehta Road, Santacruz, Bombay-54. situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No 6, Ground floor, Plot No. 61-62 Prem Sagar, Green Street, Jaisukhlal Mehta Road, Santacruz (W), Born-

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EE/34955,85-86 on 26-6-86,

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-2-1987

Scal:

PART III-SEC. 11

#### FORM ITNS---

(1) Smt. Radha Murthy Rao.

(Transferor)

(2) Bimal Jitendra Sampat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IIB BOMBAY

Bombay, the 2nd February 1987

Ref. No. AR IIB/37EE/34954/85-86.—Whereas, I,

M. S. RAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000

Flat No. 7, on the Ground Floor in Divya Jyoti Co-op Housing Soct. J. M. Road, Santacruz (W), Bombay-400 054. situated at Bombay-400 005

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 7 on Ground floor in Divya-Jyoti C.H.S. Ltd., J. M. Road, Santucruz (W), Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EF/34954/85-86 on 26-6-86

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IIB, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 2-2-1987

Scal:

FORM NO. I.T.N.S

(1) Shyama Sayal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Harishchandra R. Dhutta and M18. Bharati H. Dhutta.

(Transfereca)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OUT OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-IIB, BOMBAY

Bombay-400 038, the 2nd February 1987

Ref. No AR.IIB/37EE/34971/85-86.—Whereas, I, M. S. RAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inconvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 17, Subodh Guiu C.H.S. Ltd. 38, Tagore Road, Santacruz (W), Bombay-54.

situated at Bombay

(and more fuly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 26-6-86 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or eviction of the liability of the transferor o pay ax under he said Act, in respect of any income arising from t e transfer; and/or
  - " facilitating the concealment of any income or any simpneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Vealth-tax et, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the -foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sections 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 17, Subodh C.H.S. Ltd. 38, Tagore Road, Santaciuz (W), Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.II/37EE/34971/85-86 on 26-6-86.

> M. S. RAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-IIB, Bombuy

Date: 2-2-1987

11:

#### (1), M/s Vikas Associates.

(Transferor)

(2) M/s Ellembarie Industrial Gasers Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJB, BOMBAY

Bombay-400 038, the 2nd February 1987

Ref. No. AR.IIB/34537/85-86.—Whereas, I. M. S. RAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing

Office premises No. 12(a) 1st floor, Vikas Centre, S. V. Road, Santacruz (W),

Bombay-54.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Ac', 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 24-516GI/86

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office rremises No. 12(a) in Vikas Centre, 1st floor, S. V. Road, Santacruz (W), Bombay-400054.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34537/85-86 on 6-6-1986.

> M S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Compelent Authority
> Acquisition Range-IIB, Bombuy.

Date: 2-2-1987

(1) M/s Vikas Associates.

(Transferor)

(2) M/s Ellenbarie Industrial Caser Ltd.

(T) ansferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IIB, BOMBAY

Bombay-400 038, the 2nd February 1937

Ref. No. A.R.IIB/37FE/34538/85-86.—Whereas, I, M. S. RAI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office premises No. 12(b) 1st floor, Vikas Centre, S.V. Road, Santacruz (W),

Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) Isolitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herety initiate proceedings for the acquisition of the aforesa.1 property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Premises No. 12(B), on 1st floor, Vikas Centre, 104, S.V. Road, Santaciuz (W), Bombay-54,

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34538/85-86 on 6-6-1986,

> M, S. RAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Competent Authority Acquisition Range-HB, Bombuy.

Date: 2-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560 001, the 2nd February 1987

No. R.2234/86-87/ACQ/B.-Whereas, I, R BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Scetion 269B of the Incente-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as-the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Apartment No. 3-B, situated at 'lake Shore Manor', Ill Floor, No. 7, Gangadhara Chetty Road, Ulsoor, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered with the competent, authority under

has been registered with the competent authority under

Section 269AB, in his office at 28, Infantry Road, Bangalore-560001 on 24-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. M/s. S. I. Property Development Private Ltd., High Point, No. 45, Palace Road, Bangalore-560001. (BUILDERS) 2. M/s. Annapoorna Apartments, No. 7, Gangadhara Chetty Road, Bangalore (Owner of the land under agreement with the Builders).
- (Transferor) (2) M/s. Malabar Industrial Company Lmited. No. 18, Sarjapur Road, Koramangala Layout, Bangalore-560034.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1782 86-87 Da ed 24-6-86). (Registered Document No. 1/82/86-8/ Da ed 24-6-86). All that piece and parcel of land together with all the structures standing thereon and appurtenances thereto, bearing Municipal No. 7, Gangadhara Chetty Road (old No. 1/A), Civil Station, Bangalore, bounded on the North by Gangadhara Chetty Road, on the South by No. 28, Aga Abbas Ali Road, on the East by No. 29, Aga Abbas Ali Road and on the West by Jaya Bhavan, property of the vendor and measuring on the North 237, on the South 153. vendor and measuring on the North 237, on the South 153', 6", on the East 148' 3" and on the West 189'.3", by these surements a little more or less inclusive of only the Eastern wall as per plan.

Proposed multi-storeyed building of residential apartments, sanctioned vide L.P. No. 2320/83.84 dated 15-3-84, of the Corporation of the City of Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parameters. ing persons, namely :-

Date: 2-2-1987

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 2nd February 1987

No. A.2217/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Survey No. 25/5, situated at Geddalahalli Village, Bangalore North Taluk

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been registered with the competent authority under Section 269AB, in his office at 28, Infantry Road, Bangalore-5600001 on 2-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Smt. Lakshmi Bai W/o late Sri Ram Singh,
   Shri R. Pratap Singh, S/o late Sri Ram Singh,
   R.M.S. Bus Stop, Opp : Manjungtha Nurse Manjunatha Nursery School, Sanjayanagar, Bangalore-560024, 3. Shri R. Kumar Singh, S/o late Sri Ram Singh. 4. Master Sanjeev, S/o Sri R. Kumar Singh, Rep. by Shri R. Kumar Singh, 5. Master Lalu, S/o Sri R. Kumar Singh, Rep. by Shri R. Kumar Singh, Jannu Beedhi, Near Bus Stand, Nelamangala, Bangalore District. (Transferor)
- (2) Shri Devraj H. Ranka, S/o Shri Hasthimal Ranka, Flat No. 801-B, Queens' Corner, 3, Queen's Road, Bangalore-560001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1767/86-87 Dated 2-6-1986).

All that property bearing survey No. 25/15, Geddalahalli Village, Bangalore North Taluk and measuring one acre and seven guntas and bounded by:—

East: Land of Koratagere Dyavanna

West: Land of Pillagana Giddappa South: Land of Rangappa North: Land of Jyothingarda Nanjundappa and

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 2-2-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT,1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 2nd February 1987

R. No. 62/50150/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. (1)/4. New No. 4 1, situated at IV Cross, Annamma Temple Road Extension, Ramkrishna Puram, Subedar Chatram Road, Bangalore-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 9-6-1986

Gandhinagar on 9-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mahadev Devasimal Manghani, No. 36, VI Floor, Shivdarshan 80, Infantry Road, Bangalore-560001.

Transferor(S)

(2) 1. Shri S, Shrivasa 2. S. Gopal No. 66, IV N Block Rajajinagar, Bangalore-10.

Transferce(S)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 778/86-87 Dated 9-6-86)

All that Piece and Parcel of land with building now known as SUN BEAM LODGE and bearing old No. 47/4, New No. 4/1, IV Cross, Annamma Temple Road Extension Ramakrishna Puram, Subedarchatram Road, Bangalore-9, Divn. No. 22, measuring East to West 50 & North to South 25'.6" with the ground, first and Second floor building and more fully described in the Schedule to the sale deed dt. 9-6-86. 9-6-86,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-2-1987

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 2nd February 1987

C. R. No. 62/5/211/86-87/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4/32, situated at South End Road, Basavanagudi.

Bangulore-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore on 12-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 1. Sri S. Visweswaran,
 S/o Shri S. Shamanna,
 Sri V. Shyam,
 S/o Sri S. Visweswaran,
 General Power of Attorney Holder, 3. Sri V. V. Raman, S/o Sri S. Visweswaran, General Power of A torney Holder, No. 100, Jeevan Prakash LIC Colony, III Block, East Jayanagar, Bangalore-560011.

Transferor(S)

(2) 1. Sri T. V. Prasanna Kumar, Sl. o late Sri Tallam S. Venkataramaiah, 3, o late Si Tanam S. Vehkatala 2. Smt. T. P. Gayathri, W/o Sri T. V. Prasanna Kumar, 3. Master T. P. Naganandan, S/o Sri T. V. Prasanna Kumar, No. 7, Jayashree, 3rd Cross, Shankarpuram, Bangalore-560004.

Transferee(S)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; -
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1297/86-87 Dated 12-9-1986)

All the piece and parcel of the entire property together with the existing structures standing thereon of the premises bearing No. 43/2, South End Road, Basayanagudi, Bangalore, Corporation Division No. 56, bounded are :

East by: Property No. 15/43 belonging to Sri S. Krishna Murthy brother of the vendors. West by: Property No. 43/1 North by: Conservancy Lane and South by: South End Road

and measuring East to West 77'.8" and North to South 102' consisting of old dialapidated house measuring about 81/2 squares with mud walls, tiled roofing, Kadaba slab flooring with electrical connections. There are no wells or there are no fruit bearing trees. There is no compound walls on the South. The compound existing on the East belongs to neighbouring owner Sri. S. Krishna Murthy. Only the Northern and Western walls are included in the sale deed,

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 2-2-1987

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560 001, the 9th January 1987

C. R. No. 62/50194/86-87/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

New No. 49/69 (old No. 52), present No. 212 situated at Cottonpet Main Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore on 5-9-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of be disclosed by the transferee for (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---

(1) Smt. P. Srilatha Reddy, Smt. P. Sriiatna Reddy,
D/o Sri R. Raghurama Reddy,
Apartment No. 729, 149-05,
79th Avenue, Kew Gardens,
Flushing, Newyork-11367,
Rep. by General Power of Attorney Holder,
Smt. Vidyulatha Raghurama Reddy,
No. 59, 8th Cross, Malleswaram,
Bangalore Bangalore. Transferor(S)

(2) 1. Shri K. N. Jayaprakash and 2. Smt. K. V. V. Rathnamma, No. 299, 6th Cross, 1 Block, Jayanagar, Bangalore-11.

Transferee (S)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1496/86-87 Dated 5-9-86).
Property bearing No. 49/69 (old No. 52), present number 212, situated at Cottonpet Main Road, Bangalore City, consisting of about 15 squares building and vacant space within the area of about 83 feet East to West and about 125 feet North to South, bounded as follows:

East by: Cottonpet Main Road.
West by: Basore Gudanna Galli and the house of Still Virunakohanna and Buttonna.

Sii. Virupakshappa and Puttanna. North by : Compond wall of Sri Adinarayanaswamy Temple and

South by: Property belonging to Smt. Jayalakshamma.

R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range . Bangalore

Date: 9-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE - BANGALORE

Bangalore, the 9th January 1987

C. R. No. 62/50122/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Municipal No. 8, situated at Grant Road, Bangalore-560001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore on 13-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Zohra Jabeen, W/o late Sri S. S. Hazrath Shuttari, No. 23, Coles Road, Bangalore-560005.

Transferor(S)

 Shri Perceyion E. Louis,
 and S. B. Louis, and
 Smt. Jayakasthuri M. Louis, W/o Sri. P. E. Louis, (Both are presently @ Kuwait), Rep. by Sri. R. I. D'Sa Advocate, No. 20, Rest House Crescent, Bangalore-560001.

Transferee (S)

(3) 1. Sri. Gusti Hormusjee 2. Mrs. Yesupriya 3. Mr. Ismail Sait

(Person (s) in occupation of the property)

(4) Vendor (Person (s) whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 664/86-87 Dated 13-6-86) The entire premises presently bearing municipal No. 8, Grant Road, Corporation Division No. 61, Bangalore-560001, consisting of a two storeved tenanted residential building Three houses, etc bounded:

On the north by: the property of late Sri. B. V. Nara-

yana Reddy.

On the east by: the property of Oriff Ahmed.

On the South by: 8/1, Grant Road and

On the west by: 8/1, Grant Road and common passage

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 9-1-1987

NOTICI: UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 9th January 1987

C.R. No. 62/50192/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/ and bearing 15 (old No. 7),

situated at Jalimasjid Road, Jali Mohalla, Bangalore-560053 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Gandhinagar, Bangalore on 16-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-25—516GI/86

(1) 1. Smt. Jayalakshmi Narayan, W/o Shri P. N. Narayan, No. 15, Masjid Road Jolly Mohalla, Bangalore-560053. 2. Sri Sunil Kumar P.N.,

S/o Shri P. N. Narayan, No. 15, Masjid Road Jolly Mohalla, Bangalore-560053.

3. Miss Tarakeshwari P. N., D/o Shri P. N. Narayan, No. 15, Masjid Road Jolly Mohalla, Bangalore-560053.

4. Sri Goutham P. N., S/o Shri P. N. Narayan, No. 15, Masjid Road Jolly Mohalla, Bangalore-560053.

(Transferor)

(2) Shii Anwar Khan, S/o Shri Abdul Khuddus Khan, No. 4, Masjid Road, II Cross, Jolly Mohalla, Bangalore-560053.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1104

Dated 16-6-1986)

Property bearing No. 15, (old No. 7), Jolly Masjid Road, Jolly Mohalla, Bangalore City bounded on the East by: Munshi Sab Lane West by: Houses of Mahaboob Sab and Issac Sab

North by: Mohinddeen Sab's house South by: Masjid Road.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangulore-560001, the 9th January 1987

C.R. No. 62/50153/86-87/ACQ/B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 f 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Municipal Nos, 54 1 and parts of 55 and 55/2, and 54/2 in Division No 59 told No 34), situated at 47th Cross, 8th Block, Javanagur. Banalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of he Registering Office at

Jayanagar, Bangalore on 6-6 19-6 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the spid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act to the following persons, namely:-

- (1) 1. Bimal Bhattacharya. S/o late Shri Haii Charan Bhattacharya. Residing at No. 190 Candhi Bazar, Bangalore-560004.
  - 2. Mrs. Hari Kirti Singh D o Sri Bimal Bhattacharya and W/o Sri Arun Singh Residing at No. 65. Reservoir Street, Basavanagudi, Bangalore-560004.
  - 3. Shri Sujit Bhattacharya D/o Sri Bimal Bhattacharya and Residing at No. 190 Gandhi Bazaar, Bangalore-560004.
  - Miss Sharmilo Bhattachaya, D/o Sri Bimal Bhattacharya and Residing at No. 190 Gandhi Bazaar, Bangalore-560004.
  - Mrs. Lakshmi Bhattacharya D/6 Sri Bimal Bhattacharya and Residing at No. 190, Gandhi Bazaar, Bangalore-560004
  - Shri Arun Singh, S'o Sri Subban Singh Residing at No. 65, Reservoir Street, Basavanagudi, Bangalore-560004.
  - K. T. George, S/o Sri K. T. Thomas 34, Willington Street Richmond Town, Bangalore

- 8. Mrs. Uma Shankar, W/o Sri N. Shankar, 2574, 17-B Cross, 7-A Main Road, Banashankari Second Stage, Bangalore-560070.
- A. Palaniswamy, No. 1, Clarkspet 'C', Bangalore-560001.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. C. Radha. Vysya Bank Ltd., Ameerpet.
- (2) 1. Smt. C. Radha. Vvsya Bank Ltd., N. K. C. Brach, Bangalore,
  - 3. Sri C. Srinivasulu, Vysya Bank Ltd., Gurramkonda.
  - 4. Sii S. Venkataramanaiah, Vysya Bank Ltd., Bangalore.
  - 5 Sti K. Lakshminarayana, Vysya Bank Ltd., Chelur.
    - Sri B. S. Kanakarathnakara, Vysya Bank Ltd., Bangarpet.
    - 7. Sri A. N. Sridhar, Vysya Bank Ltd., Aurangabad.
    - 8. Sri A. Nagaraja Rao, Vysya Bank Ltd., Bangalore.
    - 9. Sri B. R. Rajeevalochanam, Vysya Bank Ltd., Chikmagalur.
  - 10. Sri B. S. Mohd. Shafi, Vvsya Bank Ltd., Ghaziabad.
  - 11. Sri B. V. Prakash, Vysya Bank Itd., A.O. Bangalore.
  - 12. Sri M. Seshagiri Rao, Vysya Bank Ltd., A.O. Bangalore.
  - 13. Sri P. Venkata Rao. Vysva Bank Ltd., Vella.
  - 14. Sri M. Subbarama Setty, Vysya Bank Ltd., K. G. Road, Bangalore.
  - Smt. Subbalakshmi Subramanyam, Vysya Bank Ltd.. Mandvi Branch, Bombay.
- 16 Sri P. Sriniyasa Reddy, Vysya Bank Ltd., Gajuwaka, Visakhapatnam.
  - 17. Sri S. Ramaiah. Vysya Bank Ltd., D.O., Mysore
  - 18 Sri P. V Puttaraja Gupta, Vysva Bank Ltd., Challakere.
  - 19. Sri G. Naresh Kumar, Vysya Bank Ltd., Ameerpet, Hyderabad.
  - 20. Sri Syed Shakir Hussain, Vvsva Bank Ltd., Fraser Town, Banalore.
  - Sri Nanjunda Setty, Vysva Bank Ltd., V. V. Puram.
  - 22. Sri C. G. Jayanth, Vysya Bank Ltd., Bangalore.

- 23. Sri M. S. R. Anjaneyulu, Vysya Bank Ltd., A.O. Bangalore.
- 24. Sri Satish G. Gosavi, Vysva Bank Ltd., A.O. Bangalore.
- 25. Sri 1. N. Satyanarayana, Vysya Bank\*Ltd., Chikmagalur.
- 26. Sri R. S. Nagaraj, Vysya Bank Ltd., D.O., Bijapur.
- 27. Sri P. Lakshminarayana Setty, Vysya Bank Ltd., D.O., Bangalore.
- 28. Sri T. S. Amruthavallı, Vysya Bank Ltd.,
  K. B. Road Bangalore,
  29. Sri A. Ch. Subramanyam, Vysya Bank Ltd., Teeja.
- 30. Sri C. R. Venkataraman, Vysya Bank Ltd., Bijapur.
- 31. Sri M. Gopal, Vysya Bank Ltd.,
- Mehboobnagar.
  32. Sri B. R. Sanjeeva Murthy,
- Vysya Bank Ltd.,
  P & S., Bangalore

  33. Sri C. Pádmanabha, Vysya Bank Ltd.,
  Vysya Bank Ltd., Bagalkot.
- 34. Sri K. V. Ramesh, Vysya Bank Ltd., A.O. Bangalore.
- 35. Sri K.-V. Ramesh, Vysya Bank Ltd., Sydapur.
- 36. Shri C. S. Vijayakumar, Vysya Bank Ltd., Nagavalli.
- 37. Sri N. N. Joshi, Vysya Bank Ltd., Gadag.
- 38. Sri S. Padmanabhan, Tirupathi.
- Sri T. V. N. S. Sainath, Vysya Bank Ltd., D.O. Guntur.
- 40. Sri Dattathréya, E. Vysya Bank Ltd., Bagalkot.
- 41. Sri B. V. N. Sùresh Babu, Vysya Bank Ltd.,
- 42. Smt. K. M. Rajamma Vysya Bank Ltd.. Sadashivnagar, Bangalore.
- 43. Sri L. Raghavan. Vysya Bank Ltd., A.O. Bangalore.
- 44. Sri Y. Sadguru Murthy, Vysya Bank Ltd., · Bakrapet.
- 45. Sri S. Ravi Kumar, Vysya Bank Ltd., A.O. Bangalore.
- 46. Sri M. Gopalakrishna, Vysya Bank Ltd., A.O.
- Maregowdanahalli. 47. Sri N. V. Srinivasaiah Setty, Vysya Bank Ltd.,
- Gadag. 48. Sri K. A. Prabhakar, Vysya Bank Ltd.. A.O. Bangalore.
- 49. Sri A. Janardhana Rao, Vysya Bank Ltd., Rompicherla.
- 50. Sri K. S. Kulkarni, Vysya Bank Ltd., Bagdal.

- 51. Sri J. Syyam Sunder, Vysya Bank Ltd., A.O. Davangere.
- 52. Sri G. N. Chakravarthy, Vysya Bank Ltd., A.O. Adoni.
- 53. Sri C. S. Pia'ohakai, Vysya Bank Ltd.,
- Chickmaglur. 54. Sri B. K. Shyamala, Vysya Bank Ltd., A.O.
- Bangalore. 55. Sri Syed Riaz Ahmed, Vysya Bank Ltd.,
- Avoor. 56. Sri M. V. S. Nageswara Rao, Vysya Bank Ltd., A.O. Secunderabad.
- 57. Sri M. Ramakrishaa, Vysya Bank Ltd., Raghunathapallı.\*
- 58. Sri S. R. Chandrasekhar, Vysya Bank Ltd., A.O. Bangalore.
- 59. Sri Rajeshwari Prasad, Vysya Bank Ltd.. Madras-I.
- 60. Sri M. Chandrasekhara Rao, Vysya Bank Ltd., Khandavallı.
- 61. The Vysya Bank Ltd., Rep. by Shri P. V. Satyanarayana, Senior General Manager, No. 489, Avenue Road, Rangalore Bangalore.

(Transferee)

- Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

  (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

#### THE SCHEDULE

. .

(Registered Document No. 495/86-87 Dated 6-6-1986) Vacant land measuring 23.644 sq. bearing Municipal Nos. 54/1 and parts of 55 and 55 2, and 54/2 in Division No. (Old No. 34) New 59 of the Bangalore Municipal Corporation 47th Cross, 8th Block, Jayanagar, Bangalore, measuring on the East (1: ft. + 85 ft.), West (134 ft. + 51 ft.), North 92:3" + 40'40") and South (149 ft. + 40 ft.) on which the Commissioner of the Corporation of the City of Bangalore has accorded licence for building vide LP. No. 1871, 84.85, date 4, 27, 21,1986, and bounded on the

of Bangalore has accorded licence for building vide LP. No. 1871 84-85 dated 27 2-1986 and bounded on the—
East by: Property standing in the name of Sri Sachidananda Das

West by: Portions of site Nos. 54 and 54/2 and also site No. 53 (by only 60 ft. on Northern end).

North by: Part of site No. 55 to an extent of 92'3" only and to the extent of 4') ft. only the Corporation site No. 53 belonging to Mrs. Vijayalakshmi Jois and the 40 ft. wide private road for free use of users and owners of Corporation site No. 53. 54. 54/2, 54/2, 55, 55/1 and 55/2.

South by: Land belonging to vendors 1 to 4 being portions of site Nos. 55/2 and 54/2.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Bangalore

Date: 19-1-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 19th January 1987

C.R. No. 62/50172/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Khata No. 217 and Assessment No. 376 situated at

Vijjinapura Village, Dooravaninagai, Bangalore South Taluk,

Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) i the Office of the Registering Office at Bangalore South Taluk on 31-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or either assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the saue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely :-

(1) M/s. United Brick Company, Rep. by its Partners-1. Sri Davis Thatill 1. Sri Davis Thatiii Residing at Pokattu House, Iranjalikuda Trichur Dist., Kerala. 2. Sri P. V. Verghese Residing at Pokattu House, Iranjalikuda Trichur Dist., Kerala. 3. Sri Baby Chakola Residing at Chakola House. Murungoor Challakodi Distt., Trichur,

(Transferor)

(2) M/s. Emke Establishments (Regd.), Partners

1. Sri M. K. Abdulla

Sri Yousuff Ali M. A.
 Asif M. A.
 Minor Shanawaz M. A.

Rep. by his guardian M. K. Abdulla, K. R. Puram, Bangalore-80.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2286 Dated 31-7-1986)
All the Part and Parcel of the land together with the old constructions standing thereon bearing khata No. 217 and assessment No. 376 of Vijjinapura Village, Dooravaninagar, Bangalore South Taluk, Bangalore and more fully described m the schedule to the sale deed dated 31-7-1986 totally measuring about 3 00 acres.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-1-1987

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, .BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th January 1987

C.R. No. 62/50131/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 233 and 234 (New Nos. 61/A and 61/1) situated at Rama Iyengar Road, Visveswara Puram, Bangalore-560004 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Basavanaguti on 16-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair to as the 'said Act', have reason to believe that the im-income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of hansfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Sh. K. Rathnam S/o T. Kupparam Sri K. Balakrishna S/o T. Kupparam No 35, Mill Road, Cuttonpet, Bangalore-560002.

(Transferor)

(2) 1. K. N. Jayaprakash S/o K. Narayana Shetty 2. Smt. K. J. Padmaja W/o Sri K. N. Jayaprakash No. 64, Middle School Road, Visveswarapuram, Bangalore-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 773

Dated 16-6-1986)

All the property bearing old numbers 233 and 234, New numbers 61/A and 61/1, situated at Rana Iyengar Road, Visveswarapuram, Bangalore-560004 and more fully described in the schedule to the sale deed dated 16-6-1986.

R. BHARDWAJ Competnt Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-1-1987

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th January 1987

C.R. No. 62/50123/86-87/ACQ/B.-Wbereas, I. R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-rax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.
604, situated at HAL II Stage, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivarinagor on 13-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Rahimuddin Ahmed, No. 604, XII Main, HAL II Stage, Bangalore-560038.

(Transferor)

(2) Sri R. Ramachandran, P.A. Holder M. Sekar, No. 1075/F, HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore-560038.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said projecty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 666

Dated 13-6-1986)

All that piece and parcel of land together with the existing building thereon bearing Municipal No. 604, HAL II stage, Bangalore in Corporation Division No. 67, and more fully described in the schedule to the Sale deed dated 25-2-1985.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-1-1987

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th January 1987

No. 62 1684/86-87, ACQB.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair Rs. 1,00,000/- and bearing No. market value exceeding

Sy. No. 23 situated at Kumarpatnam P.O. Kodiyal Group

Panchayat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Rancbennur on 16-6-1986
for an apparent consideration which is less than the fair section 269AB of the said Act in the Office of the believe that the fair market value of the property as aforestical the apparent consideration therefore has a forestical the apparent consideration therefore has a forestical the apparent consideration therefore has a forestical the apparent consideration therefore has a forest and the apparent consideration. said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that market value of the aforesaid property and I have reason to the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) failitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Warth (ax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. The Mysore Construction Co. and M/s. Suresh Malpani & Co. Kumarapatnam-581123.

(Transferor)

(2) M/s. Agro Inputs Limited, 87, 3rd Main Road, New Tharagupet, Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said properly, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ' 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPTANATION: -- The terms and expression The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 344

Dated 16-6-1986)

The property is an old factory building and few small structures bearing survey No. 73 Kavalettu village, Rancbenur Taluk Dist. Dharwar and situated on a land abutting P.B. Rd. and about 5 K.Ms. from Harihar Town.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tu-Acquisition Range, Bangalore

Date: 7-1-1987

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 15th January 1987

C. R. No. 62/50140/86-87/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 565/4, situated at HAL II Stage, Corporation Division No. 67, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed here! has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 27-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfor with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purphses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati B. Sudha Mallya, No. 312, 1 Stage, Indiranagar, Bangalore-560038.

(Transferor)

(2) Shri fogabrota Ghosh, Flat No. 3, SW 119, Southern Avenue, Calcutta-700029.

(Transferee)

(3) Presently at 565/4, HAI II Stage, Bangalore-560 0238. (Person (s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Registered Document No. 805 Dated 27th June 86]
All that Piece and Parcel of land with Building thereon
comprising of ground and I Floor together with fittings and
fixtures now known as and bearing corporation No. 565/4,
(Old No. 565/L) situated in HAI. II Stage in corporation
Division No. 67 (Old Division No. 51) Bangalore. More
fully described in the Schedule to the sale deed dt. 27-6-86.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-1-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 15th January 1987

C. R. No. 62/50144/86-87|ACQB.—Whereas, I, BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereina ter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

90 situated at II Cross (Nek No. 15, IV Cross), Victorial Road Extension, Victoria Layout, Bangalore-560047 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 25-6-1986 for an apparent consideration, which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to new tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (24 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for tre acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) 1. Shrimati R. Kausalya Bai 2. Shri G. R. Ganesh

Smt. Nagamani

90, II Cross (New No. 15, IV Cross), Victoria Layout, Bangalore-560 047.

(Transferor)

(2) 1. Shri Syed Ahmed Hussain,
 2. Syed Iqbal Hussain,
 I Floor, No. 90, II Cross,
 (New No. 15, IV Cross),

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Victoria Layout, Bangalore-560 047.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Regstered Document No. 953/86-87 Dated 25-6-86]
All that Piece and Parcel of Immovable Property being
Land and building situated in and bearing No. 90, II Cross
(New No. 15, IV Cross) in Victoria Road Extension, Victoria Layout, Bangalore-560 047 bounded on the;
East by: Site No. 91,
West by: Site No. 89,
North by: Private Property,
South by: Road.
More fully described in the Schedule to the sale deed dt.
25th June 1986.

25th June 1986.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-1-1987

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 15th January 1987

C. R. No. 62/50143/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bengalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 780, situated at HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore-

560 038

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Shivajinagar on 9-7-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property, and I have reason aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by and that the consideration for such transfer as agreed to betto believe that the fair market value of the property as more than fifteen per cent of such apparent consideration ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri V. Radhakrishnan, No. 1807, Prakashnagar, III Stage, Bangalore-560 021.

(Transferor)

(2) Shrimati T. Padmini Menon, No. 347, HAL ΠΙ Stage, Indiranagar, Bangalore-560 038.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 896/86-87 Dated 9-7-86]
All that Piece and Parcel of land with residential building bearing No. 780, HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore-560 038 now in the 67th Division of Bangalore city Corporations, measuring East to West 75 feet, North to South 50 feet, together with all rights of further naces, whatspeyer whether tions, measuring East to West /3 feet, North to South 30 feet, together with all rights iffurtenances whatsoever, whether underneath or above the surface and Bounded on the :
East by : Site No. 776, HAL II Stage,
West by : Road
North by : Site No. 781 and
South by : Property No. 779.
More fully described in the Schedule to the Sale deed dt. 9th

July 86.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Date: 15-1-1987

Scal:

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 15th January 1987

C.R. No. 62/50134/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 5, situated at 11 Stage, West of Chord Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908. (16 or has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 or 1908) in the Office of the Registering Office at

Rajajinagar on 16-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore, in pursuance of Section 2000 of the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri B. Venkatadir Sethy, No. 5, West of Chord Road, II Stage, Bangalore-560 0086.

(Transferor)

(2) M/s. "Sri Amar Investments".
(1) Sri G. K. Rajgopal Sethy.
Sri B. Mithavaehan,
(2) 41/42, Jewellers Sheet, Bangalore-560 001.
No. 2954, II Stage,
Paisinger Bangalore-560 010. Rajajmagar, Bangalore-560 010.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made is writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (o) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 884 Dated 16-6-861

All that Immovable Property bearing Present Municipal No. 5, II stage, West of Chord Road Division No. 8 (WC) Bangalore. More fully described in the Schedule to be sule deed dt. 16th June 86.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-1-1987

Scal:

#### PORM ITHS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 15th January 1987

C. R. No. 62/50138/86-87/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 849, situated at HAL II Stage, Indirangua, Bangalore-38 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Shivajinagar on 18-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act, to the following persons, namely :---

 Shrimati Asma Yacoob, No. 17/3, Speneer Road Cross, Develand Town, Bangalore-560 005.

(Transferor)

(2) Shrimati Indira Somavati, Rep. by her P.A. Holder, Mr. M. G. Nariyappa, No. 885, 11th Main, III Cross, Indiranagar, Bangalore-560 038.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 713/86-87 Dated 18-6-86]

All that Piece & Parcel of land together wih its building, fittings, electrical, water and sanitary items consisting of ground floor & first floor, bearing No. 849, situated in HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore1560 038. More fully described in the Schedule to the sale deed dt 18th June 86.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-1-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 15th January 1987

C. R. No. 62/50132/86-87/ACQ/B.—Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing
Survey No. 9/1-A, Khata 100/90 situated at Arakere village,
Bannerghatta Road, Begur Hobli, Bangalore South Taluk,

Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk on 16-6-1986

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Edura Poly Packaging Industries Rep. by Managing Partner, G. Shantaram Kamath, No. 179, 15th Main, 35th Cross, 4th T. Block, Jayanagar, Bangalore-560011.

(Transferor)

M/s.Namgte Leather Garments (Pvt.) Ltd., No. 21/2; Vittalnagar, Chamaraj Pet, Bangalore 560 018. Rep. by its Director K. Sadashiva.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1323/86-87 Dated 13-4-86] Industrial land & Industrial Sheds at Survey No. 9/1-A, Khata No. 100/90, Arakere Village Bannerghatta Road. Begur Hobli, Bangalore South Taluk, Bangalore. More fully described in the Schedule to the sale deed dt. 13th April 86.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-1-1987

THE RESIDENCE AND THE

#### FORM ITNS-

(1) Mrs. Banoo A. Tantra

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 6th March 1987

Ref. No. G.I. No. S-414/Acq.—Whereas, I, SMT. SAROJNI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing No. 29/27 Lanud with building situated at 4, Rana Pratap Marg. Lucknow

Marg, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar

at Lucknow on 13-6-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Master Sheikh Mohd Shawefz Arif

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with building bearing No 29/27, situated at 4 Rana Pratap Marg, Lucknow measuring 1115.24 sq. mtrs. (as mentioned in 37G form).

SMT. SAROJNI LAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 6/3/1987

Soal:

(1) Sri T. M. Divakaran, 63, Greenways Road, Madras-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Prabha Yesudas & Others, 13, Third Street, Madras-18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1987

Ref. No. 2/Jun. 86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R. S. No. 210/2A 1A4 (Part) 140 situated at Thiruvan-miyur Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Doc. Nos. 1813 to 1916 Madras South on June 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

EXPLANATION: -- The terms and expressions need herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# ansfer;

THE SCHEDULE

Land at R. S. No. 210/2A/1A4 (Part) 140, Thiruvanmiyur Village Madras.

(Madras South Doc. Nos. 1813 to 1816/86)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-2-1987